जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Daylight attack While waiting to go to our aircraft, I had butterflies in my stomach because I was only 24 years old and did not want to die!

Summer Car Tip: Ways To Protect Your EV Battery With the right precautions, you can protect your EV battery and ensure smooth performance even in the hottest months

ट्रंप की आशा के विपरीत, यूक्रेन-रूस युद्ध और सघन व खतरनाक हुआ

यूक्रेन ने रूस के भीतरी भागों में जबरदस्त ड्रोन-एटैक किया और बिल्डिंग्स को भारी नुकसान पहुँचाया तथा गिरते हुए मलबे से काफी अफरा-तफरी मची रूस के शहर में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के डॉनल्ड ट्रंप के वादे के विपरीत, अब यूक्रेन में लड़ाई और अधिक भयंकर हो गई है और यूक्रेन ने भी रूस में काफी अंदर तक जाकर भारी ड्रोन हमले किए हैं।

ट्रंप का प्रस्ताव था कि कम से कम एक माह के लिए सीमित युद्ध विराम हो, जिसमें दोनों देश एक दूसरे के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर (ऊर्जा संयंत्रों) को निशाना नहीं बनाएं। इसके विपरीत, रूस और यूक्रेन दोनों ने प्रतिशोध की नई और तीव्र भावना के साथ ऊर्जा केन्द्रों पर हमले किए हैं।

यूक्रेन ने रूस के भीतरी भागों में जबरदस्त ड्रोन हमले किए हैं, जिसने रूसियों को चकित कर दिया है। जवाबी कार्यवाही में रूस ने यूक्रेन के कुछ ऊर्जा संयंत्रों के साथ-साथ शहरों और नागरिक ठिकानों पर विनाशकारी हमले किए हैं।

यूक्रेनी हमलों के जवाब में रूसी सेना ने सुमी और डोनेटस्क क्षेत्र में वोल्गो रोड क्षेत्र जैसे कुछ क्षेत्रों पर भारी हमले किए है। वहीं, यूक्रेन के कुछ ड्रोन हमलों की वजह से रूस में इमारतों को काफी नुकसान हुआ है और चारों और गिरते हुए मलबे ने जनता में व्यापक रूप से सार्वजनिक भय पैदा कर दिया है।

- दूसरी ओर रूस ने बदले की भावना से यूक्रेन पर धावा बोला। कुर्स्क क्षेत्र में, जहाँ यूक्रेन ने रूस की काफी भूमि पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया, वहाँ से, रूस की भारी गोलाबारी के दबाव में, यूक्रेन को लगभग 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र छोड़कर पीछे हटना पड़ा।
- ट्रंप ने यूक्रेन व रूस के समक्ष प्रस्ताव रखा था कि 30 दिन का युद्ध विराम रहेगा तथा इस अवधि में दोनों देश एक दूसरे के बिजली संयंत्र आदि पर गोलाबारी नहीं करेंगे। पर, युद्ध विराम का प्रस्ताव, अस्वीकार सा ही रहा तथा दोनों देशों ने एक दूसरे के बिजली संयंत्रों आदि पर जमकर बमबारी की।
- रूस का हमला इतना भयंकर था, बिजली के संयंत्रों व नागरिक प्रतिष्ठानों पर कि यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ैलैंस्की, सीमा का दौरा करने को बाध्य हुए, सेना का मनोबल ऊंचा रखने के लिए।

ट्रंप के सीमित युद्ध विराम प्रस्तावों की अवहेलना करते हुए, रूसियों ने यूक्रेन के बुनियादी ढांचे और नागरिक लक्ष्यों पर नए उन्माद के साथ फिर से हमले शुरु कर दिए हैं। इसके परिणामस्वरूप एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है, जिसमें यूक्रेनी राष्ट्रपति को अपनी सेना के मनोबल को बनाए रखने के लिए वर्तमान में फ्रंटलाइन पर जाना पड़ा है, जहाँ यूक्रेनी सेना भारी दबाव में है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में, जहाँ यूक्रेन ने रूस की बड़ी ज़मीनों पर कब्जा किया था, रूस ने पलटवार हमले शुरु किए हैं और यूक्रेनी सेना को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। रूस ने हाल ही में दावा किया है कि उसने 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर फिर से कब्जा कर लिया है, जो पहले यूक्रेनी नियंत्रण में था।

इस नुकसान के कारण, सऊदी अरब के नेतृत्व वाली वार्ता में यूक्रेन की सौदेबाजी की स्थिति कमज़ोर हो गई है। वार्ता करने वाले अमेरिकी और यूक्रेनी दल इन रूसी क्षेत्रों को रूसियों के साथ सौदेबाजी के कार्ड के रूप में देख रहे थे। अब, यूक्रेनी पक्ष अपनी सौदेबाजी की ताकत को तेजी से खोता जा रहा है।

यह संभव है कि रूसियों ने डॉनल्ड ट्रंप और अमेरिकी दबाव को चुनौती देने के लिए कुछ सोच-समझ कर कदम उठाए हों। यह स्पष्ट है कि अमेरिका विभिन्न मोर्चों पर विभिन्न समूहों और ताकतों के दबाव में हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका यूक्रेन युद्ध वार्ता से अलग हो रहा है, क्योंकि वो अन्य हमलों और गतिविधियों के कारण स्वयं दबाव में है। लाल सागर क्षेत्र में हूती विद्रोहियों ने अलग-अलग फैले ठिकानों से अमरीकियों और इज़रायल पर गंभीर हमला किया है। हूतियों ने अमेरिकी नौसेना के "हैरी एस. ट्रूमैन" विमानवाहक पोत पर मिसाइलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो अति.मु.सचिवों को सिविल कारावास

जयपुर, 22 मार्च। शहर के वाणिज्यिक न्यायालय क्रम-1 ने अवॉर्ड राशि का भुगतान नहीं करने के दो अलग-अलग मामलों में अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता और भास्कर ए सावंत को तीन-तीन माह के सिविल कारावास की सजा सुनाई। अदालत के इस आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है, जिस पर अदालत अगले सप्ताह सुनवाई करेगी।

- वाणिज्यिक न्यायालय ने पीडब्ल्यूडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत को दो अलग-अलग मामलों में तीन माह के सिविल कारावास की सजा सुनाई। दोनों पर ठेकेदारों को निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करने का आरोप है।

जयपुर के वाणिज्यिक न्यायालय क्रम-1 ने ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने से संबंधित विवाद पर अदालती आदेश की पालना नहीं होने पर यह आदेश दिए। नागौर मुकुंदगढ हाईवे प्राइवेट लिमिटेड ने वर्ष 2020-21 में सड़क का निर्माण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पिछले वर्ष ओडिशा चुनाव से पूर्व तत्कालीन मु.मंत्री नवीन पटनायक के स्वास्थ्य के बारे में कई चर्चाएं शुरु हुई थीं

कुछ ऐसा ही क्रम अब बिहार में चल रहा है और भारी अटकलबाजियाँ चल रही हैं मु.मंत्री नीतीश कुमार की मानसिक व शारीरिक "हैल्थ" के बारे में

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। गत वर्ष ओडीशा विधानसभा चुनावों से पहले, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्वास्थ्य को लेकर जिस तरह से विवाद पैदा हुए थे, बिल्कुल उसी तरह बिहार में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के "मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य" को लेकर एक अभियान जोर पकड़ रहा है।

राज्य में विधानसभा चुनाव इस वर्ष अक्टूबर -नवम्बर में होने हैं, ऐसे में नीतीश कुमार की मानसिक- शारीरिक स्थिरता को लेकर पैदा हो रहे विवाद एन.डी.ए. गठबंधन के लिए अच्छी खबर नहीं है। आश्चर्य की बात यह है कि भाजपा के नज़दीक माने जाने वाले न्यूज़ चैनल, नीतीश के स्वास्थ्य के बारे में प्रश्न उठाते हुए कई कार्यक्रम प्रसारित कर चुके हैं। इन घटनाक्रमों से इन संदेहों को बल मिल रहा है कि नवम्बर में होने वाले चुनावों में भाजपा अकेले ही उतरेगी। पर इन विवादों के लिए खुद नीतीश ही जिम्मेवार हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक क्लिप में प्रधान सचिव दीपक कुमार के साथ बातें करते व ठहाके लगाते हुए दिख रहे हैं जबकि उस समय राष्ट्रगान बज रहा था। यह घटना पटना में आयोजित इंटरनैशनल स्पोर्ट्स कार्यक्रम की है। इससे पहले जनवरी में भी कुमार ने एक विवाद खड़ा

- मजे की बात यह भी है कि चर्चाओं का यह अभियान उन चैनलों पर ज्यादा जोर-शोर से चल रहा है, जो भाजपा के नज़दीक माने जाते हैं।
- इससे जनता यह कयास लगाने लगी है कि कहीं भाजपा, नीतीश से संबंध-विच्छेद करके अकेले ही चुनाव तो नहीं लड़ना चाहती, अक्टूबर-नवम्बर में प्रस्तावित असैम्बली इलैक्शन में।
- शायद इन अटकलबाजियों के लिये स्वयं नीतीश ही जिम्मेवार हैं।
- हाल ही में उनका सार्वजनिक आचरण कुछ अटपटा जरूर रहा है। पटना में आयोजित एक अंतरर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के बाद, "जन-गण-मन..." के गायन के समय वे अपने सचिव व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के साथ हंसते हुए, बतियाते हुए सभी चैनल्स पर दिखे।
- इसी प्रकार, महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस, जो शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, पर, श्रद्धांजलि देने के बाद नीतीश कुमार, ताली बजाते दिखे थे। इसके अलावा वे आजकल यदा-कदा सार्वजनिक समारोह में, लोगों के, विशेषकर प्र.मंत्रीमोदी के पैर छूते हुए भी नज़र आ जाते हैं टी.वी. पर।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

6 राज्यों के मुख्यमंत्री व प्रांतीय नेता एकत्रित हुए स्टालिन के निमंत्रण पर

इनका घोषित उद्देश्य था भारतीय गणतंत्र और संघीय ढांचे को बचाना

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। आंध्र प्रदेश को छोड़कर समूचा दक्षिण भारत शनिवार को चेन्नई में एकत्रित हुआ और "परिसीमन" कवायद, जिसे इन्होंने अनुचित व अन्यायपूर्ण करार दिया है, के खिलाफ विरोध जताया। इनका मत है कि परिसीमन से संसद में दक्षिण का प्रतिनिधित्व और महत्व कम हो जाएगा। आंध्र प्रदेश में सत्तारुढ़ पार्टी तेलुगूदेशम और विपक्षी पार्टी वायएसआरसीपी दोनों ही भाजपा की गोद में बैठी हैं।

तकनीकी रुप से देखें तो परिसीमन के खिलाफ पहली जॉइन्ट एक्शन मीटिंग का विस्तार पूर्व और उत्तर तक हुआ, साथ ही इसमें ओडिशा से बीजू जनता दल और पंजाब से आम आदमी पार्टी ने भी शिरकत की। मीटिंग तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने बुलाई थी। इस विचार की सफलता और इसके क्रियान्वयन ने स्टालिन को राज्य से बाहर भी बतौर नेता स्थापित कर दिया है।

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने जॉइन्ट एक्शन कमेटी मीटिंग को भारतीय गणतंत्र व संघवाद की रक्षा के लिए ऐतिहासिक दिन बताया।

भाजपा की स्थानीय इकाई ने मीटिंग स्थल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और काले झंडे लहराए। उन्होंने स्टालिन व उनके सहयोगियों पर कावेरी और मुलाई पेरियार मुद्दे पर किसानों से धोखा करने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने केरल के आगे घुटने टेक दिए हैं, जिसने तमिलनाडु को मैडिकल कचरे का डंपयार्ड बना दिया है और अपनी कमियां छुपाने के लिए वे व्यर्थ का मुद्दा उठा रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी हार तय है।

इसमें रोचक बात यह है कि राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस ने अपने दो प्रतिनिधि मीटिंग में भेजे। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी ने बैठक में भाग लिया। कांग्रेस जानती है कि उत्तर भारत से उसे ज्यादा लाभ नहीं मिलेगा, क्योंकि यहां भाजपा का दबदबा है। यूपी में कांग्रेस पूरी तरह से सपा पर आश्रित है।

स्टालिन ने परिसीमन पर जॉइन्ट एक्शन कमेटी मीटिंग को भारत के संघीय ढांचे की सुरक्षा की दिशा में एतिहासिक दिवस बताया वहीं अन्य सभी दलों ने लोकसभा सीटों के प्रस्तावित परिसीमन की निंदा की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. पेपर लीक मास्टरमाइंड की साली फरार

जयपुर, 22 मार्च । प्रदेश में एसआई भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड पोरव कालेर की साली प्रियंका गोस्वामी फरार हो गई है। प्रियंका गोस्वामी जैसलमेर पुलिस लाइन में तैनात थी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने 18 मार्च को महिला ट्रेनी एसआई प्रियंका गोस्वामी को पूछताछ के लिए आदेश जारी किया था। लेकिन 21 मार्च को वह गायब हो गई।

- गहलोत सरकार के कार्यकाल में सबसे चर्चित पेपरलीक मामले की जांच जोर पकड़ रही है और जांच कर रही एसआईटी ने 15 से 20 ट्रेनी एसआई को शक के दायरे में लिया है।

एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया कि जब मास्टरमाइंड पोरव कालेर से पूछताछ की गई, तो यह जानकारी सामने आई कि करीब 15 से 20 ट्रेनी एसआई को पेपर पढ़ाया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस वर्मा से न्यायिक कार्य छीने

सुप्रीम कोर्ट ने जाँच के लिए तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों का पैनल बनाया है

नई दिल्ली, 22 मार्च। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से भारी कैश मिलने के मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जुडिशियल कार्य से सस्पैंड कर दिया है। जांच पूरी होने तक जस्टिस वर्मा कोई न्यायिक कामकाज नहीं कर पाएंगे। न्यायपालिका का पक्ष सबके सामने रखने के लिए सीजेआई संजीव खन्ना ने सारा रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार सब रिकॉर्ड पब्लिक होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने 21 मार्च को इंटरनल इन्क्वायरी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई संजीव खन्ना को सौंपी थी। शनिवार शाम सीजेआई ने जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई और दिल्ली हाईकोर्ट चीफ जस्टिस से जस्टिस वर्मा को कोई भी न्यायिक काम न सौंपने को कहा है।

- सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए मामले का सारा रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का निर्णय लिया है।
- इसी के तहत दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय की रिपोर्ट, जस्टिस वर्मा का जवाब, जाँच समिति की रिपोर्ट, सुप्रीम कोर्ट की वैबसाइट पर अपलोड की जाएगी।
- ज्ञातव्य है कि गत 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के घर पर आग लगने के दौरान कथित तौर पर भारी मात्रा में कैश मिला था, इसको लेकर अटकलों का बाज़ार गर्म है।

सीजेआई संजीव खन्ना ने बड़ा कदम उठाया है। अब इस मामले से जुड़ी दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की रिपोर्ट सार्वजनिक होगी। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट, जस्टिस वर्मा का जवाब और अन्य दस्तावेज सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए जा रहे हैं।

सीजेआई संजीव खन्ना ने आरोपों की जांच के लिए जो तीन सदस्यीय समिति गठित की है, उसमें पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन शामिल हैं। 21 मार्च को कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली के बंगले पर 14 मार्च की रात आग लगने के बाद कैश बरामद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

नेकी से विमुख हो बदी करना निस्संदेह बुरा है। मगर सामने मुस्काना और पीछे चुगली करना और भी बुरा है। –संत तिरुवल्लुवर

आयुर्वेदाचार्यों के ज्ञान को प्राथमिकता दीजिये

इंटरनेट ने आयुर्वेद पर समाचारों, सूचनाओं और नुस्खों का ऐसा विशाल बाज़ार खड़ा कर दिया है कि आप उससे बच नहीं सकते। वस्तुतः इन्टरनेट, ब्लॉगिंग और सोशल मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़-ज्ञान ने पत्रकारिता का ऐसा लोकतंत्रीककरण किया है कि भीड़ोत्पादित इस ज्ञान में प्रमाण-आधार की खोज बहुत कठिन होती जा रही है। विशेषकर, औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचार आयुर्वेद की प्रमाण-आधारित विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। आज की चर्चा का मूल उद्देश्य यह बताना है कि जब सोशल-मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़-ज्ञान आयुर्वेद के यथार्थ-ज्ञान को लील रहा हो तो आयुर्वेदाचार्यों का सहारा लेना ही उचित और कल्याणकारी होता है।

इन्टरनेट ने विशाल जनसंख्या के मध्य उपलब्ध दृष्टिकोणों की विविधता को लोगों तक पहुँचाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। यह कार्य अकेले कोई भी मीडिया मानव इतिहास में कभी नहीं कर पाया था। लेकिन, इन्टरनेट दुधारी तलवार है। स्वार्थवादियों द्वारा जानबूझकर स्वहितसाधक सनसनीखेज झूठ और सूचनाओं के प्रचार का एक सर्वोत्तम वैश्विक मंच भी आज इन्टरनेट के रूप में मिल गया है। स्वास्थ्य लाभ के लिये वैज्ञानिक जानकारी युक्तिव्यपाश्रयी चिकित्सकीय योगों के निर्धारण में आवश्यक है। लेकिन सर्वश्रेष्ठ क्या है, इसकी आम लोगों द्वारा गलत व्याख्या कर लेने का खतरा तब और भी अधिक बढ़ जाता है जब साँच-झूठ बराबर लोकप्रिय हो रहे होते हैं। यह समस्या आज इसलिये भी बढ़ गयी है क्योंकि भगदड़ वाली जीवनशैली के कारण प्रकाशित सामग्री की सटीकता और सुस्पष्टता सुनिश्चित करने के लिये समय का अभाव है।

आयुर्वेद चमत्कार नहीं अपितु आहार, विहार, रसायन और औषधियों का का सम्पूर्ण जीवनोपयोगी विज्ञान है। आजकल सोशल मीडिया और विज्ञापनों में आयुर्वेद के ऐसे नुस्खों का भीड़ है जो रामबाण, चमत्कारी, शर्तिया, अचूक, गुप्त इलाज़ आदि नाम से बिक रहे हैं। साथ में प्रलोभन यह भी रहता है कि लाभ न मिले तो पैसा वापस लीजिये। इन लोक-लुभावन परन्तु भ्रामक और अवैज्ञानिक दावों ने एक ओर आम आदमी को असमंजस में डाल रखा है, वहीं दूसरी ओर इन्हें बनाने और बेचने वाले चाँदी काट रहे हैं। आयुर्वेदिक औषधियों के संदर्भ में इस प्रकार के दावों से आयुर्वेद का जितना नुकसान हुआ है, उतना शायद ही कभी और हुआ हो।

वैसे तो शिक्षा के प्रसार के साथ ऐसे दावों के प्रति आमजन में संदेह और सजगता बढ़ी है, लेकिन इस व्यक्तिगत संदेह ने समूची आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को ही संदेहास्पद बनाना शुरू कर दिया है।

समस्या का केवल एक ही निदान है कि आप ऐसी जानकारी पर भरोसा कर लेने के बजाय उत्तम आयुर्वेदाचार्य की सलाह लीजिये। ख्याल रखिये, जिन लोगों द्वारा चमत्कार के दावे किये जाते हैं, उनका प्रायः आयुर्वेद से धन कमाने के अतिरिक्त और कोई लेना-देना नहीं रहता है।

गलाकाट प्रतिस्पर्धा में भिड़ी हुई फार्मेसियाँ बाकी कसर निकाल देती हैं जो उनकी औषधियों के चमत्कारी होने का दावा करती हैं। उदाहरण के लिये, चार राज्यों में आयुर्वेद की औषधियाँ बेचने वाली कुछ दुकानों में सबसे महंगी आयुर्वेदिक औषधि की उपलब्धता पूछे जाने पर उत्तर में जिन औषधियों के नाम आये, उनमें सबसे विस्मयकारी तो एक ऐसा रसायन मिला जिसके आधा किलोग्राम वजन वाले डिब्बे की कीमत 9900 रुपये से अधिक थी। इसके अलावा सैक्स और ब्यूटी के बाजार में आयुर्वेद के नाम पर कई गोपनीय औषधियाँ भी छायी हुई हैं, जो 5000 से 7000 रुपये प्रति पैक धड़ल्ले से बिकती हैं। जाने-अनजाने कई वास्तविक आयुर्वेदाचार्य भी गलती कर बैठते हैं, जब रोगी को परामर्श व औषधि-निर्धारण करते हुये प्रायः यह कह देते हैं कि इस औषधि का इस रोग में चमत्कारी प्रभाव है।

एक बार पुनः यह बताना आवश्यक है कि चमत्कार और विज्ञान का आपस में पुश्तैनी बैर है। चमत्कार के लिये कारण और प्रभाव को स्थापित करने की कोई सार्वभौमिक, सैद्धान्तिक या प्रायोगिक बाध्यता नहीं है। ड्रग एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्शनेबल एडवरटाईजमेंट) एक्ट,1954 ऐसी औषधियों के विज्ञापनों का निषेध करता है, जो चमत्कारी प्रभाव का दावा करती हैं। यह एक संज्ञेय या हस्तक्षेप्य अपराध है। तात्पर्य यह हुआ कि ऐसे प्रकरण में पुलिस बिना किसी न्यायालय की अनुमति के दखल कर सकती है। ऐसी 54 बीमारियों से संबंधित चिकित्सा, निदान या रोकथाम हेतु चमत्कारी दवा से संबंधित विज्ञापनों पर अभी प्रतिबंध है। इस वैधानिक स्थिति के बावजूद कैंसर, बहरापन, मधुमेह, बन्ध्यापन, नाड़ीतंत्र, पौरुष-ठांथि, मिर्गी, पथरी, गेंगरीन, लकवा, कुष्ठ, मोटापा, अस्थि-रोग, नामर्दगी, यक्ष्मा आदि जैसी अनेक बीमारियों के बारे में टेलीविजन, अखबार एवं सोशल मीडिया में चमत्कारी दावे आज भी किये जाते हैं। इनसे सावधान रहना आवश्यक है। रामबाण शब्द का हिंदी में प्रयोग देखने पर गूगल सर्च में 7.82 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। अंग्रेजी में मैजिक और आयुर्वेद खोजने पर लगभग 9.0 लाख सन्दर्भ आते हैं। इसी प्रकार रामबाण इलाज के 2.92 लाख सन्दर्भ, रामबाण दवा के 1.29 लाख सन्दर्भ, और रामबाण आयुर्वेदिक दवा के 1.36 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। यदि चमत्कार एवं आयुर्वेद खोजें तो 1.34 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। इसके विपरीत, प्रमाण-आधारित आयुर्वेदिक चिकित्सा या आयुर्वेद के मैजिक की साइंस खोजने पर 200 के अन्दर सभी सन्दर्भ सिमट जाते हैं। आयुर्वेद में चमत्कार किये जाने के दावे उन रोगों के लिये तो हैं ही जिन्हें असाध्य माना जाता है, परंतु बूढ़े को जवान बनाने, गोरा रंग व सुदर्शन काया प्राप्त करने, और नामर्द में मर्दानगी बढ़ाने के चमत्कारिक नुस्खे भी कोई कम नहीं हैं।

समस्या का केवल एक ही निदान है कि आप ऐसी जानकारी पर भरोसा कर लेने के बजाय उत्तम आयुर्वेदाचार्य की सलाह लीजिये। ख्याल रखिये, जिन लोगों द्वारा चमत्कार के दावे किये जाते हैं, उनका प्रायः आयुर्वेद से धन कमाने के अतिरिक्त और कोई लेना-देना नहीं रहता है। वैसे तो शिक्षा के प्रसार के साथ ऐसे दावों के प्रति आमजन में संदेह और सजगता बढ़ी है, लेकिन इस व्यक्तिगत संदेह ने समूची आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को ही संदेहास्पद बनाना शुरू कर दिया है।

वास्तविकता को तीन स्तरों पर देखा जाना आवश्यक है। पहली बात यह है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चमत्कारिक चिकित्सा जैसा कोई पाठ पढ़ने में नहीं आता। दूसरा, आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में भी इस प्रकार के हाथों-हाथ चमत्कार का कोई प्रमाण नहीं मिलता। और, अंततः आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य-ज्ञान में भी चमत्कार के कोई लिखित व शोधपरक प्रमाण नहीं मिलते, भले ही उनमे से कुछ ने इस शब्द को त्रुटिवश बार-बार उपयोग करने की आदत डाल ली हो।

आयुर्वेद में सबसे पुराने ग्रन्थ चरकसंहिता एवं सुश्रुतसंहिता की भाषायी व्यवस्था प्रायः आधुनिक काल के वैज्ञानिक शोध-पत्रों की तरह संयमित एवं मर्यादित है। यही बात आचार्य वाग्भट के अष्टांगहृदयपर भी लागू होती है। यहां तक की 13वीं शताब्दी में लिखी गई शारंगधरसंहिता या बाद के काल में आचार्य चक्रपाणिदत्त द्वारा लिखे गये चिकित्सा ग्रन्थ चक्रदत्त में कहीं-कहीं भाषायी अलंकार अवश्य परिलक्षित होता है, तथापि चमत्कार जैसे शब्दों से उन्होंने भी उचित और सम्मानजनक फ़ासला बनाये रखा। संहिताओं के ऐसे श्लोक, जो चमत्कार के नजदीक जाते हुये परिलक्षित होते हैं, वे भी हमारे द्वारा भाषा की समझ के फेर के कारण ही होगा, अन्यथा संहिताओं के प्रत्येक योग का विस्तृत वर्णन एवं संबंधित औषधि की फलश्रुति में चमत्कार शब्द का प्रयोग नहीं हुआ। इनमें रोग-निदान एवं चिकित्सा, आहार-विहार, रसायन एवं औषधि के साथ पथ्य-अपथ्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। चरकसंहिता के संपूर्ण चिकित्सा स्थान और उस पर दिग्गज आचार्यों जैसे चक्रपाणि, गंगाधर आदि द्वारा की गई टीकाओं में भी चमत्कार शब्द के दर्शन नहीं होते हैं। इनमें चिकित्सकीय योगों और औषधियों, उनसे जुड़ी संपूर्ण जानकारी तथा प्रभाविता के लिये तुलनात्मक जानकारी का ऐसा वर्णन है जिन्हें आज भी विज्ञान-सम्मत माना जाता है। संहिताओं में तो इस हद तक सावधानी बरती गई है कि जिन प्रकरणों में अतिशयोक्ति अलंकार है, उनमें आचार्यों ने प्रायः ऐसा इंगित भी कर दिया है या सुनी-सुनाई होने का संकेत कर दिया है। यहाँ तक कि भैषज्य रत्नावली नामक ग्रन्थ में जहाँ एक योग का नाम रामबाण रस है, उपमा के बावज़ूद उसका वर्णन भी तार्किक और मर्यादित है।

इन परिस्थितियों में ध्यान रखने योग्य सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, चमत्कार नहीं। आयुर्वेदिक औषधियां भी अचूक, रामबाण या चमत्कारिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही प्रभावी या उपयोगी होती हैं। वस्तुतः आयुर्वेद एक प्रमाण-आधारित, विस्तृत, प्रभावी, समग्र और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी का रोगोपचार होता है।

आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, आय का नहीं। पर समय तेजी से बदल रहा है, और यह आयुर्वेद के लिये अच्छा ही है, बशर्ते बात प्रमाण-आधारित आयुर्वेद की हो रही हो। बात यदि भयंकर से भयंकर एसिडिटी चुटकी बजाते ही गायब कर दिये जाने की हो तो इसे झांसेबाज़ी ही समझिये। प्राचीन भारतीय साहित्य का सहारा लें तो यह कहना समीचीन होगा कि रामबाण केवल रामजी के पास ही है, और उसका प्रयोग भी केवल उन्ही के बस की बात है। औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचारी दावा प्रमाण-आधारित आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की वैज्ञानिकता और विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। लोगों को स्वविवेक का प्रयोग करते रहना चाहिये और किसी बहकावे में नहीं आना चाहिये। आयुर्वेद को चमत्कार नहीं, अपितु विशिष्ट विधियों एवं सिद्धांतों से युक्त एक उत्कृष्ट चिकित्सा विज्ञान समझने में ही व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था की भलाई है।

समस्या असली आयुर्वेदाचार्य को छाँटने की भी कम नहीं है। किसी भी शहर में वास्तविक और असली बैचलर ऑफ़ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी की उपाधि वाले आयुर्वेदाचार्यों के अलावा विविध उपाधियों के बोर्ड लगे वैधजी, वैध्यजी, वेदकाचार्य, वेदजी, वेधजी आदि भी खूब फल-फूल रहे हैं। ये सब छद्मायुर्वेदाचार्य हैं। ऐसी स्थिति में ध्यान रखिये, विधिवत आयुर्वेद की शिक्षा प्राप्त बेचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसन एंड सर्जरी, मास्टर आफ आयुर्वेदिक मेडिसिन, आयुर्वेद में डॉक्टर ऑफ फिलोसफी जैसी उपाधियाँ ही मान्य हैं। वास्तविक और मान्य उपाधियों से रहित कोई भी व्यक्ति चिकित्सा करता है तो वह चिकित्सकीय दुष्कर्म है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

चुनौती बनते साइबर हमले

अविनाश जोशी

आज इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन के अभिन्न अंगों में से एक बन गया है। वह हमारे दैनिक जीवन के अधिकांश पहलुओं को प्रभावित कर रहा है। साइबरस्पेस हमें वर्चुअल रूप से दुनिया भर के करोड़ों ऑनलाइन उपयोगकर्त्ताओं से जोड़ता है। हमारी जिंदगी के कई महत्वपूर्ण फैसले एवं दस्तावेज कंप्यूटर में संग्रहित रहते है। हमारा पूरा वित्त संबंधित लेखा-जोखा भी ऑनलाइन ही संग्रहित हैं।

साइबर स्पेस हमारे जीवन की आधार रेखा है इसलिए साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण घटक साबित हो सकता है। साइबर सुरक्षा कंप्यूटर, सर्वर, मोबाइल डिवाइस, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, नेटवर्क और डेटा को दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने का माध्यम है। इसे सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा या इलेक्ट्रॉनिक सूचना सुरक्षा के रूप में भी जाना जाता है। यह शब्द व्यवसाय से लेकर मोबाइल कंप्यूटिंग तक विभिन्न संदर्भों में लागू होता है। नेटवर्क सुरक्षा कंप्यूटर नेटवर्क को घुसपैठियों से सुरक्षित करने का तरीका है, चाहे लक्षित हमलावर हों या अवसरवादी मैलवेयर।

आज विश्व में साइबर खतरा तीव्र गति से विकसित हो रहा है, हर साल डेटा उल्लंघनों की संख्या बढ़ रही है। रिस्कबेस्ड सिक्योरिटी की एक रिपोर्ट से पता चला है कि अकेले 2019 के पहले नौ महीनों में डेटा उल्लंघनों से चौंकाने वाले 7.9 बिलियन रिकॉर्ड उजागर हुए थे। यह आंकड़ा 2018 की समान अवधि में उजागर हुए रिकॉर्ड की संख्या से दोगुने (112 प्रतिशत) से भी अधिक थे।

चिकित्सा सेवाओं, खुदरा विक्रेताओं और सार्वजनिक संस्थाओं ने सबसे अधिक उल्लंघनों का अनुभव किया, अधिकांश घटनाओं के लिए दुर्भावनापूर्ण अपराधी जिम्मेदार थे। इनमें से कुछ क्षेत्र साइबर अपराधियों के लिए अधिक आकर्षक हैं क्योंकि वे वित्तीय और चिकित्सा डेटा एकत्र करते हैं, लेकिन नेटवर्क का उपयोग करने वाले सभी व्यवसायों को ग्राहक डेटा, कॉर्पोरेट जासूसी या ग्राहक हमलों के लिए लक्षित किया जा सकता है।

साइबर खतरे का स्तर लगातार बढ़ने के साथ, साइबर सुरक्षा समाधानों पर वैश्विक खर्च स्वाभाविक रूप से बढ़ रहा है। ऐसा अनुमान है कि साइबर सुरक्षा का खर्च 2026 तक वैश्विक स्तर पर 260 बिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगा। दुनिया भर की सरकारों ने संगठनों को प्रभावी साइबर-सुरक्षा प्रथाओं को लागू करने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन के साथ बढ़ते साइबर खतरे के प्रति जागरूकता पे ध्यान दिया है।

अमेरिका में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी ने एक साइबर-सुरक्षा ढांचा बनाया है दुर्भावनापूर्ण कोड के प्रसार से निपटने और शीघ्र पता लगाने में सहायता के लिए, रूपरेखा सभी इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की निरंतर, वास्तविक समय की निगरानी की सिफारिश करती है। यूके सरकार के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा केंद्र द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन, 'साइबर सुरक्षा के लिए 10 कदम' में सिस्टम निगरानी के महत्व को प्रतिध्वनित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया में, ऑस्ट्रेलियाई साइबर सुरक्षा केंद्र नियमित रूप से इस बारे में मार्गदर्शन प्रकाशित करता है कि संगठन नवीनतम साइबर-सुरक्षा खतरों का मुकाबला कैसे कर सकते हैं।

साइबर आक्रमण या साइबर हमला एक प्रकार का अपराध है जो कंप्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसे अंग्रेज़ी भाषा में साइबर अटेक कहते हैं। सामान्यतः साइबर आक्रमण का संचालन अनामक संस्थाओं या व्यक्तिओं द्वारा महत्त्वपूर्म डाटा की चोरी करने के लिये किया जाता है। साइबर सुरक्षा कंप्यूटर सिस्टम, नेटवर्क, डिवाइस और डेटा की चोरी, क्षित, अनधिकृत पहुँच या किसी भी प्रकार के दुर्भावनापूर्ण इरादे से बचाने की प्रथा है।

साइबर सुरक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार, सैन्य, कॉर्पोरेट, वित्तीय और चिकित्सा संगठन कंप्यूटर और अन्य उपकरणों पर अभूतपूर्व मात्रा में डेटा एकत्र, संसाधित और संग्रहीत करते हैं। उस डेटा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा संवेदनशील जानकारी हो सकता है, चाहे वह बौद्धिक संपदा, वित्तीय डेटा, व्यक्तिगत जानकारी, या अन्य प्रकार का डेटा हो, जिसके लिए अनधिकृत पहुंच या प्रदर्शन के नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। संगठन व्यवसाय करने के दौरान नेटवर्क और अन्य उपकरणों पर संवेदनशील डेटा प्रसारित करते हैं, और साइबर सुरक्षा उस जानकारी और इसे संसाधित करने या संग्रहीत करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रणालियों की सुरक्षा के लिए समर्पित अनुशासन का वर्णन करती है। जैसे-जैसे साइबर हमलों की मात्रा और परिष्कार बढ़ता है, कंपनियों और संगठनों, विशेष रूप से जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा, स्वास्थ्य या वित्तीय रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी की सुरक्षा का काम सौंपा जाता है, उन्हें अपने संवेदनशील व्यवसाय और कर्मियों की जानकारी की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की आवश्यकता होती है। कुछ वर्षों पहले देश के शीर्ष खुफिया अधिकारियों ने आगाह किया था कि साइबर हमले और डिजिटल जासूसी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं, यहाँ तक कि आतंकवाद भी।

जागरूकता एवम शिक्षा साइबर-अपराधों की रोकथाम के बारे में सूचना के प्रसार के लिये महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है और युवा आबादी साइबरस्पेस में अपनी भागीदारी के बारे में जागरूक होने तथा साइबर सुरक्षा के लिये और साइबर अपराध रोकने के लिये एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिये बल गुणक के रूप में कार्य कर सकती है। साइबर सुरक्षा जागरूकता का मतलब यह है कि साइबर सुरक्षा के बारे में उपयोगकर्ताओं को कितना पता है कि उनके नेटवर्क को खतरा है और वे जो जोखिम पेश करते हैं। अंतिम उपयोगकर्ताओं को एक नेटवर्क के भीतर सबसे कमजोर लिंक और प्राथमिक भेद्यता माना जाता है। संगठन अपने नेटवर्क को बाहरी खतरों से बचाने और कमजोरियों को कम करने के लिए धन आवंटित करते हैं। अंत उपयोगकर्ता होने के नाते एक बड़ी भेद्यता है, सुरक्षा में सुधार करने के लिए तकनीकी साधन पर्याप्त नहीं हैं: संगठनों को साइबर सुरक्षा की व्यक्तिगत जागरूकता के लिए प्रशिक्षण भी देना चाहिए। उन्हें वर्तमान खतरों पर कर्मचारियों को शिक्षित करना चाहिए और उनसे कैसे बचना चाहिए।

अभी कुछ समय पहले आस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का औपचारिक समूह 'क्वाड' साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए 'मशीन लर्निंग' और संबंधित आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर सहमत हो गए हैं एवम आने वाले समय में साइबर सुरक्षा पे मिल के कार्य करेंगे। साइबर क्राइम से निपटने के लिए लगातार नए कदम उठाए जा रहे हैं। ए आई चेट बोट की मदद से अब पुलिस केस निपटाएगी और लगातार इसको लेकर कदम भी उठाए जा रहे हैं। आप भी इसका आसानी से लाभ उठा सकते हैं।

साइबर फ्रॉड के मामलों से बचने के लिए सरकार और सरकारी तंत्र अलग-अलग तरीके अपना रहा है। यूजर्स को भी समय समय पर इससे होने वाले खतरों से अवगत करवाया जाता है। साथ ही इससे बचने के तरीके भी बताए जाते हैं।

भारत में 2023 में लगभग 85 लाख उपकरणों पर 40 करोड़ से अधिक साइबर हमले हुए हैं। यानी हर मिनट 761 साइबर हमले हुए। इनमें से सूरत में 15 फीसदी और बंगलूरू में 14 फीसदी सबसे अधिक मामले देखे गए हैं। इनमें से 50 फीसदी से अधिक मीडिया और नेटवर्क ड्राइव से जुड़े हैं।

सुरक्षा उपायों में असमानता से वैश्विक स्तर पर साइबर खतरे बढ़ रहे है। यह दावा विश्व आर्थिक मंच ने ग्लोबल साइबर सिक्युरिटी आउटलुक 2024 जारी रिपोर्ट में किया है। एक्सेंचर के सहयोग से तैयार की गई रिपोर्ट में गलत जानकारी फैलाने या सार्वजनिक धारणा में हेरफेर करने के लिए एआई जनित डीपफेक से उत्पन्न खतरों को चिह्नित किया गया है। इसके साथ ही बताया गया है कि पिछले वर्ष की तुलना में दुनिया के 10 में 8 कारोबार साइबर सुरक्षा के लिहाज से ज्यादा असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। यह रिपोर्ट तब सामने आई है, जब दुनिया के 45 से ज्यादा देशों में चुनाव होने वाले हैं।

साइबर क्राइम से जुड़े ज्यादातर मामले एक्ट 2000 के तहत दर्ज किए जाते हैं। इसमें अपराधी के द्वारा किए गए क्राइम की श्रेणी तय की जाती है और उसके अनुसार आरोपी के खिलाफ एक्शन लिया जाता है। कई मामलों में अपराधियों के खिलाफ धारा 43, 65, 66 और 67 के तहत केस चलते हैं।

भारत को व्यापक और अद्यतन कानून बनाने की आवश्यकता है जो साइबर सुरक्षा के सभी पहलुओं, जैसे साइबर आतंकवाद, साइबर युद्ध, साइबर जासूसी और साइबर धोखाधड़ी को दायरे में ले।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

झुंझुनूं के लक्ष्मीनाथ मंदिर में 106 साल से सहेजा जा रहा है बारिश का पानी

झुंझुनूं, (निसं)। सैकड़ों वर्ष पहले शेखावाटी क्षेत्र की सूखी धरती पर, जहां पानी की किल्लत आम है, झुंझुनूं शहर का 106 साल पुराना श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर एक ऐसी विरासत का प्रतीक है, जहां आस्था और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा मेल देखने को मिलता है। यह मंदिर सदियों पुरानी जल संचयन की पारंपरिक तकनीकों को आज भी जीवित रखे हुए हैं। मंदिर परिसर में बने विशाल कुंड में एकत्र बारिश का पानी भगवान के अभिषेक, भोग तैयार करने और मंदिर के अन्य नित्य कर्म में इस्तेमाल किया जाता है। यह प्रथा न केवल पुरखों की दूरदर्शिता को दर्शाती है, बल्कि आज के जल संकट के दौर में एक सबक भी देती है।

- **लक्ष्मीनाथ मंदिर जल संरक्षण का अनूठा उदाहरण, इसी पानी से भगवान का अभिषेक और भोग होता है**
- **शेखावाटी में वर्षों पहले बने धार्मिक स्थलों में बनाए गए वाटर स्ट्रक्चर आज भी पानी बचा रहे हैं**

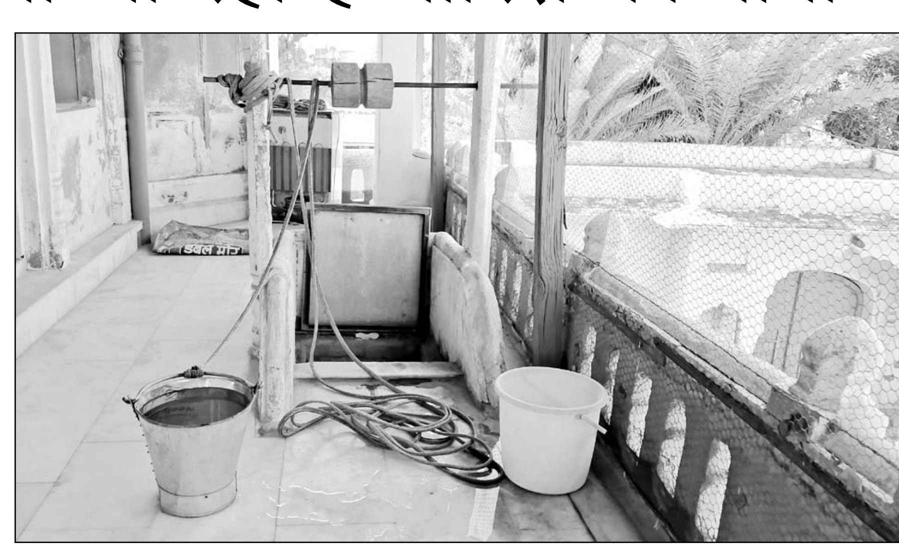

मंदिर परिसर में बना कुंड मंदिर की छत से बारिश का पानी नालियों के जरिए एकत्र करता है।

शेखावाटी में वर्षों पहले बने धार्मिक स्थलों में बनाए गए वाटर स्ट्रक्चर आज भी पानी बचा रहे हैं। इससे साबित होता है कि पानी के मोल को हमारे पुरखों ने बहुत अच्छे से जान लिया था। झुंझुनूं शहर में पुराना पोस्ट ऑफिस के पास स्थित 106 साल पुराने लक्ष्मीनाथ मंदिर में बरसात के पानी से ही भगवान का भोग लगाया जाता है। यहां छत के पानी को नालों से होते हुए मंदिर के नीचे बनाए कुंड में एकत्रित किया जाता है। इस पानी का उपयोग भगवान का भोग बनाने, भगवान को स्नान करवाने के काम में लेते हैं। इसके अलावा मंदिर पुजारी सभी धार्मिक प्रक्रिया, साफ-सफाई व बागवानी में काम लेते हैं। इस मंदिर में भगवान लक्ष्मीनारायण के साथ राम परिवार की प्रतिमाएं व शिव परिवार स्थापित है।

मंदिर के व्यवस्थापक रघुनाथ प्रसाद शर्मा ने बताया कि हिंदी वर्ष 1972 मंदिर की नींव रखी गई थी। मंदिर का निर्माण पूरा होने में करीब चार साल लगे। मंदिर निर्माण के साथ ही लगभग 20 हजार लीटर क्षमता वाले भूमिगत कुंड का निर्माण भी करवाया गया, जो आज तक मानसून के पानी को संजोए हुए है। मंदिर के व्यवस्थापक रघुनाथ प्रसाद शर्मा बताते हैं कि यह कुंड मंदिर की छत से बारिश का पानी नालियों के जरिए एकत्र करता है। इस पानी का इस्तेमाल केवल धार्मिक कार्यों में होता है, क्योंकि इसे शुद्ध और दैवीय माना जाता है। श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में 106 साल पुराने कुंड का बारिश का जल आज भी भगवान की दिनचर्या का आधार बना हुआ है। मंदिर के पुजारी कृष्ण व्यास द्विवेदी ने बताया कि इस कुंड में संग्रहित वर्षा जल से ही भगवान लक्ष्मीनाथ के स्नान, पूजा-अर्चना और भोग तैयार किए जाते हैं। दिनभर में सात बार की जाने वाली आरती और प्रसाद की तैयारी भी इसी जल से होती है। सुबह भगवान के स्नान से रोजाना के नित्य कर्म की शुरुआत होती है। दिन में सात बार पूजा अर्चना सात बार भोग मंदिर में स्थापित कुंड के पानी से ही किया जाता है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को इसी पानी के पंचामृत दिया जाता है। पुजारी कृष्ण व्यास द्विवेदी ने बताया कि झुंझुनूं शहर के अन्य धार्मिक आयोजनों में भी यहाँ के कुंड से जल ले जाया जाता है। उन्होंने बताया कि सुबह भगवान के स्नान से दिन की शुरुआत होती है और संध्या आरती तक सभी रीति-रिवाज इसी जल से पूरे होते हैं।

झुंझुनूं का लक्ष्मीनाथ मंदिर एक धार्मिक स्थल की नहीं, बल्कि जल संरक्षण के साथ पर्यावरण और संस्कृति के साथ सामंजस्य बिठाने की प्रेरणा है। यह परंपरा न केवल जल संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि शेखावाटी की जल संचयन की ऐतिहासिक विरासत को भी जीवित रखे हुए है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि कुंड का पानी कभी खत्म नहीं होता, क्योंकि वर्षा जल के संग्रहण और उपयोग का चक्र सदियों से चला आ रहा है।

आरटीई एडमिशन के लिए शेड्यूल जारी

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा के अधिकार कानून के तहत प्रदेश के प्राइवेट स्कूल में फ्री पढ़ने के लिए अभिभावकों को 25 मार्च से ऑनलाइन आवेदन करना पड़ेगा। शिक्षा विभाग ने आरटीई सीट्स पर एडमिशन के लिए शिड्यूल जारी कर दिया है। नौ अप्रैल को आवेदन करने वाले स्टूडेंट्स की लॉटरी जारी हो जाएगी और इसके बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन करवाना होगा।

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक ने शनिवार को जारी शिड्यूल में बताया है कि प्रदेश के सभी प्राइवेट स्कूल्स को 24 मार्च तक अपनी प्रोफाइल अपडेट करनी होगी। इसके बाद 25 मार्च से सात अप्रैल तक अभिभावक अपने बच्चों को एडमिशन दिलाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ये काम किसी भी ई-मित्र की सहायता से या फिर अपने स्तर पर अभिभावक कर सकेंगे। नौ अप्रैल को एनआईसी की ओर से लॉटरी जारी की जाएगी। नौ से पंद्रह अप्रैल के बीच अभिभावकों को संबंधित स्कूल में अपने डॉक्यूमेंट जमा करवाने होंगे। अगर वो चाहे तो इसी अवधि में विद्यालय चयन के क्रम को बदलवा भी सकता है। इसके बाद नौ अप्रैल से 21 अप्रैल तक प्राइवेट स्कूल आवेदन पत्रों के साथ उपलब्ध कराए गए कागजात की छानबीन करेंगे। 22 अप्रैल को एनआईसी इन सभी आवेदनों को ऑटो वेरिफाई करेगा। अभिभावक की ओर से पूर्व में दिए गए दस्तावेजों में भी नौ अप्रैल से 24 अप्रैल तक परिवर्तन और सुधार करवाया जा सकता है। 28 अप्रैल तक संबंधित प्राइवेट स्कूल सभी आवेदन पत्रों की फिर से जांच करेंगे। पांच मई तक सीबीईओ उन आवेदन पत्रों की जांच कर सकेंगे, जिन्हें स्कूल ने रिजेक्ट कर दिया है। आवेदन करने के बाद नौ मई को संबंधित स्कूल में उपलब्ध सीट्स के आधार पर चयन की पहली लिस्ट एनआईसी की ओर से जारी की जाएगी।

राशिफल रविवार 23 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 4:18 तक, वारियान योग सायं 5:58 तक, तैतिल करण सायं 5:37 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भगवान आदिनाथ जयन्ती और तप कल्याणक दिवस (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:32 से 11:03 तक, लाभ-अमृत 11:03 से 2:03 तक, शुभ 2:03 से 3:33 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 6:36

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकता है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। आज अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आज वाणी की कटुता के कारण परेशानी हो सकती है।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

पेपर लीक गैंग के हर्षवर्धन मीणा को पटवारी के पद से हटाया

दौसा कलेक्टर ने किया बर्खास्त, नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था

जयपुर। पेपर लीक गैंग के हर्षवर्धन मीणा को 21 मार्च को जिला कलेक्टर दौसा ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मामले में एसओजी की एसआईटी ने आरोपी को नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। इसके बाद हर्षवर्धन मीणा जेल में है। एसओजी जेल से रिमांड पर लेकर कई बार पूछताछ कर चुकी है। आरोपी के खिलाफ 6 से अधिक एफआईआर दर्ज है।

- **एसओजी आरोपी को जेल से रिमांड पर लेकर कई बार पूछताछ कर चुकी है। उसके खिलाफ छह से अधिक एफआईआर दर्ज हैं**

एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामलों में राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति दिखाई दे रही है। पेपर लीक मामलों में पुलिस और प्रशासन द्वारा लगातार हो रहे एक्शन से बदमाशों का मनोबल हमेशा के लिए टूटेगा। सरकार पेपर लीक मामलों में लिप्त राज्यकर्मियों को बर्खास्त कर के एक संदेश दे रही है। इससे आने वाले समय में कोई भी व्यक्ति इस तरह के अपराध नहीं करेगा। गैंग के सरगना पर विशेष नजर रख कर हर केस का फीड बैंक सरकार तक पहुंचाया जा रहा है। इसका ही परिणाम है कि पटवारी भर्ती मामले में दौसा के सरगना पटवारी हर्षवर्धन मीणा को डीएस दौसा देवेन्द्र कुमार ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जेईएन भर्ती परीक्षा 2020 में गिरफ्तारी से पहले महवा में पटवारी के पद पर कार्यरत हर्षवर्धन मीणा पर लगे तीन आरोपों की जांच पूरी होने के बाद आरोप प्रमाणित पाए जाने पर दौसा कलेक्टर देवेंद्र कुमार द्वारा शुक्रवार को राज्य सेवा से बर्खास्त किया गया है।

हर्षवर्धन पर पहला आरोप 2 जनवरी, 2024 से अनुपस्थित चलना, दूसरा राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक होने से सम्बन्धित प्रकरण में संलिप्त होने पर एसओजी 18 फरवरी 2024 को नेपाल बोर्डर से भारत की सीमा में आते हुए एक साथी के साथ भारत-नेपाल सीमा पर स्थित शहर सोनोली (उत्तरप्रदेश) से गिरफ्तार किया जाना और तीसरा आरोप स्वयं तथा परिजनों के नाम से विभिन्न प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति बिना सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति के अर्जित किया जाना है, जिसका वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में उल्लेख नहीं किया गया था।

पेपर लीक गिरोह के सरगना हर्षवर्धन मीणा की पत्नी सरिता मीणा भी भीलवाड़ा में पटवारी के पद पर कार्यरत थी। जिसने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में स्वयं की जगह डमी अभ्यर्थी बैठा लिखित परीक्षा पास की थी, जिसमें फरार चल रही है। सरिता पर लगे तीन आरोपों की जांच पूर्ण होने के बाद आरोप प्रमाणित पाए ज ाने पर तत्कालीन भीलवाड़ा कलेक्टर नमित मेहता द्वारा 24 दिसम्बर 2024 को राज्य सेवा से बर्खास्त किया गया था।

निलंबित पटवारी सरिता मीणा पर पहला आरोप 15 जनवरी 2024 से बिना अनुमति एवं सक्षम स्वीकृति के मोबाइल स्विच ऑफ कर कार्य स्थल से अनुपस्थित रहना, दूसरा आरोप कार्यस्थल पटवार हल्का बारणी का राजस्व रेकार्ड किसी अन्य पटवारी को नहीं देकर गुलाबपुरा स्थित निजी आवास में रखना, जिससे राजस्व रेकार्ड खुर्द-बुर्द होने की संभावना थी। तीसरा आरोप आरपीएससी द्वारा आयोजित उप निरीक्षक पुलिस एवं प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा- 2021 में अपने स्थान पर किसी अन्य को बैठाकर लिखित परीक्षा पास किया जाना है।

सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामलों की जांच के लिए मुख्यमंत्री द्वारा गठित एसआईटी के बाद से लेकर आज तक 45 (प्रशिक्षु उप निरीक्षक-2021) सहित भर्ती सम्बन्धी अन्य परीक्षाओं में संलिप्तता पाए जाने पर कुल 86 लोक सेवकों को बर्खास्त किया जा चुका है। जिसमें प्रमुख रूप से अमृत मीणा (पूर्व कॉलेज व्याख्याता), आरएएस भर्ती, 2013 का पेपर लीक का सूत्रधार, सरनाऊ (सांचौर) के प्रधान का पुत्र ओमप्रकाश ढाका (अध्यापक), पेपर लीक माफिया जगदीश विश्नोई का भाई भीखाराम (अध्यापक) शामिल हैं। पेपर लीक मामलों में की जा रही कार्रवाई की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके तहत शेष 189 लोकसेवकों के विरुद्ध विभागीय जांच प्रक्रियाधीन है।

अर्थ ऑवर पर मुख्यमंत्री निवास पर एक घंटा बिजली बंद रही

जयपुर। अर्थ ऑवर के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सिविल लाइन्स स्थित राजकीय निवास पर शनिवार रात को 8.30 बजे से एक घंटे के लिए बिजली बंद रखी गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा के साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास स्थित विभिन्न कार्यालयों में लाइट एवं उपकरण बंद रहे और कार्मिकों ने मोमबत्ती की रोशनी में कार्य किया।

भाजपा हरियाणा प्रभारी व भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने शनिवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से शिष्टाचार भेंट की।

'कांग्रेस के शासन में सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को कहा था पिंजरे का तोता'

- **पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जवाबी हमला**

जयपुर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जवाबी हमला करते हुए कहा कि लगता है पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भूल गए हैं कि दिल्ली में जब कांग्रेस का शासन था तब सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। राजस्थान में सीबीआई के बेजा इस्तेमाल का शिकार तो वे खुद भी हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश में 56 साल तक एजेंसियों का बेजा इस्तेमाल किया, आज वे संवैधानिक संस्थानों पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एजेंसियां अपने कर्तव्यों के अनुसार काम करती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सामने जब उसके पुराने कुकर्म खड़े होकर बोलने लगते हैं। उस समय कांग्रेसी लोकतंत्र में मतपेटी से मिले जनादेश पर भी निशाना साधते हैं। राजेन्द्र राठौड़ ने अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि देश व राजस्थान की जनता जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ है, यह शासन चलता रहेगा। राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अब सिर्फ इंतजार ही करते रहें।

सार-समाचार

बाबर व राणा सांगा को कभी एक पलड़े में नहीं रखा जा सकता : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कुछ तुच्छ बुद्धि और छोटे हृदय के लोग इस तरह की चर्चाएं करते हैं। इन चर्चाओं के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। शनिवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में शेखावत ने कहा कि भारत के इतिहास की समीक्षा करने वाले, आज नहीं, अगले 1000 साल तक, जब कभी समीक्षा करेंगे, कभी बाबर और राणा सांगा की तुलना करके एक ही पलड़े में नहीं रख पाएंगे। उन्होंने कहा कि राणा सांगा ने स्वतंत्रता की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलाम होने से तो बचाया ही था, साथ-साथ भारत की संस्कृति को सनातन बनाए रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया था। शेखावत ने दो टूक कहा कि कुछ तुच्छ बुद्धि और छोटे हृदय के लोग इस तरह की चर्चाएं करते हैं। इन चर्चाओं के लिए कोई गुंजाइश भी नहीं है।

दो हजार करोड़ के जीएसटी प्रकरण में गिरफ्तारी वारंट को जमानती में बदला

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जीएसटी से संबंधित करीब दो हजार करोड़ रुपए के मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को जमानती वारंट में बदल दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को एक माह में अदालत में पेश होने के लिए कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश पीसी पुरोहित की याचिका पर दिए। मामले के अनुसार डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस को फर्जी फर्मों के नाम पर पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति करने और माल मिराज प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, नाथद्वारा को पहुंचाए जाने की जानकारी मिली। अधिकारियों ने मिराज प्रोडक्ट्स और अन्य स्थानों पर छापेमारी की। इस मामले में अधीनस्थ अदालत ने याचिकाकर्ता के गैर जमानती वारंट जारी किया। जिसे याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान कहा कि मामले में सीधे गैर जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं है। दूसरी ओर केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि मामला करीब दो हजार करोड रुपए के कर से जुडा है। इसके अलावा याचिकाकर्ता जांच में सहयोग भी नहीं कर रहा है। दोनों पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि यदि कोई जांच में सहयोग कर रहा हो और अदालत में पेश होने को तैयार हो, तो सीधे गैर-जमानती वारंट जारी करना उचित नहीं है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में निचली अदालत का आदेश रद्द करते हुए गैर जमानती वारंट को जमानती वारंट में बदल दिया है।

लापता नाबालिगों की बरामदगी को लेकर पुलिस अधीक्षक तलब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लापता नाबालिग बालिकाओं की बरामदगी नहीं कर पाने के दो अलग-अलग मामलों में बारां और झुंझुनूं पुलिस अधीक्षकों को तलब किया है। अदालत ने बारां एसपी को सात अप्रैल और झुंझुनूं एसपी को 8 अप्रैल को तलब किया है। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि लापताओं की तलाश के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई। जस्टिस नरेन्द्र सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश जगदीश प्रसाद व इन्द्रा सिंह की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर यह अंतरिम आदेश दिए। याचिका में अधिवक्ता एमके सिंह ने कहा कि उसकी 17 साल की बालिका बारां जिले के हमावड़ा शाहजी थाना क्षेत्र से लापता हुई है। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के बावजूद भी अब तक लापता को बरामद नहीं किया गया है। ऐसे में पुलिस को निर्देश दिए जाए कि वह नाबालिग बालिका को बरामद करे। इसी तरह दूसरी याचिका में झुंझुनूं जिले के गुढ़ा गौडज़ी थाना क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय बालिका को तलाशने का निर्देश देने का आग्रह किया। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने दोनों थानाधिकारियों को तलब किया। अदालत ने पुलिस की ओर से पेश तथ्यात्मक रिपोर्ट को देखकर अपना असंतोष जाहिर किया। इसके साथ ही अदालत ने दोनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पेश होकर बरामदगी के प्रयासों की जानकारी देने को कहा है।

कांग्रेस में बहेगी गंगा-जमुनी तहजीब की रसधार

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस की ओर से होली स्नेह मिलन करने के बाद जयपुर की कांग्रेस में अब आपको गंगा-जमुनी धार बहती दिखाई देगी। त्यौहारों के मौसम में इस तहजीब को आगे बढ़ाते हुए जयपुर शहर जिला कांग्रेस की ओर से पहले होली स्नेह मिलन और फिर रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अध्यक्ष जयपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस कार्यालय में अन्नकूट और पौषबड़ों के आयोजन करने वाले आरआर तिवाड़ी अब 26 मार्च को होली मिलन का कार्यक्रम और उसके बाद 28 मार्च को रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दे दी गई है। 26 मार्च को जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, हवामहल के सामने होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें कार्यकर्ता, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री कार्यकर्ताओं के साथ फूलों की होली खेलेंगे। 28 मार्च को रमजान माह के आखिरी जुमे (अलविदा) के दिन जिला कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के बाहर रोजा इफ्तार कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता नेता और आमजन शामिल होंगे।

RATED AMONG 101-150 RANK BAND YEAR 2021, 2022 and 2024 IN UNIVERSITY CATEGORY BY nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK Ministry of Education, Govt. of India

ACCREDITED BY: NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

QS I·GAUGE INDIAN UNIVERSITY RATING DIAMOND

NIMS UNIVERSITY RAJASTHAN, JAIPUR

The future of AI is here...

Introducing

Rajasthan's First & Asia's Leading

Dedicated AI Institute

NIMS - MARIK INSTITUTE OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE, ROBOTICS AND CYBERNETICS

In association with Europe's finest Artificial Intelligence Institute

CZECH INSTITUTE OF INFORMATICS ROBOTICS AND CYBERNETIC CTU IN PRAGUE

REGISTER TODAY FREE FOR

First Indo-Pacific-European hub for Digital Partnership (INPACE) & European Union (EU) Collaborated International Conference

NIMS AI-CON 2025

APRIL 1-3, 2025 | 10:00 AM ONWARDS

at Rajeshwari Auditorium, Nims University Rajasthan, Jaipur

FIRST 100 PROSPECTIVE STUDENTS WILL GET FREE ACCOMMODATION

Scan to Register www.nimsaicon.com

JOIN GALAXY OF WORLD CLASS AI SCIENTISTS

DAY-1

Prof. Ikuo Mizuuchi, Tokyo University of Agriculture, Japan. Topic - Human-Inspired Robotics

Prof. Vladik Kreinovich, University of Texas at El Paso, USA. Topic - Spectacular Successes of Deep Learning: Why and What Next?

Prof. Millie Pant, IIT Roorkee, India. Topic - Responsible AI for Health Care

Prof. Miroslav Svítek, Czech Technical University, Prague, Czech Republic (Europe). Topic - Europe Avenue as a Smart City Testbed in Prague

Prof. Subhashis Banerjee, Ashoka University, India. Topic - Trustworthy AI

DAY-2

Prof. Abdulnasir Hossen, Sultan Quaboos University, Muscat, Oman. Topic - Artificial Intelligence in Medicine: Discrimination between Different Tremors

Dr. Jan Šedivý, CIIRC, Czech Technical University, Prague. Topic - Advancing LLMs: From Training to Smarter Reasoning

PANEL I ▸ Topic - Trends in AI & ML
MODERATOR: Prof. Vladimír Mařík, CIIRC, Czech Technical University, Prague
PANELISTS: José Angel Lopez Mayoralas, Instituto de Inteligencia Artificial, Spain; Prof. Subhashis Banerjee, Ashoka University, India; Dr. Martin Macaš, CIIRC, Czech Technical University, Prague; Prof. A Min Tjoa, Vienna University of Technology Vienna, Austria; Dr. Vladimír Honig, University of Life Sciences, Prague

PANEL II ▸ Topic - AI in Robotics and Manufacturing
MODERATOR: Prof. Václav Hlaváč, CIIRC, Czech Technical University, Prague
PANELISTS: Dr. Pavel Burget, CIIRC, Czech Technical University, Prague; Prof. Ikuo Mizuuchi, Tokyo University of Agriculture, Japan; Dr. Karel Košnar, CIIRC, Czech Technical University, Prague; Dr. Sotiris Makris, University of Patras, Greece

PANEL III ▸ Topic - Medical Applications of AI
MODERATOR: Prof. Olga Štěpánková, Vienna University of Technology, Vienna, Austria
PANELISTS: Prof. Imre Felde, Obuda University, Budapest, Hungary; Prof. Abdulnasir Hossen, Sultan Quaboos University, Muscat, Oman; Dr. Jiří Hozman, Faculty of Biomedical Engineering Czech Technical University, Prague; Prof. Millie Pant, IIT Roorkee, India

DAY-3

Prof. Josef Šivic, CIIRC, Czech Technical University Prague (Europe). Topic - Learning for physical interaction: from objects to molecular structures

Prof. A Min Tjoa, Vienna University of Technology Vienna, Austria. Topic - Digital Humanism

PANEL IV ▸ Topic-Trends in AI & ML
MODERATOR: Dr. Vit Dočkal, CIIRC, Czech Technical University, Prague
PANELISTS: Dr. Valentina Ivanova, CEA, France; José Angel Lopez Mayoralas, Instituto de Inteligencia Artificial, Spain; Petr Šamánek, CIIRC, Czech Technical University; Dr. Sotiris Makris, University of Patras, Greece

MARIK INSTITUTE IS THE ONLY INSTITUTE IN INDIA WHICH RECOGNIZED AS Indo-Pacific-European Hub for Digital Partnership in association with European Union (EU)

NVIDIA DGX A-100 GPU SERVERS. Equipped with WORLD'S MOST ADVANCED ARTIFICIAL INTELLIGENCE (AI) DEEP LEARNING LAB. Robotics Labs from KUKA and SIEMENS. 1st in Rajasthan Computational Cognitive Science & Drone Tech. Lab equipped with AI KAPTICS

Reimagine engineering with industry 4.0 courses imparting 21st century skills. Our Specializations in B.Tech & M.Tech: Computer Science and Engineering | Artificial Intelligence & Machine Learning | Robotics & Cybernetic Technology | Cloud Computing | Smart Manufacturing | Data Science | Information Technology

Address: Dr. B.S. Tomar City, Jaipur-Delhi Highway, Jaipur - 303121 (Rajasthan), Visit us at : www.nimsuniversity.org

For further details, Contact: +91-8306005713, +91-9257025601, Toll Free: 1800 120 1020

बोलेरो कैम्पर व कार की भिड़ंत में एक युवक की मौत, तीन जने घायल

छोटे भाई को परीक्षा दिलवाकर घर लौट रहे बड़े भाई की हादसे में मौत हो गई

रतनगढ़, (निसं)। छोटे भाई को परीक्षा दिलवाकर घर लौट रहे बड़े भाई की भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई तथा छोटे भाई सहित तीन लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए तथा करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद शव को जेसीबी की सहायता से कार से निकाला गया। हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई।

मिली जानकारी के अनुसार रतनगढ़ के वार्ड संख्या 35 निवासी गौरव महर्षि रिश्ते में भाई वैभव को परीक्षा दिलवाने के लिए सीकर लेकर गया था। परीक्षा देकर दोनों भाई कार में सवार होकर सीकर से रतनगढ़ की तरफ आ रहे थे कि रतनगढ़ में ऋषिकुल रोड पर आदर्श विद्या मंदिर के पास सामने से आ रही बोलेरो कैम्पर व कार की भिड़ंत हो गई। हादसा इतना

हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

भयावह था कि दोनों ही वाहनों के परखच्चे उड़ गए तथा कार में सवार गौरव को जेसीबी की सहायता से कार को तोड़कर आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया तथा 108 की सहायता से जिला

- **करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद शव को जेसीबी से कार से निकाला गया**

अस्पताल लेकर आए, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं कार में सवार वैभव, कैम्पर चालक मनोज खींचड़ निवासी जांदवा तथा उसमें सवार बछरारा निवासी संदीप जाट घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद वैभव व मनोज के गंभीर चोटें आने पर डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। हादसे के बाद अस्पताल एवं मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई।

'पाकिस्तानी महिला ने इंटरनेट पर घुसपैठ के तरीके सीखे थे'

महिला ने बताया कि महिलाओं का मान-सम्मान देखकर भारत आई, पैदल चलकर बॉर्डर तक पहुंची

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के अनूपगढ़ में घुसपैठ करते पकड़ी गई पाकिस्तानी महिला हुमारा (32) भारतीय संस्कृति से बहुत प्रभावित है। जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर में पूछताछ में उसने बताया कि मैंने सोशल मीडिया पर देखा कि भारत में महिलाओं का बहुत मान-सम्मान है।

हुमारा ने बताया कि मैं पाकिस्तान में लगातार घरेलू हिंसा का शिकार हो रही थी और कोई सुनवाई भी नहीं हो रही थी। परेशान होकर भारत आने का मन बना चुकी थी। इसके लिए इंटरनेट पर बॉर्डर पार कर भारत में घुसने के तरीके सीखे। पाकिस्तानी महिला ने बताया कि मैं भारत में अवैध रूप से घुसने को लेकर काफी समय से प्रयास कर रही थी। एक बार कश्मीर की तरफ से भी बॉर्डर पार कर भारत आने की कोशिश की, लेकिन फायरिंग के डर से इरादा बदल दिया था।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि

- **'महिला को वापस भेजने का फैसला लिया है और उसे पाकिस्तान भेजा जाएगा'**

पाकिस्तानी महिला ने पूछताछ में बताया कि घरेलू हिंसा से परेशान होकर उसने भारत आने का मन बना लिया था। उसने इंटरनेट के जरिए भारत में घुसने के तरीके सीखे। इसके बाद वह कराची से बहावलपुर आई। वहां से पैदल चलकर रात को बॉर्डर के पास एक मजार के करीब आकर बैठ गई। इसके बाद सुबह पांच बजे के करीब वह भारतीय सीमा में घुसी, लेकिन बीएसएफ ने उसे पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि पाकिस्तानी महिला से श्रीगंगानगर स्थित जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर में पूछताछ की जा रही थी। अब भारतीय सुरक्षा बलों ने उसे वापस भेजने का फैसला लिया है और जल्द ही उसे पाकिस्तान भेजा जाएगा।

पाकिस्तानी महिला हुमारा 17 मार्च को भारत-पाक बॉर्डर की तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी। विजेता पोस्ट पर उसे हिरासत में ले लिया था। महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से साफ इनकार कर दिया और भारत में शरण मांगी। महिला का कहना था कि अगर वह पाकिस्तान लौटेगी है तो उसे मार दिया जाएगा। घुसपैठ के दौरान बीएसएफ ने महिला से एक मोबाइल, सोने की बाली, नथ और हाथ में पहना कड़ा बरामद किया था। महिला ने बताया कि वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। उसके पति का नाम वसीम है। वसीम की बलूचिस्तान में दुकान है। उसके माता-पिता कराची के रहने वाले थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए आईबी, सीआईडी और पुलिस को सूचना दी।

एक ही रात में तीन मकानों से लाखों के जेवर सहित नगदी चोरी

झुंझुनूं, (निसं)। सदर थाना इलाके के मारिगसर गांव में बीती रात एक पुड़िया गैंग की दहशत देखने को मिली। एक ही रात में चोरों ने तीन मकानों में चोरी की। इनमें से दो मकान बंद थे, तो एक में परिवार को ही बंधक बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया।

- **मारिगसर गांव में जर्दबाज पुड़िया गैंग ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया**
- **पंचायत समिति सदस्य के जेठ के घर से 50 लाख से ज्यादा के गहने चुराए**

तीनों में से सबसे बड़ी चोरी पंचायत समिति सदस्य सुमन राहड़ के जेठ के घर पर हुई, जहां से चोर 50 लाख रूपए से भी ज्यादा के सोने-चांदी के जेवरात और नगदी ले गए। वहीं अन्य दो मकानों में भी नगदी और गहना चुराया गया। इन तीन जगहों के अलावा तीन अन्य जगहों पर भी चोरों ने चोरी

चोरी की वारदात के बाद मकान में सामान बिखरा पड़ा है।

का प्रयास किया, लेकिन कामयाब नहीं हो पाए। चोरों ने पंचायत समिति सदस्य सुमन राहड़ के जेठ सुरेंद्र के घर में पीछे से घुसे और बंद पड़े चार कमरों के ताले तोड़कर करीब आधी किलो सोने के जेवर, 20 चांदी के सिक्के समेत चांदी के जेवर तथा 20 हजार रूपए नगदी चुराई। पंचायत समिति सदस्य के पति राकेश राहड़ ने बताया कि उनके ताऊ का बेटा सुरेंद्र राहड़ विदेश में रहता है। खेतों में फसल कटाई के कारण सुरेंद्र का पूरा परिवार रात को खेत में ही रूक गया। कल दोपहर तक सब ठीक था। चोरों ने रात को ही वारदात की है।

इसी तरह झुंझुनूं की निजी आईटीआई में अनुदेशक के पद पर कार्यरत मनोज पारीक के घर पर वारदात हुई। मनोज की बहन के सात-आठ साल बाद बेटा पैदा हुआ है। इसलिए अपनी बहन को देने के लिए उसने गहने रख रखे थे। रात को चोरों ने मनोज पारीक के कमरे के आगे कुंदा लगाकर उसे तोलिए से बांध दिया, जिसके बाद घर में रखे करीब ढाई-तीन लाख के गहने और नगदी चुराकर ले गए। सुबह मनोज उठा तो उसके कमरे का गेट नहीं खुला, तो पड़ौसियों को फोन करके बुलाया। तब जाकर वारदात का पता चला। इसी तरह मनोज पारीक के पड़ौसी सुरेश पूनियां के बंद मकान से भी चोरों ने गहने और नगदी चुराए हैं। सुरेश पूनियां जयपुर में बच्चों के साथ रहता है, तो उसकी पत्नी सुधा चाहर प्रतापगढ़ में टीचर है।

सुरेश पूनियां ने बताया कि वे होली पर घर आए थे। 16 मार्च को घर को ताला लगाकर गए थे। बीती रात चोरों ने घर के ताले तोड़कर नगदी और जेवरात चुरा लिए। तीनों ही जगहों पर दो चीजें समान थी। एक तो चोरों ने गहने के बॉक्स और थैलियों को मौके पर ही छोड़कर चले गए और सिर्फ गहने-गहने निकालकर ले गए। वहीं तीनों ही जगह पर मकानों के अंदर चोरों ने जर्दा जगह-जगह थूक रखा था, जिससे साफ है कि ये चोर पुड़िया खाने के शौकिन है, जिन्होंने चोरी करते वक्त जमकर जर्दा भी खाया और पूरे घर में जगह-जगह थूका भी है। सूचना मिलने पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची है। मौका मुआयना करने के अलावा एमओबी, एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य उठाए है। वहीं डॉग स्कवायड टीम भी मौके पर पहुंची।

एक रूपये के लेन-देन के विवाद को लेकर पेट्रोल पम्प कर्मचारियों पर हमला

कोटा, (निसं)। महावीर नगर क्षेत्र में पेट्रोल पम्प पर मात्र एक रूपये के विवाद को लेकर कुछ जनों ने पम्प कर्मचारियों पर लोहे के सरियों व डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में पेट्रोल पम्प के दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोटा पेट्रोलियम डीलर एसोसिऐशन के पदाधिकारी तरूमीत सिंह बेदी ने बताया कि दो युवक मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाने के लिये शनिवार को महावीर नगर क्षेत्र के एलआईसी बिल्डिंग के पास स्थित पेट्रोल पम्प पर पहुंचे और मोटरसाइकिल में 99 रूपये का पेट्रोल डलवाने के लिये पम्प कर्मचारी को बोला और सौ रूपये देकर वापसी में एक रूपया मांगा जिस पर

- **हमले में पेट्रोल पम्प के दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती कराया**
- **मामले को लेकर एसोसिऐशन के पदाधिकारियों ने एसपी से मुलाकत की**

कर्मचारी ने एक रूपया नहीं होने की बात कही और कमचारी ने युवक को 10 रूपये दिये जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और युवकों ने कर्मचारी से मारपीट कर दी और फोन करके अपने कुछ साथियों को बुलाया। कुछ ही देर में चार पहिया वाहन से कुछ लोग आये और आते ही लोहे की रॉड व डंडों से कर्मचारियों पर हमला कर दिया।

तरूमीत सिंह बेदी ने बताया कि हमले मे पेट्रोल पम्प कर्मचारी ललितेश के सिर में गंभीर चोटें आई और हमलावरों ने एक अन्य कर्मचारी शंभु सिंह का पैर तोड़ दिया। दोनों कर्मचारियों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावरों ने पेट्रोल पम्प के कार्यालय में लगे कांच भी तोड़ दिये।

कोटा पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के पदाधिकारी बेदी ने बताया कि मामले को लेकर एसोसिऐशन के पदाधिकारियों के साथ शहर पुलिस अधीक्षक से भी मिले और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है वहीं एसपी ने भी उन्हें मामले मे उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि पेट्रोल पम्प कर्मचारी ललितेश व शंभूसिंह ने रिपोर्ट दी है रिपोर्ट में कहा कि दो युवक बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिये आये और सौ रूपये देकर 99 रूपये का पेट्रोल भरवाया और एक रूपया वापस लौटाने को कहा। एक रूपया नहीं होने पर दस रूपये दिये जिसको लेकर विवाद हो गया जिस पर उन्होंने कुछ साथियों को मौके पर बुलाया और उन लोगों ने डंडों से मारपीट की और बीच-बचाव के लिये अन्य स्टॉफ के साथ भी मारपीट की। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर निमेष, मोहित, मूलचन्द, महेन्द्र व भुपेन्द्र सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अजमेर में अस्थाई ठेका सफाई कर्मियों का आंदोलन जारी

अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

अजमेर, (कासं)। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रहे अस्थाई सफाई कर्मचारियों का आंदोलन छठे दिन भी जारी रहा। शनिवार को गांधी भवन चौराहे पर निगम प्रशासन व ठेकेदार का पुतला फूंककर कर्मचारियों ने विरोध दर्ज कराया और नगर निगम प्रशासन से जल्द उनकी मांगें पूरी करने की मांग की। डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाले टेंपो चालकों ने भी काम बंद रखा है, जिससे शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

गांधी भवन चौराहे पर प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी

- **निगम प्रशासन व ठेकेदार का पुतला फूंका, डोर-टू-डोर कचरा टेंपो भी नहीं चले**

की और ठेकेदार पर अनदेखी का आरोप लगाया। सफाई कर्मियों का कहना है कि अगर जल्द ही उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। आंदोलनकारी ठेका कर्मचारी मोहित घारू ने बताया कि सफाई कर्मियों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर निगम अधिकारियों से कई बार वार्ता की गई, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाले टेंपो चालकों ने बारह सौ रुपए मासिक वेतन, महीने में चार अवकाश, काम के लिए आवश्यक उपकरण, फावड़ा, गैंती इत्यादि और दुर्घटना बीमा की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि निगम प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा, जिससे ठेका सफाई कर्मचारियों में भारी रोष है।

विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

दौसा, (निसं)। दौसा पुलिस की विशेष शाखा को जानकारी मिली कि 10 विदेशी नागरिक जिसमें 5 महिलाएं भी शामिल है, जो जमात से जुड़े हुए तथा पांच विदेशी महिला व पांच विदेशी पुरुष शहर की विभिन्न मस्जिदों में रुके हुए हैं। साथ ही विभिन्न गतिविधियों में लिप्त हैं। जानकारी मिलने के साथ ही पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने सिटी सीओ रविप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवांछित रुप से विभिन्न मस्जिदों में रह रहे पांच महिला व पांच पुरुष विदेशी नागरिकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार विदेशी महिला व पुरुष जमात से जुड़े हुए हैं। पूछताछ के बाद दौसा पुलिस ने विदेशी नागरिकों को भारत-नेपाल सीमा पर स्थित रेकसोल चैक पोस्ट, पूर्वी चंपारण मोतीहारी बिहार भेज दिया गया है।

62 लाख का लोन फर्जी तरीके से उठाने के मामले में सेवानिवृत्त अधिकारी गिरफ्तार

आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया, पूछताछ जारी

झुंझुनूं, (निसं)। 62 लाख रुपए से अधिक का लोन लेकर फर्जी तरीके से उठाने के फर्जीवाड़ा करने के मामले में झुंझुनूं की कोतवाली पुलिस ने राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के सेवानिवृत्त सहायक निदेशक जगदीशप्रसाद शर्मा को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी जगदीशप्रसाद शर्मा के खिलाफ 3 दिसंबर 2024 को राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की निदेशक योगबाला सुंडा ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था, जिसमें कूटरचित दस्तावेज व लोन उठाकर फर्जी तरीके से भुगतान दिखाकर सरकारी राशि का गबन किया। आरोपी को पकड़ने के लिए कोतवाली पुलिस कई दिनों से प्रयास कर रही थी। कोतवाल हरजिंद्र सिंह के सुपरविजन में जगदीश प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही हैं।

पुलिस की जांच में सामने आया कि संयुक्त निदेशक जगदीश प्रसाद ने

जगदीश प्रसाद शर्मा

62 लाख रुपए का लोन उठाया। इसमें से उसने फर्जी तरीके से लोन को कूटरचित दस्तावेज के तहत जमाकर स्वयं का राज्य बीमा क्लेम उठाया। इस तरह सरकारी राशि का गबन किया। धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार हुए जगदीश प्रसाद ने राज्य बीमा एवं प्रावधायी विभाग में अक्टूबर 2022 में सहायक निदेशक के पद पर जॉइन किया था।

31 जुलाई 2023 में झुंझुनूं से

- **जीपीएफ के सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक जगदीश प्रसाद शर्मा को गिरफ्तार किया**
- **आरोपी जगदीश प्रसाद शर्मा को पकड़ने के लिए कोतवाली पुलिस कई दिनों से प्रयास कर रही थी**

रिटायर हुए। जगदीश प्रसाद शर्मा ने लोन पहले ही ले रखा था, लेकिन सेवानिवृत्ति से पहले उसने कूटरचित दस्तावेज के आधार पर लोन को जमा कर अपना बीमा क्लेम उठा लिया। मामले का खुलासा होने पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी विभाग की संयुक्त निदेशक ने मामला दर्ज कराया था। पुलिस गिरफ्तार जगदीशप्रसाद शर्मा से पूछताछ कर रही है।

फार्म हाउस में सिर कटा शव मिला

जयपुर। बगरू थाना इलाके में अजमेर रोड पर ठिकरिया टोल प्लाजा के पास एक फार्म हाउस पर सिर कटा शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया कि शव भी काफी दिन पुराना होने के कारण सड़ गया था। फार्म हाउस बंद पड़ा था।

थानाधिकारी मोती लाल शर्मा ने बताया कि शनिवार सुबह सूचना मिली कि एक खाली पड़े फार्म हाउस के अंदर शव पड़ा है। सूचना पर एसीपी बगरू हेमेंद्र शर्मा के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां पर फार्म हाउस की चारदीवारी के पास एक व्यक्ति का सिर कटा हुआ सड़ा गला शव पड़ा मिला। व्यक्ति का सिर शव से करीब 15 फीट दूर पड़ा था। पुलिस ने मौके का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान की कोशिश की। एफएसएल और डॉग स्क्वॉड टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। शव के पास मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान ठाम पंचायत देवलिया के गांव रामपुरा के रहने वाले श्रवण लाल प्रजापत (48) पुत्र पांचू राम प्रजापत के रूप में हुई। पुलिस ने शव को बगरू उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। यहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में सड़कों पर उतरा सर्वसमाज, बाजार बंद रहे

बिजयनगर/अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के ब्यावर जिले के बिजयनगर में नाबालिग बालिकाओं के साथ दुराचार, ब्लैकमेल व धर्मांतरण मामले को लेकर आक्रोश थमने का

- **अजमेर रेंज डीआईजी ने आईपीएस अभिषेक दांसु को विशेष जांच टीम का प्रभारी नियुक्त किया**

नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सर्व हिंदू समाज संघर्ष समिति के आव्हान पर शनिवार को सर्वसमाज सड़कों पर उतर गया और बिजयनगर बंद रखा गया।

समिति के सदस्यों ने शहर में रैली निकालकर बाजार बंद कराए और सरकार से मामले की जांच सीबीआई

विरोध के चलते विजयनगर के बाजार बंद रहे।

से करवाने की मांग की। वहीं एसआईटी जांच आईपीएस अधिकारी को सौंपी गई है। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। सीओ सज्जन सिंह और थाना प्रभारी करण सिंह बंद के दौरान मौके पर रहे। पुलिस ने अब तक इस मामले में 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 11 न्यायिक अभिरक्षा में हैं और 5 नाबालिग बाल सुधार गृह में है।

एसआईटी जांच आईपीएस को :-अजमेर रेंज डीआईजी ओम प्रकाश ने आईपीएस अभिषेक दांसु को विशेष जांच टीम (एसआईटी) का प्रभारी नियुक्त किया है। गौरतलब है कि अभिषेक आईआईटी बॉम्बे से पास आउट हैं और साइबर मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच की जाएगी और खामियों को दूर किया जाएगा। मामलू हो कि अभय कमांड के एडिशनल एसपी नेम सिंह एसआईटी प्रभारी थे। इस टीम में एडिशनल एसपी ब्यावर, मसूदा सीओ, दो थाना अधिकारी और एक सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। यह मामला 15 फरवरी को सामने आया था।

सर्वसमाज का आक्रोश बरकरार :-एक नाबालिग ने बिजयनगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद एक अन्य नाबालिग और तीन लड़कियों के पिता ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़ित परिवार का आरोप था कि प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली इन नाबालिग लड़कियों से दुराचार कर उनके अश्लील फोटो वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया गया। साथ ही उन्हें जबरन कलमा पढ़ने, रोजा रखने और धर्मांतरण के लिए मजबूर किया गया। पुलिस ने पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

46 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद, तस्कर फरार

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मादक पदार्थ तस्करी पर रोकथाम लगाने के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 46.870 किलोग्राम अवैध सीपीएस बिना चीर लगा डोडा-चूरा बरामद किया। टीम द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान तस्कर मौके से फरार हो गया। यह कार्रवाई उप-नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के मार्गदर्शन मे की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक कार में प्रतापगढ़ क्षेत्र से मारवाड़ की ओर मादक पदार्थ अवैध डोडा चूरा ले जाया जा रहा है। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि उक्त सूचना पर सीबीएन प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों की टीम गठित की गई। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और कार की पहचान होने के बाद कार को रोकने का प्रयास किया लेकिन कार चालक ने वाहन को नहीं रोका और विद्युतपोल से टकराने के बाद भी कार को तेजी से चलाता हुआ भगाया। जिस पर टीम ने कार का पीछा किया तो कार चालक द्वारा तेज गति से वाहन को चलाते हुए कार को बोरी-भुवासिया मार्ग पर छोड़ कर उठी हुई धूल का लाभ उठाते हुए खेतों में फरार हो गया। टीम ने मौके से कार को जब्त कर उसकी तलाशी ली तो कार की डिक्की में से 46.870 किलोग्राम अवैध सीपीएस बिना चीरा लगा डोडा चूरा बरामद हुआ। टीम ने कार्रवाई करते हुए बरामद अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा को जब्त किया। मामले में जांच प्रकिया जारी है।

777 गैंग के सरगना सहित चार बदमाश गिरफ्तार

1 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद

जयपुर। जयपुर में बढ़ती गैंगवार और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम कसते हुए पुलिस थाना संजय सर्किल और जिला विशेष टीम (डीएसटी) जयपुर उत्तर ने ऑपरेशन आग के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने 777 गैंग के सरगना सहित 4 बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद किए हैं।

- 1 पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 7 जिंदा कारतूस और 2 धारदार कटार बरामद
- हत्या की साजिश के दौरान दबोचे गए गैंगस्टर

पुलिस थाना संजय सर्किल और जिला विशेष टीम जयपुर उत्तर ने ऑपरेशन आग के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 777 गैंग के सरगना सहित 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त राशि डूडी डोगरा ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत पुलिस थाना संजय सर्किल और (डीएसटी) जयपुर उत्तर ने कार्रवाई करते हुए आरोपी वसीम अहमद उर्फ मोटा (36) शास्त्री नगर, मोहम्मद शाहरुख उर्फ चम्मच (32) शास्त्री नगर, मोहम्मद शाहरुख मर्लंग (27) सांगानेर एवं फिरोज खान उर्फ सद्दाम (35) दौसा को गिरफ्तार किया है।

जयपुर में पिछले 6-7 महीनों से मुजम्मिल गैंग और वसीम मोटा गैंग के बीच वर्चस्व को लेकर संघर्ष चल रहा था। दोनों गुट व्यापारियों, क्लब मालिकों और सटोरियों से रंगदारी वसूलने के लिए आपसी टकराव में थे। इस दौरान एक-दूसरे की गाड़ियों को जलाने, हमले करने और इलाके में दहशत फैलाने की कई वारदातें हो चुकी थीं।

उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वसीम मोटा गैंग के कुछ सदस्य हथियारों के साथ विरोधी गुट के लोगों की हत्या की योजना बना रहे हैं।

इस सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर वसीम मोटा, मोहम्मद शाहरुख उर्फ चम्मच, मोहम्मद शाहरुख मर्लंग और फिरोज खान उर्फ सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया।। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उन्होंने 777 नाम से गैंग बना रखी थी, जिसमें सिर्फ इंस्टाग्राम के माध्यम से संपर्क किया जाता था। इस गैंग के करीब 18-20 सदस्य हैं, जो शहर में अलग-अलग जगहों पर रहते हैं और फायरिंग, जबरन वसूली, गैंगवार और दहशत फैलाने जैसी वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, दोनों गुटों के कई सदस्य पहले भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, लेकिन ये गैंग दोबारा संगठित होकर अपराध करने लगे थे। पुलिस अब गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ कर उनके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त राशि डूडी डोगरा ने स्पष्ट किया कि जयपुर में गैंगस्टर गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और जयपुर शहर को अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है।

सुदेश भोसले ने बहाई भक्ति रस की गंगा

जयपुर। बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर सुदेश भोसले ने नवकार मंत्र, हे राम हे राम.., अच्युतम केशवम राम नारायणम... सहित जब अपनी सुमधुर वाणी से भजनों को सुनाना शुरू किया तो सभी भक्त और श्रोतागण भक्ति रस में झूमने को मजबूर हो गए।

मौका था अपेक्स ग्रुप व संजय शिक्षा समिति के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. सागरमल जूनीवाल की सातवीं पुण्यतिथि पर अपेक्स यूनिवर्सिटी की ओर से मानसरोवर स्थित अपेक्स कैम्पस में आयोजित भजन संध्या ''एक स्मृति'' का।

तयशुदा कार्यक्रम में शामिल होने आये मशहूर बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर सुदेश भोसले ने अपनी स्वर लहरी से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने दुनिया से जाने वाले... को सुनाकर श्रद्धांजलि देते हुए भक्ति संगीत की सरिता बहायी।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने डॉ. सुषमा महाजन के चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जयपुर। कला ईश्वर की साधना करने और उसे प्राप्त करने का एक माध्यम है। यह कलाकार के भीतर से स्वतः ही प्रकट होता है।

डॉ. सुषमा महाजन के चित्रों में यह भाव स्पष्ट रूप से जाहिर होता है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को हीलिंग स्ट्रोक्स चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही।

- ‘ऐसी परिपूर्ण चित्रकारी कलाकार द्वारा केवल ब्रश और रंगों से खेलना नहीं, बल्कि स्वयं को जीने जैसा है’

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को डॉ. सुषमा महाजन की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

शेखावत ने जयपुर शहर की वरिष्ठ चिकित्सक एवं चित्रकार डॉ. महाजन द्वारा बनाए चित्रों की ताज आमेर होटल में प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान कहा कि ऐसी परिपूर्ण चित्रकारी कलाकार द्वारा केवल ब्रश और रंगों से खेलना नहीं, बल्कि स्वयं को जीने जैसा है।

उन्होंने बताया कि डॉ. महाजन ने कोविड महामारी के दौर में आपाधापी के बीच जीवन का अर्थ पाने के लिए चित्र बनाना शुरू किया। उन्होंने अपने चित्रों के ज़रिए न केवल स्वयं का, अपितु दर्शकों का भी जीने का नजरिया बदलने की असाधारण उपलब्धि हासिल की है। चिकित्सा पेशे (मेडिकेशन) से चित्रकारी के जरिए अपने आप को समझने (मेडिटेशन) तक की यह यात्रा असाधारण रूप से सफल है।

शेखावत के अनुसार, डॉ. महाजन ने जो कला संसार रचा है, वह दर्शक के मन को तृप्त करने वाला है। इनका एक एक चित्र आकर्षक है, जो उनके अंतर्मन से प्राकृतिक रूप से उभरा है। ईश्वर की कृपा से ही एक कलाकार के भाव बाहर आते हैं और एक कृति बनती है।

चित्रकार डॉ. महाजन ने अपनी कला यात्रा के बारे में बताया कि मानव जीवन के लिए मुश्किल दौर में अपने अंतर्मन की शांति के लिए मैने चित्र बनाना शुरू किया।

उन्होंने कहा कि कला व्यक्ति को सुकून देती है। मेरा अनुभव है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। जीवन में आनंद की प्राप्ति के लिए सभी को अपनी प्रतिभा अभिव्यक्त करना चाहिए। इससे आप दूसरे को भी सुकून दे पाएंगे।

ताज आमेर के जनरल मैनेजर देवराज सिंह ने कला प्रदर्शनी का संदर्भ प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉ. महाजन की कला की खासियत यह है कि इनकी कोई विशिष्ट शैली नहीं है। वह अपने आप में कई शैलियों का संग्रह हैं।

विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग राज्य मंत्री ओटाराम देवासी की अध्यक्षता में शनिवार को पंत कृषि भवन विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग राज्य मंत्री ओटाराम देवासी की अध्यक्षता में आज पंत कृषि भवन, जयपुर में विश्व जल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ओटाराम देवासी ने कहा, ''जल ही जीवन है, और हमें इसे संरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है, और जनता की भागीदारी से इस अभियान को और अधिक मजबूत किया जाएगा।''

जल संरक्षण के महत्व पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके पश्चात वर्षा जल संचयन और जल प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों पर एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन हुआ, साथ ही द्वारा एक प्रस्तुति प्रदर्शित की गई, जिसमें पानी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। सभी प्रतिभागियों ने जल बचाने और इसके विवेकपूर्ण उपयोग की शपथ ली।

कार्यक्रम के दौरान आई.टी.सी. संस्थान के साथ जल संरक्षण और सतत विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही, मिशन ज्ञान के साथ जल संरक्षण और जागरूकता अभियान को लेकर एक अन्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों के पंजीकरण से हुई। इसके बाद राज्य मंत्री, पंचायती राज, ओटाराम देवासी एवं शासन सचिव, पंचायती राज, डॉ जोगाराम का स्वागत जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, निदेशक एवं संयुक्त सचिव, मुहम्मद जुनैद द्वारा किया गया।

विजयदान देथा साहित्य उत्सव

जयपुर। राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा नित नए प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी क्रम में जयपुर के जवाहर कला केंद्र में तीन दिवसीय विजयदान देथा साहित्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान सरकार की बजट (2024-25) घोषणा के आलोक में जवाहर कला केंद्र की ओर से आयोजित विजयदान देथा साहित्य उत्सव का शनिवार को दूसरा दिन रहा। प्रभातकालीन संगीत सभा के साथ दिन की शुरुआत हुई।

साहित्यिक सत्रों में राजस्थानी भाषा के इतिहास, साहित्य और महिला साहित्यकारों की भूमिका पर चर्चा के साथ हुई। इसके अलावा साहित्यकारों ने राजस्थानी भाषा के सम्मान पर बात की,लोक वार्ता में राजस्थान के ऐतिहासिक योगदानों पर बात हुई,आखिर में कवि सम्मेलन में प्रसिद्ध राजस्थानी कवियों ने काव्य पाठ किया। गौरतलब है कि तीन दिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन रविवार को प्रभातकालीन सभा में तुषार शर्मा गायन प्रस्तुति देंगे। प्रातः 10 बजे से नृसिंह राजपुरोहित सत्र में मनोहर सिंह राठौड़,दिनेश पांचाल,शिवराज भारतीय विचार रखेंगे,विजय जोशी समन्वयक रहेंगे। प्रातः 11:45 बजे ओम पुरोहित कागद सत्र में मदन गोपाल लढ्ढा,रवि पुरोहित,घनश्याम नाथ कच्छावा चर्चा करेंगे,मोनिका गौड समन्वयक रहेंगी।

दहशत फैलाने वाले बदमाश गिरफ्तार

महेश नगर में जन्मदिन मनाने के दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट कर दहशत फैलाने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जयपुर । महेश नगर में जन्मदिन मनाने के दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद दो बदमाशों की घटनास्थल के पास परेड निकाली गई। पुलिस मामले में पहले भी कुछ बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनन्द ने बताया कि महेश नगर ने कार्रवाई करते हुए जन्मदिन मनाने के दौरान गाड़ियों में तोड़फोड़ और मारपीट कर दहशत फैलाने वालेरवि कुमार शर्मा उर्फ रवि पंडित (25) निवासी मानसरोवर जयपुर और मुकेश चौधरी उर्फ मुकेश सामौता (31) निवासी हीरापुरा करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में प्रमोद मण्डार ने मामला दर्ज करवाया था कि रवि शर्मा, मुकेश सामोता ने मारपीट कर गाड़ियों के शीशे तोड़कर पिस्टल दिखाकर मारने की धमकी दी थी। इस पर महेश नगर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए।

विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन में विभिन्न शहरों से 100 कारें शामिल

जयपुर। राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब जयपुर द्वारा प्रस्तुत 26वीं विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का 22 मार्च को ताज जय महल पैलेस में भव्य उद्घाटन हुआ। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रुप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जिसके बाद उन्होंने विंटेज कार में बैठकर एग्जीबिशन का अवलोकन भी किया।

- ‘यह आयोजन न केवल राजस्थान की समृद्ध ऑटोमोबाइल धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे राज्य और देश के पर्यटन को भी एक नई दिशा देने का कार्य करता है’

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शनिवार को विंटेज और क्लासिक कार एग्जीबिशन एंड ड्राइव का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन न केवल राजस्थान की समृद्ध ऑटोमोबाइल धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह हमारे राज्य और देश के पर्यटन को भी एक नई दिशा देने का कार्य करता है। जयपुर और राजस्थान हमेशा से ऑटोमोटिव इतिहास और संस्कृति के केंद्र रहे हैं, उनके संरक्षण के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमारी परंपरा और विरासत को अधिक मजबूती देंगे।

इस अवसर पर राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब (आरएएससीसी) के संस्थापक अध्यक्ष, दयानिधि कासलीवाल; आरएएससीसी के उपाध्यक्ष, सुधीर कासलीवाल, आरएएससीसी के सचिव, अविजित सिंह बदनौर, डिप्टी डायरेक्टर, पर्यटन विभाग, उपेंद्र सिंह शेखावत सहित देश भर से कार पारखी, पर्यटक और शहर के कई जाने-माने लोग उपस्थित रहे। बाद में दिन के दौरान आईएएस, प्रमुख सचिव पर्यटन, रवि जैन ने भी एग्जीबिशन का अवलोकन किया। इस इवेंट में भाग लेने वाली कुछ अनूठी कारों में 1913 फोर्ड मॉडल टी (ओनरः मीत बधलिया), 1919 सिट्रोन रोडस्टर, (ओनरः शगुफ्ता खान, नई दिल्ली), 1930 कॉर्ड 29 कैब्रियोलेट, 1950 रिले कूप (ओनरः गौतम हरि सिंघानिया),1923 ऑस्टिन चम्मी (मालिकः घनी ऑटोज) और जयपुर कलेक्टर्स के कलेक्शंस - कमल एंड कंपनी, जेम पैलेस, घनी ऑटोज़, लक्ष्मी रमन जी, अविजित सिंह बदनौर आदि शामिल हैं।

रविवार को सुबह 11.30 बजे ताज जय महल पैलेस से जनरल मैनेजर-रामबाग पैलेस और एरिया डायरेक्टर-ऑपरेशन्स ताज होटल्स, अशोक एस. राठौड़ और जनरल मैनेजर, जय महल पैलेस, जयपुर, वर्धमान एस. राठौड़ द्वारा इस ड्राइव को हरी झंडी दिखाई जाएगी। लोगों को देखने और आनंद लेने के लिए कारें जयपुर की सड़कों पर चलाई जाएंगी। इसका रूट गवर्नमेंट हॉस्टल, एमआई रोड, पांच बत्ती, स्टेच्यू सर्कल, अंबेडकर सर्कल, जनपथ टर्न से चोम्मू सर्कल होगा और अंत में ड्राइव प्रतिभागियों के लंच के लिए ताज जय महल पैलेस में वापसी करेगी।

जिसके बाद, दोपहर 3.30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा, जिसमें जयपुर ग्रामीण, सांसद, राव राजेंद्र सिंह द्वारा पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

सार-समाचार

मूट प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया, जयपुर चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में ''मूट प्रेस कॉन्फ्रेंस'' का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस का विषय ''पीआर इन द डिजिटल एराः द नीड फॉर स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन इन अ कनेक्टेड वर्ल्ड'' था। कार्यक्रम का शुभारंभ आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर के वाइस चांसलर प्रो. टी.एन. माथुर, एडवाइजर के.एस. शर्मा और सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनसंपर्क विशेषज्ञ एवं राजस्थान सरकार के पूर्व जनसंपर्क अतिरिक्त निदेशक गोविंद पारीक ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। उन्होंने डिजिटल मीडिया के दौर में जनसंपर्क की बदलती रणनीतियों और इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। पैनल चर्चा में पीपल्स मीडिया एंड थिएटर के अध्यक्ष अशोक राही, एडफैक्टर्स पीआर के ग्रुप हेड नितिन जागड़, डीआईपीआर जयपुर की असिस्टेंट डायरेक्टर कविता जोशी और फ्यूजन ग्रुप के फाउंडर एवं डायरेक्टर योगेश मिश्रा ने भाग लिया। पैनल चर्चा में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनसंपर्क की भूमिका, रणनीतिक संवाद और नई मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर विचार साझा किए गए।

बाइकों की टक्कर के बाद निकाली तलवार

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके में शनिवार दोपहर दो बाइकों की टक्कर के बाद एक पक्ष ने तलवार निकाल ली। इसके बाद दो पक्ष आमने-सामने हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। दोनों पक्षों को समझाया गया। इसके बाद मामला शांत हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्ष के लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल कोई एफआईआर दर्ज नहीं करवाई गई है। एतिहाल के तौर मौके पर पुलिस बल तैनात है। घटना कोतवाली थाना इलाके में दर्जियों का मोहल्ला खजाने वाले की गली की है। स्थानीय दुकानदार हेमंत विजय ने बताया कि उनकी दुकान के सामने दो बाइकों की भिड़ंत हुई। बाइक सवार दोनों युवक झगड़ा करने लगे। इसी दौरान एक युवक कुछ दूर गया। फिर तलवार लेकर भागता हुआ आया। इस के बाद माहौल खराब हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। तलवार लहराने की बात से लोगों में गुस्सा था। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष को समझाया। इस के बाद भीड़ इधर-उधर हो गई। तलवार लहराने वाले युवक ने भी मौके पर माफी मांगी। इसके बाद मामला शांत हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया- दोनों पक्ष के लोगों को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। वहीं, अगर कोई रिपोर्ट देगा तो एफआईआर दर्ज की जाएगा।

स्कॉर्पियो कार ने युवती को मारी टक्कर

जयपुर। हरमाड़ा थाना इलाके में शुक्रवार देर रात एक स्कॉर्पियो कार ने युवती को टक्कर मार दी। युवती करीब बीस फीट उछलकर सड़क पर गिर गई। घटना श्रीराम धर्म कांटा के पास हुई। इसके बाद निजी वाहनों की मदद से युवती को एसएमएस ट्रोमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। युवती की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने कार ड्राइवर को पकड़ लिया है। पुलिस ने बताया कि कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से सम्पर्क किया, लेकिन उन्होंने रिपोर्ट इलाज के बाद कराने की बात कही है। युवती की पहचान इंदू शर्मा के रूप में हुई है। जो की इलाके में ही रहती हैं। इंदू शर्मा के परिजनों के सम्पर्क में पुलिस में हैं। पीड़ित परिवार जब शिकायत देगा उस के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगा।

स्मैक की तस्करी करने वाला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को पकडा है और उसके पास से 8.25 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक भी जब्त की है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत भट्टा बस्ती थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले शातिर तस्कर फरमाना उर्फ शूटर निवासी भट्टा बस्ती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से 8.25 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

अलजारिया और बिल्डस कैफे पर पुलिस का छापा, हुक्का पार्टी करते मिले युवक

जयपुर। राजधानी जयपुर में मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हुक्का बार पर शिकंजा कसते हुए दो कैफे पर छापा मारा है। पुलिस ने मालवीय नगर स्थित अलजारिया कैफे और बिल्डस कैफे में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हुक्का और तंबाकूयुक्त फ्लेवर जब्त किए। साथ ही दो कैफे मैनेजरों को पकडा है। डीसीपी (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मालवीय नगर थाना इलाके में गठित विशेष टीम ने इन अवैध गतिविधियों पर नज़र रखते हुए यह कार्रवाई की। अलजारिया कैफे में पुलिस को हुक्का और तंबाकूयुक्त फ्लेवर चिलम के साथ युवक धुएं के छल्ले उड़ाते मिले। मौके पर मौजूद कैफे मैनेजर अनुभव सिंह के पास लाइसेंस नहीं था। जिसके चलते पुलिस ने हुक्का, पाइप, चिलम और फ्लेवर जब्त कर लिए। साथ ही हुक्का पी रहे युवक पर कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4/6 के तहत जुर्माना लगाया गया। इसी तरह बिल्डस कैफे में भी छापेमारी के दौरान पुलिस को हुक्का पार्टी चलती मिली। कैफे मैनेजर अभिषेक मीणा के पास भी आवश्यक लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने वहां से भी हुक्का, पाइप, चिलम और फ्लेवर जब्त कर लिए और हुक्का पी रहे युवक पर कोटपा अधिनियम की धारा 4/8 के तहत जुर्माना लगाया।

सराफ ने किया लैब का उद्घाटन

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने विधायक कोष से प्रदत्त राशि 10 लाख रुपये की लागत से 10 कंप्युटर राजकीय महाविद्यालय जयपुर की लैब में दिए जिसका आज लोकार्पण किया गया। सराफ ने विद्यार्थियों की मांग एवं वर्तमान भवन में हो रही असुविधा को देखते हुए महाविद्यालय को नये भवन में शिफ्ट करने का आश्वासन दिया। प्रिंसिपल स्निग्धा शर्मा की मांग पर महाविद्यालय में कंप्युटर लैब के लिए सराफ ने विधायक कोष से और 10 लाख रुपये कंप्यूटर के लिए देने की घोषणा की है। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ की ओर से सराफ का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

एमए परीक्षा 24 मार्च से

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की एमए के प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा 24 मार्च से शुरू होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. शंभु कुमार झा ने बताया कि शनिवार को कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने परीक्षा केंद्राधीक्षक और अधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने बताया कि परीक्षा केवल विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित होगी, जो 24 मार्च से 28 मार्च तक दो पारियों में चलेगी। प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
SUNDAY
23 March 2025
A-B

World Atheist Day: Celebrating Reason and Free Thought

Observed annually on March 23, World Atheist Day recognizes the rights of atheists and promotes secularism, free thought, and rational inquiry. The day serves as a platform to highlight the importance of scientific reasoning and challenge societal biases against non-religious individuals. Established by atheist organizations, it encourages open discussions on humanism, ethics, and the separation of religion from governance. Supporters mark the day through debates, educational events, and advocacy for secular policies. World Atheist Day fosters inclusivity, urging societies to respect diverse worldviews and uphold freedom of belief for all.

#BEATING THE HEAT

Summer Car Tip: Ways To Protect Your EV Battery

With the right precautions, you can protect your EV battery and ensure smooth performance even in the hottest months.

As the summer sun blazes, electric vehicle (EV) owners face a unique challenge, keeping their car batteries healthy in extreme heat. Unlike internal combustion engine vehicles, EVs rely on lithium-ion batteries that are highly sensitive to temperature fluctuations. Excessive heat can degrade battery performance, reduce efficiency, and even pose safety risks. However, with the right precautions, you can protect your EV battery and ensure smooth performance even in the hottest months.

The Impact of Heat on EV Batteries

EV batteries function optimally within a specific temperature range. When exposed to extreme heat, the battery's chemical reactions accelerate, leading to faster degradation. This not only shortens the overall lifespan of the battery but also affects driving range and charging efficiency. Additionally, heat buildup can stress battery cells, increasing the risk of thermal runaway, a condition where the battery overheats uncontrollably. Given these potential risks, it's essential for EV owners to adopt preventive measures during summer.

Protect Your EV Battery in Hot Weather

One of the simplest ways to protect your battery is by parking in shaded areas or covered parking structures. Direct sunlight can significantly raise the car's internal temperature, making the battery work harder to regulate heat. If covered parking isn't an option, using a reflective sunshade or car cover can help keep the cabin and battery cooler. Another effective strategy is preconditioning the battery before driving. Many modern EVs come with a thermal management system that allows you to cool the battery before you start your journey. Charging habits also play a crucial role in maintaining battery health. Frequent fast charging generates excess heat, which can degrade the battery over time. While fast charging is convenient, it should be used sparingly, preferably during long trips. For daily charging, opting for Level 2 charging at home or at public stations is a safer and more battery-friendly approach. Another essential tip is to maintain an optimal charge level. Keeping the battery charge between 20% and 80% prevents excessive heat buildup and reduces long-term wear. Avoid leaving your EV plugged in at 100% charge for extended periods, especially in hot weather, as it puts unnecessary stress on the battery.

Driving Smart to Prevent Battery Overheating

Long drives in extreme heat can strain your EV battery, so, planning your routes wisely is crucial. Consider charging stops along the way and take breaks to allow the battery to cool down if necessary. Additionally, using your car's Eco Mode can optimize energy consumption and reduce unnecessary battery strain by limiting power output and adjusting climate control settings. EV manufacturers continuously release software updates to enhance battery efficiency and thermal management. Regularly updating your vehicle's software ensures that you benefit from the latest improvements designed to protect your battery from heat stress.

Ensuring a Cool and Efficient EV Experience

A well-maintained EV battery translates to longer lifespan, improved efficiency, and fewer unexpected breakdowns. Practicing safe driving habits, avoiding overspeeding, and utilizing regenerative braking can further contribute to battery longevity. Additionally, scheduling regular battery maintenance as per the manufacturer's guidelines ensures that any potential issues are identified early. As temperatures continue to rise, taking these proactive steps can make all the difference in preserving your EV's battery health. A little extra care during the summer months goes a long way in enhancing performance, ensuring safety, and maximizing your EV's overall lifespan.

As we settled into the dive, I saw the Sargodha runway for the first time and quickly scanned the skies for enemy aircraft. After ensuring that there was no immediate threat to the formation, I tried to identify my target, which was a missile dump to the South of the runway. The four aircraft were now strung out in a line with Handa in front and me at the top of the dive, about 1500 yards behind him.

Daylight attack

#TIGERS OVER SARGODHA

Air Marshal Philip Rajkumar (Retd)

After a quick breakfast, Handa went over the briefing once again and Brar, Kay and I listened in stony silence. Since the attack would be in daylight, we were given specific targets picked out from an aerial photograph taken by a reconnaissance aircraft some years earlier. We were to carry out a shallow glide bombing attack, releasing the bombs at about 800 feet AGL and pulling out by 200 feet AGL. To avoid being damaged by the exploding bombs at such a low height, the bombs were fitted with 20-second delay fuzes to give adequate time for the aircraft to get clear. The return leg was to be flown at tactical speed at as low a height as possible, consistent with safety.

While waiting to go to our aircraft, I had butterflies in my stomach because I was only 24 years old and did not want to die! Once in the cockpit, all fear vanished, because one became busy running through a host of checks and procedures, which required the utmost concentration. We took off at exactly 0945 hours aiming to be over the target at 1015 hours. The day was sunny and cloudless with unlimited visibility, and after take off, we formed up in low-level tactical formation. Handa was in front with Kay about 1000 yards to his right. Brar and I were behind and to the outside of the leaders at a distance of 200 yards. This way Brar could look to his right and clear the area behind me to spot any approaching fighters and I could do the same for him by looking left. As we crossed the international border, I saw Brar's gun ports winking as he fired a short burst to check that his guns were working. I checked my gun sight and did the same as Handa descended to about 100 feet AGL. I kept looking behind Brar all the time but did not spot any enemy aircraft. Fuel consumption was as planned.

We hit the railway line about 20 miles to the Northeast of the target and Handa turned left to follow the railway line to Sargodha. This was the briefed moment to open full power, accelerate to tactical speed and turn on the armament switches. Two minutes later, Handa's call 'Pulling up' came over the radio and all four of us eased up to 2500 feet and rolled into a shallow dive to the left in a South-easterly direction. As we settled into the dive, I saw the Sargodha runway for the first time and quickly scanned the skies for enemy aircraft. After ensuring that there was no immediate threat to the formation, I tried to identify my target, which was a missile dump to the South of the runway. The four aircraft were now strung out in a line with Handa in front and me at the top of the dive, about 1500 yards behind him. Suddenly, I saw a bright orange flash on the ground at the Northern end of the runway and Handa yelled 'Aircraft at end of the runway.' After dropping his bombs on a bulk petroleum installation to the North of the runway, Handa had spotted four aircraft, three F-86F Sabres and one F-104 Starfighter parked on the Operational Readiness Platform (ORP) at the Northern end of the runway. He had opened fire with his guns blowing up a Sabre with his burst. I shouted 'Sir, you got him' and saw black puffs dot the sky in our dive direction. The anti aircraft guns of Sargodha had opened up. Since I was aiming to drop my bombs on the briefed target at the South of the runway, I was not able to point my guns at that juicy target. I released my bombs at the briefed target and fired my guns at what appeared to be aircraft standing on the Southern ORP but there was no explosion indicating that they were decoys. During my bombing dive, I had lost sight of the other aircraft, and as I pulled out of my dive at barely 100 feet AGL, I saw Handa's aircraft on the horizon about 800 yards ahead with Brar to his left. Brar called 'Bogey (enemy aircraft) left 8'o clock high.' I looked to my left, saw only black puffs and called out that it was flak (anti aircraft shell bursts).

With the bombs gone and the drop tanks empty, I was now at 500 mph, at less than 100 feet AGL when I saw Kay about 500 yards to my left. Handa called 'Confirm all with me' and I replied, 'All with you, sir.' We were now flying in two pairs in broad frontage with Handa and Brar in front and Kay and I about 800 yards behind. I started to look at the fuel gauge with great concern because we had calculated fuel consumption at full throttle for only two minutes during the getaway but because of Brar's call, Handa maintained full power for almost eight minutes. While still deep inside Pakistan, my fuel remaining was considerably less than the planned figure. I reported this to Handa and he eased back on the throttle. We were flying really low and fast at this time because I could see the jet wake from Handa's aircraft cutting a swathe over the standing crop in the fields we were flying over. We must have been no more than 50 feet AGL and we maintained this height till we crossed the border. As per the standard practice, I maintained a height of about 30 feet above the leader's aircraft to be able to concentrate on my look out duties.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

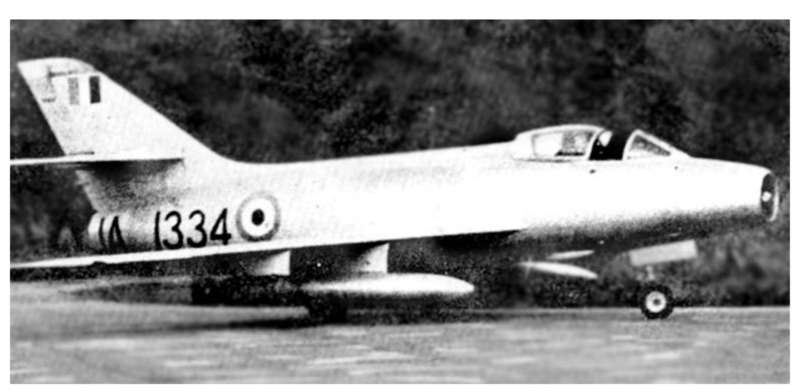

Mystere IVA with 2 x Droptanks and 2 x 1000 lb bombs, the configuration used by Handa's formation for the raid. Incidentally, this aircraft IA1334 was the same aircraft flown by the author during the first DNCO sortie.

THIS IS A PAINTING BY DEB GOHAIN. HE HAS BEEN AN AIR FORCE PILOT AND, AS OTHER PILOTS OF THE FORCE, REMEMBERS THIS OPERATION WITH REVERENCE. HE HAS A COLLECTION OF PAINTINGS OF VARIOUS FORCES' ACTIONS THAT ARE A PART OF OUR HISTORY AND DUE TO HIM, NOW, WE HAVE ANOTHER DIMENSION TO REVERE THEM.

Pen Pictures of The 13 Air Warriors Who Struck Sargodha on 07 September 1965. The 13 pilots of No 1 Squadron, based at Adampur in Punjab, attacked the heavily defended Pakistan Air Force base at Sargodha at dawn on 07 September 1965. They flew in three formations of four aircraft each.

Red Formation
1. Wg Cdr OP Taneja
2. Flt Lt VK Verma
3. Sqn Ldr P R Earle
4. Sqn Ldr A Sridharan

Standby 1
Sqn Ldr AB Devayya

PINK Formation
1. Sqn Ldr DE Satur
2. Fg Offr SS Dange
3. Flt Lt JP Singh
4. Flt Lt AK Brahmawar

Standby 2
Sqn Ldr BS Raje (Did not take off)

White Formation
1. Sqn Ldr S Handa
2. Flt Lt DS Brar
3. Flt Lt DS Kahai
4. Fg Offr P Rajkumar

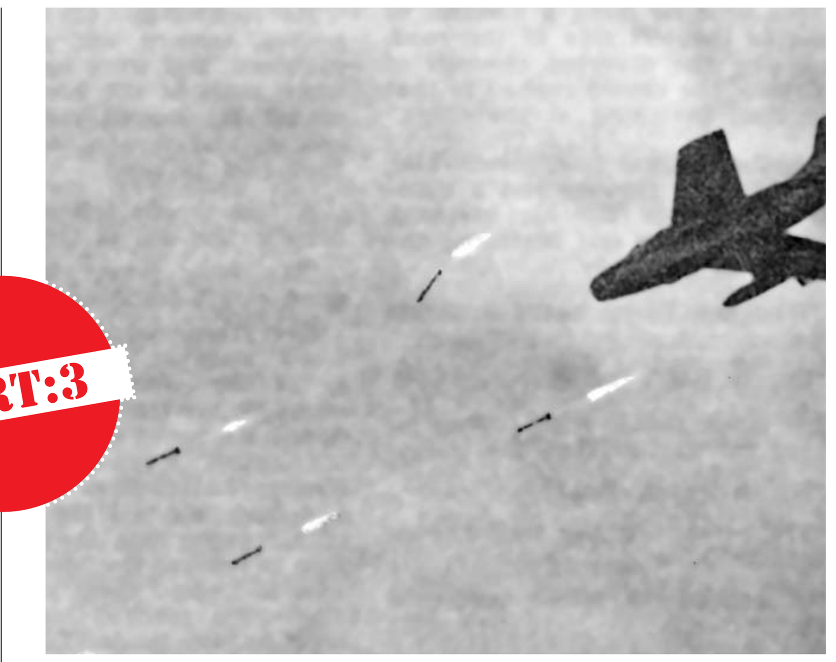

Mysteres were at the forefront of the attacks on Sargodha. Here, a Mystere unleashes a salvo of air-to-ground rockets, one of which seems to have lost its stability after being fired.

RED FORMATION

Squadron Leader Annaswami 'Sri' Sridharan

Sri was born in Mayiladuthurai in Tamil Nadu in 1935 and after schooling, he joined the 5th Course at the Joint Services Wing (later called the Natonal Defence Academy). He was commissioned as a fighter pilot in the IAF with the 63rd Pilots Course in 1954. He was sent to France with the first batch of IAF pilots in 1956 to convert on to the Mystere IVA ground attack aircraft. In 1962, he became a Qualified Flying Instructor and later upgraded his category to A2. He flew a number of ground attack missions in the Lahore and Sialkot sectors after the Sargodha raid. In 1967, he went to the erstwhile Soviet Union to convert on to the Sukhoi-7 BMK ground attack fighter. He was the Commanding Officer of No 221 squadron equipped with the Su-7 during the December 1971 war. Operating from Panagarh in West Bengal, he led his squadron on 15 missions over East Pakistan and one over West Pakistan. In 1972, he commanded the prestigious Tactics and Combat Development Establishment. He commanded Air Force Station Chabua in Assam in 1978-79. He was the Air Attache at the Indian Embassy in Paris in 1986-89 and superannuated from that post at his own request. For his distinguished services, Sri was awarded the Ati Vishisht Seva Medal and Vayu Sena Medal by the Rashtrapati. Sri and his wife, Jayashree, live in Chennai. They have two children, a daughter, Savita, who lives in the USA and a son, Sandeep, who lives in Chennai.

PINK FORMATION

Squadron Leader Denzil 'Denny' Satur

Denny was born in Chennai and enlisted as an airman in the IAF in 1948 and underwent training at a Ground Training School in Jalahalli, Bangalore. He was selected for flying training and was commissioned as a fighter pilot with the 58th Pilots Course in 1952. He flew the Mystere IVA with No 8 squadron at Kalaikunda in the late 1950s. He led his four aircraft for a successful attack over Sargodha on 07 Sep 1965, and flew many more missions during the war. The following year, he took over command of No 18 Squadron equipped with the Gnat and was the CO for four years. He was the Station Commander of the base at Pathankot in 1978-79, and later as an Air Commodore, he commanded Air Force Station Hasimara in West Bengal. Denny held several important staff appointments and superannuated in 1998 in the rank of Air Vice Marshal. For his distinguished services, the Rashtrapati awarded him the Ati Vishisht Seva Medal and Vayu Sena Medal. Denny lives in Noida, UP with his daughter. His wife passed away some years earlier.

Flying Officer Suresh Shankarrao 'Lofty' Dange

Lofty had his education in Pune and was commissioned as a fighter pilot with the 82nd Pilots Course in 1962. His first posting was to a Toofani Squadron in Assam, where he survived an ejection from an out of control aircraft. He underwent gunnery training with United States Air Force and was posted to No 1 Squadron in 1964. After the Sargodha raid, he flew many more ground attack missions in the Lahore and Sialkot sectors and was awarded a Mention-in-Despatch for gallantry. He became a flying instructor and did a tenure as an instructor at the IAF academy. Later, he commanded No 27 Squadron equipped with the Hunter 56A aircraft. Under his command, the squadron had the distinction of being the first fighter squadron to be deployed at Leh in Ladakh. He retired prematurely from the IAF on medical grounds in the rank of Group Captain. Later, he and his wife, Nandini, ran a successful matrimonial alliance bureau in Pune called Harmony Marriage Bureau. It is now managed by his wife. Lofty was a fine fast bowler and was a member of the Services cricket team in 1964-65. He passed away in 2013 after a courageous battle with cancer. He is survived by his wife, a daughter, Rano and a son, Randhir.

THE WALL

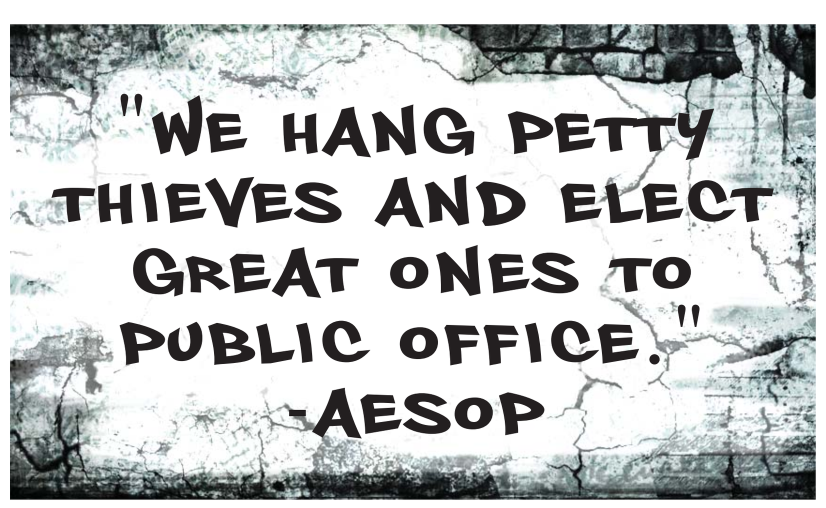

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

एक ही रात में दो गांवों से ट्रांसफार्मर चोरी

ट्रांसफार्मरों को पिकअप गाड़ी में डालकर चोर फरार हुए

चोर ट्रांसफार्मर में पीतल के उपकरण व तेल को निकालकर ले गए तथा खाली खोखे को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।

- ट्रांसफार्मर चोरी होने से ग्रामीणों को अंधेरे में रहना पड़ रहा है

खेतड़ी, (निसं)। पचेरी कलां थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गांवों में लगातार हो रही ट्रांसफार्मर चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चोर एक के बाद एक वारदातों को अंजाम देने से ग्रामीणों को अंधेरे में रहना पड़ रहा है। क्षेत्र में लगातार हो रही ट्रांसफार्मर की चोरी पुलिस की कार्रवाई पर सवालिया निशान लगा रही है।

डिस्कॉम के एईएन कृष्ण कुमार ने बताया कि ढाणी भालोठ गांव में आईटी सेवा केन्द्र के सामने लगे सिंगल फेज का ट्रांसफार्मर चोरी किया जा रहा था इस दौरान जब ग्रामीणों की जाग हुई तो चोर ट्रांसफार्मर को पीकअप में डालकर हरियाणा की ओर भाग गए। इसके अलावा सागवा में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। वहीं निहालोठ व पांथरोली से सिंगल फेज के ट्रांसफार्मर चोरी करने पर ग्रामीणों के जाग होने पर ट्रांसफार्मर छोड़कर फरार हो गए। पिछले कुछ समय से करीब 40 ट्रांसफार्मर चोरी कर निगम को लाखों रूपए का नुकसान किया गया है। चोरों की ओर से उतारे गए ट्रांसफार्मर में पीतल के उपकरण व तेल को निकालकर ले गए तथा खाली खोखे को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। डिस्कॉम के अनुसार चोरों द्वारा दी गई वारदात के दौरान करीब डेढ़ लाख रुपए के ट्रांसफार्मर चोरी किए गए है। आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं को रोकने को लेकर डिस्कॉम कार्यालय की ओर से थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई है, लेकिन लगातार हो रही चोरियों पर लगाम नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में लगातार ट्रांसफार्मर की चोरियां हो रही है, जिसकी संबंधित थानों में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई है, लेकिन पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से कर एक के बाद एक वारदात को अंजाम दे रहे है।

इस संबंध में डीएसपी नोपाराम भाकर ने बताया कि बुहाना क्षेत्र में ट्रांसफार्मर चोर गैंग को पकड़ने के लिए लगातार टीमें प्रयास कर रही है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वन विभाग की सौ बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया

आधा दर्जन जेसीबी मशीनों की सहायता से कब्जे हटाये

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह प्रशासन ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुये आधा दर्जन जेसीबी मशीनों की सहायता से वन विभाग की सौ बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया।

तहसीलदार मनीष मीणा, पटवारी सकराम गुर्जर, एलआर बलवीर सिंह व क्षैत्रिय वन अधिकारी अभिषेक भटनागर की निगरानी में शनिवार को वन विभाग की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। सुबह से शाम तक चली कार्रवाई में जेसीबी मशीनों से कच्चे-पक्के अतिक्रमण हटाकर वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। रामपुरा व बोटून्दा गांव के बीच सड़क किनारे वन विभाग की भूमि पर कई लोग वर्षों से अतिक्रमी के रूप में काबिज होकर फसल जुताई कर रहे थे। भारी पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में हुई कार्रवाई सुबह से शाम तक चली।

संविदाकर्मी भूख हड़ताल पर बैठे

दौसा, (निसं)। श्री संत सुन्दरदार राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय दौसा के मुख्यद्वार पर विकास समिति के माध्यम से पुन: संविदा पर लगाये जाने की मांग को लेकर तकरीबन आधा दर्जन से अधिक संविदाकर्मी धरना व भूख हड़ताल पर बैठे हुए है।

इधर भूख हड़ताल की जानकारी मिलने के साथ ही दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा धरना स्थल पर पहुंचे तथा भूख हड़ताल पर बैठे संविदाकर्मियों से वार्ता की। इस दौरान भूख हड़ताल पर बैठे संविदाकर्मियों ने विधायक को बताया कि हम लोग काफी वर्षों से महिला महाविद्यालय में संविदा पर कार्य कर रहे हैं। हमारी नियुक्ति महिला महाविद्यालय विकास समिति द्वारा की गई थी, मानदेय भी विकास समिति द्वारा दिया जा रहा था। संविदाकर्मियों ने विधायक को बताया कि महाविद्यालय के प्राचार्य मूलचंद मंडावरिया द्वारा प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से भर्ती की जा रही है, जबकि विकास समिति की बैठक में वर्तमान कार्यरत संविदाकर्मियों को ही रखे जाने का निर्णय लिया जा चुका है। इसके बावजूद प्राचार्य हठधर्मिता अपना रहे हैं।

इधर दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि विकास समिति में इन्हीं कार्मिकों को रखने का निर्णय लिया गया है। प्राचार्य हठधर्मिता अपना रहा है, समिति का निर्णय नहीं मान रहे हैं। मैं मामले को सदन में उठाऊंगा।

फार्महाउस में ऑनलाइन बैटिंग वेबसाइट पर सट्टेबाजी कर रहे तीन गिरफ्तार

- लाखों के हिसाब सहित 1.85 लाख रूपये, 2 लैपटॉप, 20 मोबाइल, 16 एटीएम कार्ड, सात चैक बुक, एक पासपोर्ट आदि जब्त

जयपुर, (निसं)। झुंझुनू एजीटीएफ एवं थाना पिलानी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर सीएलआर चौक लुहारू रोड स्थित एक फार्म हाउस पर छापा मारकर ऑनलाइन गेम्स बेटिंग वेबसाइट पर सट्टेबाजी करा रहे तीन आरोपियों हेमन्त सिंह पुत्र किशोर सिंह (24), उसके भाई रोहित सिंह (21) निवासी मोरवा थाना पिलानी व सिकन्द्र सिंह पुत्र क्षेत्रपाल सिंह (18) निवासी रामपुरा थाना हमीरवास जिला चूरू को गिरफ्तार कर मौके से 2 लैपटॉप, 20 मोबाइल, 16 एटीएम कार्ड, 7 चैक बुक, 4 बैंक पास बुक, एक पासपोर्ट, 12 सीम रैपर, एक वाईफाई, लाखों का हिसाब-किताब लिखा एक रजिस्टर तथा नगद 1 लाख 18 हजार 300 रुपये जब्त किए हैं।

उपमहानिरीक्षक पुलिस शरद चौधरी ने बताया कि शनिवार को एजीटीएफ को सूचना मिली थी कि सीएलआर चौक लुहारू रोड के पास उम्मेश शर्मा के फार्महाउस में दो-तीन लड़के रह रहे हैं, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। इस पर एजीटीएफ और थाना पिलानी पुलिस की टीम द्वारा फार्म हाउस पर छापा मारा गया।

फार्म हाउस में तीन युवक हेमंत सिंह, रोहित सिंह व सिकन्दर सिंह मिले। मौके पर टीम को साइबर ठगी से संबंधित एक पूरा सेटअप मिला। जिसके सम्बन्ध में पूछताछ की गई तो सामने आया कि पकड़े गए आरोपी फार्महाउस में गेमिंग वेबसाइट पर सट्टे का ऑनलाइन कारोबार कर रहे थे। ये ऑनलाइन साईट बेटसिंह11.कॉम पेनल साइट पर विभिन्न गेम्स खेलते और खिलवाते हैं। इनके अनुसार इस पेनल की मास्टर आईडी हरिसिंह व थौर के पास है, जो जयपुर के रहने वाले हैं।

बैंक खाता किराए पर और सिम भी फर्जी :-गिरफ्तार आरोपियों ने यह भी बताया कि उनके पास मिले मोबाइल में जो सिम लगी है, वो अन्जान लोगों के नाम से है। आरोपी लोगों के बैंक खाते किराए पर लेकर फर्जी सिम के द्वारा बैंक खातों में काफी संख्या मे ऑनलाइन गेम्स फ्रॉड के रूपये ट्रांसफर कर धोखाधड़ी करते हैं। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है।

इस कार्रवाई में थाना पिलानी से एसएचओ रणजीत सिंह सेवदा, एएसआई कमल सिंह, कांस्टेबल राजेश कुमार, धर्मवीर, संजय व राजेश कुमार एवं एजीटीएफ से हेड कांस्टेबल शशीकान्त, कांस्टेबल पकंज शर्मा, सन्दीप गांधी, अमित व हरीश शामिल थे गट्टा की कुलसी में विशेष भूमिका कांस्टेबल पंकज शर्मा की रही।

युवक को मॉडिफाइड बाइक के साथ गिरफ्तार किया

नवलगढ़, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने कस्बे के ही 21 साल के युवक को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया और काम ली जा रही मोडिफाइड बाइक को जब्त कर लिया है।

- मॉडिफाइड बाइक से स्टंटबाजी कर रहा था युवक

पुलिस ने युवक को शांतिभंग में गिरफ्तार किया।

जानकारी के मुताबिक पुलिस को शिकायत मिल रही थी कि कस्बे का एक युवक काले कपड़े और काले रंग का हेलमेट लगाकर अपनी बिना नंबर की मोडिफाइड बाइक से स्टंटबाजी करने के अलावा राह चलती महिलाओं औ युवतियों के सामने हीरोगिरी दिखा रहा है और रील बनाकर सोशल मीडिया पर डाल रहा है।

ऐसी ही कई रील पुलिस के सामने आई, जिसमें यह युवक मोडिफाइड कर बाइक में लगाए गए तेज आवाज के सिस्टम से राह चलती लड़कियों और महिलाओं को ना केवल डरा रहा था। बल्कि ऐसे स्टंट कर रहा था, जिससे वह लाइमलाइट में आ जाए। बाइक पर इसने रजिस्ट्रेशन नंबर की बजाय आगे अपनी इंस्टाग्राम आईडी और पीछे वीआईपी जैसे स्लोगन लिखवा रखे थे।

पुलिस ने शिकायत पर जब युवक की तलाश की तो सामने आया है कि यह युवक नदीपुरा मोहल्ले निवासी 21 साल का समीर निकला। जिसे पुलिस ने साईस पार्क के पास पकड़ा। जब बाइक के कागज मांगे तो पुलिस से उलझ पड़ा, जिस पर पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया। वहीं समीर को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के सामने इस युवक की कई रील सामने आए हैं, जिसमें यह मुख्य मार्गों से स्कूल, कॉलेज व मार्केट जा रही महिलाओं और युवतियों को फोकस रखते हुए हीरोगिरी दिखाते हुए दिख रहा है। एक रील में तो उसने दो महिलाओं को डराने के लिए उनकी तरफ तेज आवाज में बाइक ले जाते हुए दिख रहा है। जिससे दोनों महिलाएं डर गई। इस वीडियो पर युवक समीर ने सोशल मीडिया पर अपलोड कर रखा और अपनी तरफ से कमेंट भी डाल रखा है कि मैं तो डर गई।

तीन साल से आदेश की पालना नहीं, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक तलब

- हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद तीन साल बाद भी अभ्यर्थी को शिक्षक पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई है

जयपुर। हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद तीन साल बाद भी अभ्यर्थी को शिक्षक पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को 7 अप्रैल को हाजिर होकर पालना रिपोर्ट देने को कहा है। जस्टिस दिनेश मेहता की एकलपीठ ने यह आदेश तबस्सुम पठान की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि तृतीय श्रेणी अध्यापक लेवल 2 भर्ती, 2018 में याचिकाकर्ता ने आवेदन किया था। भर्ती में उसे नियुक्ति नहीं देने पर याचिकाकर्ता ने साल 2019 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए 23 मई, 2022 को राज्य सरकार को आदेश दिए थे कि वह अन्य अभ्यर्थियों के समान याचिकाकर्ता को भी नियुक्ति दे। अदालती आदेश के बाद याचिकाकर्ता ने विभाग में कई बार अभ्यावेदन देकर अदालती आदेश की पालना करने की गुहार की, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर याचिकाकर्ता ने अदालत में अवमानना याचिका दायर कर दोषी अफसरों को दंडित करने और उसे नियुक्ति दिलाने की गुहार की। याचिका पर सुनवाई करते हुए 22 नवंबर, 2023 को विभाग को आदेश की पालना का अंतिम अवसर दिया। दूसरी ओर एकलपीठ के आदेश के खिलाफ खंडपीठ में दायर राज्य सरकार की अपील भी 22 नवंबर, 2024 को खारिज हो गई। इसके बावजूद भी विभाग ने अदालती आदेश की पालना में अनदेखी की।

अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी लेवल द्वितीय शिक्षक भर्ती-2022 के संशोधित परिणाम में अधिक अंक हासिल करने के बाद भी नियुक्ति नहीं देने से जुड़े मामले में अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा सचिव, निदेशक प्रारंभिक शिक्षा और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने भर्ती में कम अंक वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर भी अंतिम रोक लगा दी है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश कौशल्या जाट व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के पहले परिणाम में याचिकाकर्ता का चयन नहीं हुआ था।

चेक अनादरण का आरोपी गिरफ्तार

भीनमाल, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने चेक अनादरण मामले में दाऊद खान को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक अन्नराज सिंह राजपुरोहित के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में श्रीगंगानगर जिले के पुलिस थाना घड़साना के पुलिस दल के साथ कथित पत्रकार दाऊद खान को चेक अनादरण के आरोप में कस्बा भीनमाल से दस्तयाब कर बाद पूछताछ के गिरफ्तार किया गया। घड़साना मजिस्ट्रेट के द्वारा जारी दो गिरफ्तारी वारंट फर्म मेहरादीन ईंट बनाम केजीएन ईंट सप्लायर्स प्रकरण संख्या 61/2020 धारा 138 एनआई एक्ट में लगभग 10 लाख रुपए के चेक अनादरण मामले में पुलिस ने आरोपी को किया दस्तयाब कर बाद गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी दाऊद खान पुत्र उमराव खान निवासी अशोक नगर जसवंतपुरा रोड भीनमाल को दस्तयाब कर मामले में अग्रिम जांच के लिए घडसाना गंगानगर पुलिस टीम को सुपुर्द किया गया।

जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- टोडी गांव में जमीन पर दबंगों द्वारा कथित कब्जे का मामला
- अनशन पर बैठे रोशन मेघवाल की तबियत बिगड़ी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के गुढ़ागौड़जी थाना इलाके के टोडी गांव में जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर पिछले चार दिनों से अनशन पर बैठे रोशन लाल मेघवाल की तबियत बिगड़ गई। चिकित्सकों की जांच के बाद उन्हें बीडीके अस्पताल में भर्ती करवाया है।

जानकारी के अनुसार रोशनलाल मेघवाल और राजेश देवी सैनी 19 मार्च से कलेक्ट्रेट पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि दबंगों ने जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया और प्रशासन उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। रोशनलाल मेघवाल अपनी जमीन पर गैराज चला रहे थे। लेकिन पांच मार्च को कुछ दबंग लोग कैंपर गाड़ियों में आए और उनके गैराज को ढहा दिया। वहीं राजेश देवी का आरोप है कि 25 साल पहले खरीदी गई उनकी जमीन पर बने मकानों को भी भूमाफियाओं ने जेसीबी और लोडर से तोड़ दिया। जिससे उनका परिवार बेघर हो गया। उन्होंने प्रशासन से कई बार न्याय की गुहार लगाई। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अनशन पर बैठी राजेश देवी की मांग है कि उन्हें न्याय मिले और पांच मार्च को दबंगों द्वारा की गई घटना के आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए।

रोडवेज बस परिचालक ने यात्रियों से अभद्रता की

पाटन, (निसं)। रोडवेज बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों के साथ अब रोडवेज के चालक और परिचालक अत्यधिक अभद्र व्यवहार करने लगे हैं, जिसके बारे में पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन डिपो मैनेजर की ओर से इन पर कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण, चालक-परिचालकों का मनोबल दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हालांकि सभी चालक और परिचालक एक जैसे नहीं होते, लेकिन एक खराब अनुभव अन्य अच्छी सेवाओं को भी खराब कर देता है। कुछ ऐसे चालक-परिचालक अपनी अशिष्टता के कारण, रोडवेज सेवा की छवि को धूमिल कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पाटन निवासी कैलाश पुरोहित अपनी पत्नी और साली के साथ सीकर डिपो की दिल्ली सीकर रोडवेज बस से नीमकाथाना से बैठकर पाटन आ रहे थे। बस जब पाटन स्टैंड की तरफ ना आकर बाइपास की ओर बढ़ने लगी, तो परिचालक ने पाटन की सवारियों को बाइपास पर उतरने के लिए कहा। जब कैलाश ने स्टैंड पर उतरने का अनुरोध किया तो परिचालक ने उन्हें और उनके परिवार को धक्का देकर बाइपास पर उतार दिया। परिचालक की इस अभद्रता से न केवल कैलाश और उनके परिवार को मानसिक आघात पहुंचा, बल्कि बस में बैठी अन्य सवारियों ने भी इस घटनाक्रम पर कोई आपत्ति नहीं जताई। इसके बावजूद, पाटन कस्बे में एक्सप्रेस बसों के लिए एक निर्धारित स्टैंड है, लेकिन बसें अक्सर बिना रुके बाइपास से गुजर जाती हैं। स्थानीय निवासियों ने पाटन स्टैंड पर एक्सप्रेस बसों का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की है। इस मामले को लेकर पाटन के लोग स्थानीय प्रशासन और नीमकाथाना विधायक से इस मुद्दे को विधानसभा सत्र में उठाने और स्थाई समाधान की मांग कर रहे हैं।

स्थानीय प्रशासन से अपील :- सीकर डिपो के मैनेजर से इस मुद्दे को लेकर संपर्क करना चाहा परन्तु उन्होंने अपना मोबाइल फोन उठाना उचित नहीं समझा। कैलाश पुरोहित और उनकी पत्नी, जो इस घटना से गहरे मानसिक सदमे में हैं, चाहते हैं कि इस घटना पर उचित कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पाटन के नागरिकों की यह अपील है कि रोडवेज प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों द्वारा इस गंभीर मुद्दे का समाधान जल्द से जल्द किया जाए।

युवक ने सुसाइड किया

सीकर। सीकर जिले के धोद थाना इलाके में 22 साल के युवक ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक का शव घर से दूर खेत में खेजड़ी के पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना धोद के नागवा गांव की है। जानकारी अनुसार धोद के नागवा गांव के रहने वाले 22 साल के युवक परमेश्वर ने बीती रात फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक का शव घर से दूर खेत में खेजड़ी के पेड़ से झूलता हुआ मिला। सुबह जब आस-पास के लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। शव को पोस्टमार्टम के लिए लोसल के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। युवक के सुसाइड करने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। वहीं बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से परेशान था।

अवैध खनन व परिवहन करते तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक डम्पर जब्त

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण, निर्गमन रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत लोकल एवं माईनर एक्ट की कार्रवाई के तहत बनेठा थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा अवैध चेजा पत्थर परिवहन करते हुये एक ट्रैक्टर मय ट्रॉली को अवैध चेजा पत्थर भरी हुई को जब्त किया गया। वहीं आरोपी ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, जिसके खिलाफ बीएनएस व एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज किया।

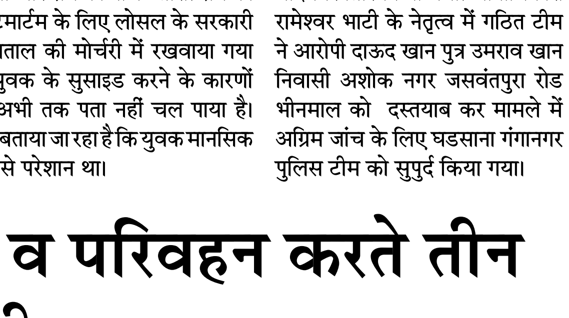

अवैध चेजा पत्थर परिवहन के आरोप में चालक को गिरफ्तार किया।

इसी प्रकार निवाई थानाधिकारी रामजीलाल द्वारा गठित टीम ने गश्त के दौरान एवं मुखबिर की सूचना पर वनस्थली की तरफ से आ रहे एक अवैध बजरी से भरा हुआ ट्रैक्टर-ट्रॉली को परिवहन करते हुए जब्त किया तथा वाहन चालक श्योराज गुर्जर पुत्र रामनिवास निवासी सांवलिया की ढाणी, ढाणी जुगलपुरा थाना निवाई को गिरफ्तार किया गया।

इसी क्रम में थाना झिराना क्षेत्र में थाना पुलिस ने केदारनाथ मंदिर झिराना के पास नानेर-झिराना रोड पर नानेर की तरफ से अवैध चेजा पत्थर का परिवहन करते एक ट्रैक्टर मय ट्रॉली व डिग्गी-सोहेला रोड झल्या खाल हमजापुरा के पास ग्राम बोरखण्डी से अवैध रूप से चेजा पत्थर का परिवहन करते एक डम्पर को जब्त किया गया। उक्त वाहन के चालक व मालिक के विरूद्ध बीएनएस एवं एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

वहीं निवाई बरोनी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान अवैध बजरी से भरे हुए एक डम्पर को जब्त किया है। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह ने बताया कि थाना के सामने लगाई गई नाकाबंदी के दौरान एक डम्पर को जब्त किया है। डम्पर में अवैध बजरी भरी हुई थी। उन्होंने बताया कि डम्पर चालक के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

नीमकाथाना को फिर से जिला बनाने की मांग, 40वें दिन भी धरना जारी

- 'यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक नीमकाथाना को पुनः जिला घोषित नहीं किया जाता'
- ग्राम पंचायत चला में हुए धरने में स्थानीय नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला हटाए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों का संघर्ष व धरना 40वें दिन भी जारी रहा। शनिवार को ग्राम पंचायत चला में हुआ धरना प्रदर्शन जोर पकड़ता नजर आया, जिसमें प्रमुख रूप से श्यामलाल वर्मा, बीरबल काजला, राजेन्द्र गजराज, मोहन मील, विजयसिंह गजराज, बाबूलाल कुमावत, कालूराम सैनी, बद्रीराम कुड़ी और अन्य सैकड़ों लोग धरने पर बैठे। उन्होंने टायर जलाकर और नारेबाजी करके सरकार के खिलाफ विरोध प्रकट किया।

लोगों ने टायर जलाकर और नारेबाजी करके सरकार के खिलाफ विरोध प्रकट किया।

विधायक सुरेश मोदी भी इस धरने में शामिल हुए और धरने पर बैठे लोगों को माला पहनाकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि नीमकाथाना जिले का विभाजन और उसे हटाना स्थानीय जनता के साथ अन्याय है और इस निर्णय के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। विधायक मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक नीमकाथाना को पुनः जिला घोषित नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ, तो विधानसभा का घेराव भी किया जाएगा। विधायक ने उदाहरण देते हुए कहा कि नीमकाथाना को जिला बनाने से यहां के प्रशासनिक कार्यों की गति तेज हुई थी और जनता को सरकारी सेवाएं आसान तरीके से मिल रही थी। उन्होंने कहा कि यह बदलाव नीमकाथाना क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था और अब इसे हटाने से स्थानीय नागरिकों की खुशहाली पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। ग्राम पंचायत चला में हुए धरने में स्थानीय नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

श्यामलाल वर्मा, बीरबल काजला जैसे प्रमुख नेता इस आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं और उनका मानना है कि यह जन आंदोलन बन चुका है, जो आगे भी जारी रहेगा। आंदोलन के समर्थन में अधिक से अधिक लोग और सामाजिक संगठन जुड़ रहे हैं, जिससे इस संघर्ष को और मजबूती मिल रही है। स्थानीय जनता के बीच एकजुटता और जोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

संक्षिप्त

'कांग्रेस के दोगले लोगों को हटाया जायेगा'

दौसा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुजरात में दिए बयान का दौसा विधायक डीसी बैरवा ने समर्थन किया है. राहुल गांधी की बात को दोहराते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस में दोगले लोग हैं, उनकी छंटनी की जानी चाहिए और बाहर का रास्ता दिखाया जाएं. बहुत से ऐसे आदमी है, जो कांठोस की चापलूसी भी करते हैं और कांठोस से बगावत भी करते हैं। वो यही नहीं रूके, उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के नाम भी भिजवाएं जाएंगे। विधायक के बयान के बाद स्थानीय संगठन में हलचल मच गई है. कयास इसी बात को लेकर लगाए जा रहे हैं कि उनका इशारा दौसा के किन लोगों की ओर है. सही फैसले लिए जाए तो बड़े मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे: इसके अलावा विधायक डीसी बैरवा ने पेपर लीक मामले पर भी बात की. उन्होंने इस प्रकरण में भजनलाल शर्मा की सरकार के फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार सही फैसले करे तो बड़े मगरमच्छ पकड़े जा सकते हैं. पेपर लीक माफिया हर्षवर्धन मीणा की बर्खास्तगी पर बोलते हुए उन्होंने यह बात कही भजनलाल सरकार जो कर रही है, वो ठीक है- विधायक:- उन्होंने ने पेपर लीक माफिया हर्षवर्धन मीणा के मामले में बोलते हुए कहा, ''मैं मानता हूं कि गहलोत सरकार में पेपर लीक हुए और यह ठीक नहीं है. बेरोजगारी इतनी बढ़ गई है और फिर ऐसे पेपर लीक के चलते युवाओं का भविष्य खराब होता है. जो सरकार निर्णय कर रही है, वो ठीक कर रही है और बड़े मगरमच्छों पकड़ना चाहिए।

भीतरघात करने का आरोप लगाया

दूदू। 22 मार्च नगर परिषद दूदू उपसभापति अमित जोशी द्वारा उपसभापति पद से नगर परिषद सभापति एवं आयुक्त की कार्य शैली से असंतुष्ट होकर दिए गए इस्तीफे के बाद राजनीतिक सियासत गर्माने लगी है। नगर परिषद सभापति पति एवं उप प्रधान कैलाश जाट पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दातार सिंह द्वारा 4 वर्ष पूर्व प्रधान के चुनाव में क्रॉस वोटिंग का आरोप लगाकर भीतरघात करने का आरोप लगाया है तथा पार्टी के शीर्ष नेताओं को अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। सिंह ने आरोप लगाया कि वर्ष 2021 में भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी सरिता कंवर को पराजय का सामना करना पड़ा था। पार्टी लाइन से हटकर चौधरी पर विरोधी पक्ष को समर्थन देने के कारण प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा इस संबंध में कैलाश जाट का कहना है कि मेरे खिलाफ कुछ लोगों द्वारा षड्यंत्र रचा जा रहा है सभी आप निराधार हैं।

शिविर का आयोजन

दूदू। मार्च पंचायत समिति सभागार में शनिवार को भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली के तत्वाधान में एस आई एम सिक्योरिटी की ओर से शिक्षित बेरोजगार युवा रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान पर्यवेक्षक एवं सुरक्षा अधिकारी पद के लिए चयन के लिए शिविर का आयोजन किया गया भर्ती अधिकारी ईश्वर सिंह राठौड़ ने बताया कि बेरोजगार युवाओं का पंजीकरण कर चयनित युवाओं को एक माह का प्रशिक्षण दिया जाकर भारत सरकार एवं राज्य सरकार के औद्योगिक क्षेत्र कंपनियां निजी में नियुक्तियां प्रदान की जाएगी फोटो शिविर में पंजीकरण करते हुए।

गौशाला का जायजा लिया

दूदू। मार्च कस्बे से भोजपुर रोड पर संचालित मनसा पूर्ण बालाजी गौशाला का गोपालन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल कौशिक ने निरीक्षण कर गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया कौशिक ने विजिट रजिस्टर लाइव स्टॉक एवं चिकित्सा प्रबंधन की पूर्ण जानकारी ली तथा सरकार द्वारा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया इस दौरान गौशाला की टीम के अवधेश शर्मा सहित सभी सदस्यों द्वारा कौशिक को आधुनिक ऑपरेशन थिएटर चिकित्सा सुविधा गोबर से बने दीपक मूर्तियां निर्माण एवं बायोगैस प्लांट संबंधी योजना की विस्तार से जानकारी दी गई तथा अवलोकन कराया गया कौशिक ने गौशाला प्रबंधन के कार्यों की सराहना की।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आपसी सौहार्द व भाईचारा बना रहेगा तो विकास भी तेजी से होगा : पटेल

कोटपूतली। मुस्लिम समाज कोटपूतली की ओर से शनिवार को रमजान के अवसर पर रोजा इफ्तार की दावत कस्बे के दिल्ली दरवाजा स्थित बहादुर शाह गाजी मस्जिद में विधायक हंसराज पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। इस मौके पर नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम भाईयों ने रोजा खोला।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि पटेल ने कहा कि जिस क्षेत्र में विभिन्न समाजों, धर्मो, वर्गो व सम्प्रदाय के लोगों के बीच आपसी सौहार्द, एकजुटता व भाईचारा बना रहता है, वहाँ शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहती है। साथ ही उस क्षेत्र का आर्थिक विकास व प्रगति तेजी के साथ होती है। कोटपूतली में हिन्दू व मुस्लिम समाज के बीच हमेशा से ही एकजुटता व भाईचारा बना हुआ है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल ने इसी प्रकार मिल जुलकर पर्व आयोजित करते रहने का संदेश दिया। अध्यक्षता एसडीएम बृजेश चौधरी ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक, एसएचओ राजेश शर्मा, पार्षद मनोज गौड़ व पार्षद प्रतिनिधि अनिल शरण बंसल आदि ने भाग लिया। मुस्लिम समाज की ओर से सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर मस्जिद के ईमाम अशफाक आलम, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अब्दुल सत्तार खान, कांग्रेस आईटी सैल के शाहरूख टांक, इरफान कुरैशी, हनीफ कुरैशी, जावेद कुरैशी, इशाक खान, सद्दाम कुरैशी, नईम खान, शोकत खान, नाजिम खान, सद्दीक मौहम्मद, इलियास खान व शहजाद कुरैशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर कुरैशियान विकास समिति की ओर से विधायक पटेल को बहादुर शाह गाजी मस्जिद व कब्रिस्तान परिसर में रोशनी हेतु हाई मास्क लाईट लगवाने, पेयजल हेतु बोरिंग करवाने, दरगाह की चार दीवारी ऊंची करवाने व शाह कमाल दरगाह परिसर में भी हाई मास्क लाईट लगवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसका विधायक पटेल ने उचित समाधान किये जाने का आश्वासन भी दिया।

■ मुस्लिम समाज कोटपूतली की ओर से रोजा इफ्तार की दावत का आयोजन

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हंसराज पटेल।

'कृषि में आधुनिक तकनीकी का करें प्रयोग'

निवाई। वनस्थली विद्यापीठ के कृषि विज्ञान केन्द्र में जनजातीय उपयोजना के अन्तर्गत विद्यापीठ की कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री की अध्यक्षता में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री ने कहा कि वर्तमान में महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है। वह इसी प्रकार कृषि के क्षेत्र में नई तकनीकी को अपनाकर अपने योगदान को बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि वनस्थली विद्यापीठ ने केवीके के माध्यम से किसानों को सदैव आगे बढ़ाने का कार्य किया है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग करता रहेगा।

कार्यक्रम में जनजातीय किसानों को विभिन्न प्रदर्षन सामठी-बीज भण्डारण टैंक, हरे चारे के बीज कीट तथा बकरी पालन के लिए पशु प्रदान करते हुए किसानों की आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेंटर ऑफ आर्टिफिशयल इन्टीलीजेन्स वनस्थली के निदेशक डॉ. अंशुमान शास्त्री ने कहा कि किसानों के लिए कृषि में ड्रोन तकनीकी के प्रयोग-पोषक तत्वों के छिडक़ाव, कीटनाषकों के छिडक़ाव एवं ठाामीण किशोरियों व महिलाओं के लिए भविष्य में ड्रोन के प्रशिक्षण की शुरूआत वनस्थली विद्यापीठ पर की जाएगी।

कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त

दौसा। पशुपालन विभाग के निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध की जा रही दमनात्मक कार्यवाहियों से प्रदेश के लाखों कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त हो रहा है।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि विगत कुछ माह से पशुपालन विभाग के कर्मचारियों पर लगातार दमनात्मक कार्रवाई करते हुए 30 से ज्यादा कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। पशुपालन कर्मचारी संघ के द्वारा सक्षम स्तर पर विरोध दर्ज करवाने के बावजूद आज दिनांक तक निलंबित कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया। पशुपालन विभाग के शासन सचिव द्वारा मनमाने तरीके से निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध की जा रही दमनात्मक कार्यवाही के विरोध में महासंघ के प्रांतीय कार्यालय मंदिर श्री गोवर्धन नाथ जी चौड़ा रास्ता जयपुर में आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करवाने एवं निर्दोष कर्मचारियों को बहाल करवाने के लिए पशुपालन कर्मचारी संघ के समर्थन में चरणबद्ध आंदोलनात्मक गतिविधियां प्रारंभ करने का निर्णय किया गया। आंदोलन के प्रथम चरण में 24 मार्च को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ज़िला शाखा दौसा द्वारा जिला कलेक्टर दौसा को ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। द्वितीय चरण में 25 मार्च से महासंघ से संबद्ध समस्त कर्मचारी प्रतिदिन विरोधस्वरूप काली पट्टी बांधकर ड्यूटी पर जाएंगे। इसके बाद भी यदि 30 से ज्यादा निलंबित निर्दोष कर्मचारियों को बहाल करते हुए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो 26 मार्च से फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में समस्त ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। महासंघ के जिला मंत्री मुकेश चन्द मीना ऐचेडी ने बताया कि प्रदेश के कर्मचारियों के इतिहास में पहली बार किसी विभाग में इतनी बडी संख्या में बिना किसी कारण निर्दोष कर्मचारियों के विरुद्ध इस प्रकार निलंबन जैसी दमनात्मक कार्यवाहियां की गई है। प्रदेश के लाखों कर्मचारी खुद के मोबाइल एवं खुद के पैसे से नेट रिचार्ज करते हुए शासन एवं सरकार का पूरी तल्लीनता से कार्य कर रहे हैं। यहां तक की विगत एक वर्ष में अधिकांश कर्मचारी /अधिकारी राजकीय अवकाश को भी कार्य कर रहे हैं।

विवादको के स्थिरीकरण के लिए समन
न्यायालय सिविल न्यायाधीश साहब, झुन्झुनू (राजस्थान)
जयनारायण बनाम सुशीला वगैरह
मु. नं. 72/22
दावा बाबत विशिष्ट निष्पादन अनुबंध एवं स्थाई निषेधाज्ञा
सूचना
उपरोक्त आवेदक/वादी जयनारायण ने इस न्यायालय में दावा सं. 72/2022 उनवानी जयनारायण बनाम सुशीला वगैरह न्यायालय सिविल न्यायाधीश साहब, झुन्झुनू के यहां प्रस्तुत किया है जिसमें आप प्रतिवादी नं. 1 श्रीमती सुशीला पत्नी मोहनराम उर्फ महेश पुत्री तोलाराम उम्र 43 वर्ष, जाति ब्राह्मण, निवासी ग्राम नृसिंहपुरा हाल निवासी ग्राम पन्द्राहेडा, तहसील टोडा रायसिंह, जिला टोंक (राज0) पिन-304502 को सूचित किया जाता है कि उक्त दावा में दिनांक 24.04.2025 को किसी को किसी प्रकार की आपत्ति या एतराज हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 24.04.2025 को उपस्थित आवें।
आपको सूचित किया जाता है कि आप ऊपर लिखित दिनांक को न्यायालय में उपसंजात नही होने पर सुनवाई व निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
आज दिनांक 17.3.25 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर कार्यालय से जारी किया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट झुंझुनूं (राज.)

अधीनस्थ पंचायतों पर 2 करोड़ 48 लाख का बिजली बिल बकाया

पावटा। क्षेत्र में पंचायतों में संचालित जनता जल योजना का लाखों रुपए के बिजली बिल बकाया है। निगम पंचायतों को मार्च माह में बिल जमा नहीं होने पर पत्र व्यवहार व मौखिक रूप से अवगत करवा चुका है। ग्राम पंचायत व पीएचईडी विभाग राशि को जमा करने में अक्षमता जता रहे है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र में गर्मी में पेयजल बड़ी समस्या बन सकता है।

उपखंड में सरपंच ग्राम पंचायत का कुल 1 करोड़ 17 लाख 57 हजार 781 रुपए बकाया है। क्षेत्र की बसई ग्राम पंचायत पर करीब 21 हजार 693 रुपए, भैंसलाना में 45 हजार 509 रुपए, भालोजी में 1 लाख 54 हजार 127 रुपए, भोनावास पंचायत में 5 लाख 35 हजार 660 रुपए, फतेहपुरा 5 लाख 56 हजार 194 रुपए , गोवर्धनपुरा 1 लाख 56 हजार 479 रुपए, कंवरपुरा 26 हजार 64 रुपए, कुजोता 1 लाख 66 हजार 382 रुपए, मोहनपुरा 10 हजार 419 रुपए, पंडितपुरा 1 लाख 76 हजार 978 रुपए, पाथरेडी 4 लाख 34 हजार 668 रुपए, बड़नगर 5 लाख 14 हजार 936 रुपए, भांकरी 1 लाख 52 हजार 343 रुपए, भूरी भड़ाज 10 लाख 84 हजार 263 रुपए, बुचारा 3 लाख 34 हजार 521 रुपए, चौबाला 1 लाख 70 हजार 504 रुपए, कैरोड़ी 9 लाख4 76 हजार 577 रुपए, कारोली 6 लाख 53 हजार 633 रुपए, खेलना 51 हजार 379 रुपए, लाडाकाबास 1 लाख 87 हजार 722 रुपए, मंढा 7 लाख 39 हजार 731 रुपए, पांचूडाला 3 लाख 69 हजार 473 रुपए, तेजाजी नगर 5 लाख 93 हजार 280 रुपए की राशि बकाया चल रही है। सहायक अभियंता जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पावटा एईएन जाखड ने बताया कि इस संबंध में विकास अधिकारी पावटा, कोटपूतली, सरपंच ग्राम पंचायत से बार-बार पत्र व्यवहार में मौखिक रूप से संपर्क किया गया लेकिन अभी तक बकाया जमा नहीं कराया गया। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत व नगरपालिका क्षेत्र में कुल 138 विद्युत कनेक्शन जारी किए गए थे। जिनकी कुल बकाया राशि 1 करोड़ 30 लाख 53 हजार 436 रुपए बकाया है। जल जीवन मिशन के विद्युत बकाया राशि के संबंध में पंचायत समिति कार्यालय व पीएचईडी विभाग द्वारा जमा कराने के लिए कहा गया लेकिन दोनों के द्वारा ही बकाया राशि को जमा नहीं करवाया जा रहा है।

298 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा

दौसा। जिले के 298 परीक्षा केंद्रों पर आज बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता एसेसमेंट टैस्ट का आयोजन किया जाएगा। जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी राजीव शर्मा ने बताया की परीक्षा हेतु जिला कलेक्टर ने जिला ब्लॉक और पंचायत स्तर पर नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है जो की परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए जिम्मेदार होंगे।

परीक्षा हेतु जिले को 29 हजार नवसाक्षरों की परीक्षा करवाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसे प्राप्त करने हेतु समस्त ब्लॉक्स में कुल 298 परीक्षा केंद्र निर्धारित किये हैं ,जिन पर केंद्राधीक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है ।सभी केंद्र प्रात: 9 बजे से सायंकाल 6 बजे तक खुले रहेंगे । नव साक्षर प्रात: 10 बजे से सायंकाल 5 बजे तक अपनी सुविधानुसार समय पर उपस्थित होकर परीक्षा दे सकेंगे। परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाएँगे। परीक्षा का निरीक्षण ब्लॉक जिले और राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

निष्क्रिय पदाधिकारियों की होगी छुट्टी

दौसा। अब कांग्रेस से दोगले, चापलूस व निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी होगी। ऐसे पदाधिकारियों की पहचान कर उन्हें कार्यमुक्त कर पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। कांग्रेस के महासचिव एवं सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में गुजरात में हुई कार्यसमिति की बैठक में 2025 को संगठन वर्ष मनाने एवं कांग्रेस से दोगले, चापलूस व निष्क्रिय पदाधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की पालना में शनिवार को चौधरी धर्मशाला में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें संगठन को सक्रिय करने, निष्क्रिय पदाधिकारियों की पहचान कर उन्हें पदमुक्त करने, सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन की जिम्मेदारी देने सहित अनेक निर्णय लिए गए।

बैठक में प्रभारी हरिओम महर ने कहा कि संगठन में जो सक्रिय कार्यकर्ता है उन्हें आगे लाना होगा। तथा ऐसे पदाधिकारी जो संगठन में पद लेकर बैठे है, लेकिन निष्क्रिय है, उन्हें तत्काल पद मुक्त कर सक्रिय कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी जाएगी। जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड ने कहा कि चुनाव आयोग ने बीएलओ नियुक्त कर रखे है, पार्टी ने भी निचले स्तर पर बीएलओ नियुक्त कर रखे वे चुनाव आयोग से नियुक्त बीएलओ से तालमेल बैठाकर वास्तविक मतदाताओं का नाम जोड़ने में सहयोग करे, फर्जी मतदाताओं के नाम कटवाए। उन्होंने कहा कि संगठन में महिला कार्यकर्ताओ को भी प्राथमिकता दी जाएगी। विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होता है, उन्हें संगठन में महत्व दिया जाना चाहिए। बैठक में जिले भर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

■ विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होता है, उन्हें संगठन में महत्व दिया जाना चाहिए, बैठक में जिले भर के पदाधिकारी उपस्थित थे

सेवा से बर्खास्त

दौसा। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने पेपरलीक प्रकरण के आरोपी पटवारी हर्षवर्धन मीणा को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। एसओजी की एसआइटी टीम ने हर्षवर्धन मीणा को नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था, अभी वो जेल में है। हर्षवर्धन मीणा के खिलाफ 6 मामले दर्ज है। पेपरलीक प्रकरण के आरोपी हर्षवर्धन मीणा ने दौसा में आलीशान मकान बनवा रखा है, इस आलीशान मकान में किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं थी। हर्षवर्धन ने मकान के पास ही आश्रम खोल रखा था, जहां हरि का दरबार लगाया जाता था।

खोया पाया
स्टार्क फोर्स प्रा.लि. के Kotak Mahindra Bank के ID Card No.RA17304, RA17305, RA17306 रस्ते में कहीं गिर गए है। मिलने पर सूचित करें। B-47, अर्जुनपूरी-IInd, इमलीवाला फाटक, जयपुर- 9829330653

रजि.सं. 2077/L **:आम सूचना:** क्र.SP1 दि.20.3.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि समिति की योजना विनायक नगर स्थित केशव विद्यापीठ के पास जामडोली, जयपुर में भू.सं.-87, एरिया 281 वर्गगज का आवंटन श्री बाबा बालकदास पुत्र श्री दामोदरदास निवासी दुख भजन डूंगरी, लालगढ, तह.बस्सी, जयपुर को संशोधित मानचित्रानुसार दि. 10.04.2006 को किया गया है, जिसकी जमा राशि रसीद सं.7825 दि. 15.06.1997 की है। उक्त भूखण्ड श्री बाबा बालकदास ने जरिये इकरारनामा दि.23.10.13 को श्री श्योपाल मीणा पुत्र श्री मन्नालाल मीणा, निवासी-3, अरिहन्त नगर, जामडोली, आगरा रोड, जयपुर हाल निवासी-87, विनायक नगर, जामडोली, जयपुर को विक्रय कर दिया गया था जिसकी संपूर्ण विक्रय प्रतिफल राशि विभिन्न किश्तों में प्राप्त कर असल दस्तावेज व भूखण्ड का वास्तविक कब्जा विक्रेता द्वारा क्रेता को संभला दिया गया था। जिस पर क्रेता श्योपाल मीणा उक्त भूखण्ड पर मकान बनाकर परिवार सहित निवास कर रहा है। विक्रेता बाबा बालकदास की मृत्यु दि.25.03.2014 को हो जाने के कारण प्लॉट के डुप्लीकेट दस्तावेज प्राप्त करने एवं स्वयं के नाम हस्तानान्तरण करवाने का एक मात्र अधिकारी है। क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड के असल दस्तावेज खो जाने के संदर्भ में दि.3.12.24 को पुलिस थाना कानोता जयपुर पूर्व में एक गुमशुदगी रिपोर्ट सं.278770242401321 दर्ज करवाई है। क्रेता ने उक्त भूखण्ड के संदर्भ में असल दस्तावेजों को किसी व्यक्ति व संस्था को गिरवी नहीं रखने बाबत एवं उक्त असल दस्तावेज आज दिनांक तक नहीं मिलने बाबत व दस्तावेज मिलने पर दस्तावेजों का कोई दुरूपयोग नहीं किये जाने बाबत शपथ पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत कर डुप्लीकेट कागजात जारी करने व हस्तान्तरण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है।किसी भी व्यक्ति/संस्था/बैंक/वैला/उत्तराधिकारी इत्यादि को भू.सं.-87, एरिया 281 वर्गगज के डुप्लीकेट कागजात मय पट्टा, रसीद, साईड प्लान समिति द्वारा जारी करने व श्योपाल मीणा के नाम हस्तान्तरण करने में आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 10 दिवस में समिति कार्यालय को लिखित में आपत्ति पेश करें अन्यथा 10 दिवस बाद डुप्लीकेट कागजात जारी कर समिति द्वारा क्रेता के नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा।मियाद बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी और समिति किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगी। सूचित रहे। **मंत्री, श्यामपुरी गृह निर्माण सहकारी, समिति लिमिटेड जयपुर मो. 9829044540**

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारुप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता की पहली अनुसूची संख्या 4)
नाम अदालत पारिवारिक न्यायाधीश क्रम-3 स्थान कोटा
इंतजार हुसैन विरुद्ध सलमा बानो
वाद / प्रार्थना-पत्र :
वाद दाम्पत्य के अधिकारों की पुर्नस्थापना
प्रार्थना संख्या : Case No. 892/2024
नाम सलमा बानो पुत्री श्री मोहम्मद हुसैन जाति मुसलमान, पता- जुलाहों की मस्जिद, ट्रक स्टेण्ड के पास, मालपुरा टोंक-304502 मो.नं. 9001928789
उक्त वादी (इंतजार हुसैन) ने इस अदालत में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न नहीं है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आपके आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए **ता. 04.04.2025** को **10 बजे पूर्वान्ह** में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्पर्क रुप से अनुदेश दिया गया हो उपसंज्ञात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रुप में किया जायेगा। यह आज **ता. 18 मास 02 सन् 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मुद्रा
आज्ञानुसार
वरिष्ठ मुंसरिम
न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय क्रम-3, कोटा

संख्यांक 2
विवादकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 20)
नाम न्यायालय उपखण्ड अधिकारी आमेर जिला जयपुर
कुलदीप गुप्ता व अन्य बनाम श्रीमती कम्मो देवी व अन्य
दावा तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955
वाद संख्या 16/2025
1. नाम श्रीमती कम्मो देवी धर्मपत्नी श्री मोहनलाल जाति माली निवासी-कस्बा आमेर, तहसील आमेर, जिला जयपुर।
2. किशोर सिंघल पुत्र श्री शिवचरण लाल सिंघल जाति महाजन निवासी नांगल रोड, आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
3. गेंदीलाल पुत्र सेड्या जाति माली निवासी-कस्बा आमेर तहसील आमेर जिला जयपुर
4. गोपाल लाल पुत्र सेड्या जाति माली निवासी-कस्बा आमेर, तहसील आमेर, जिला जयपुर
5. श्रीमती चेतना भारद्वाज धर्मपत्नी श्री लक्ष्मीकांत भारद्वाज जाति ब्राहमण निवासी भारद्वाज भवन, सागर रोड, आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
6. चौथू पुत्र बीज्या जाति माली निवासी कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
7. श्रीमती तीजा देवी धर्मपत्नी श्री रामनारायण जाति माली निवासी-कस्बा आमेर, तहसील आमेर, जिला जयपुर।
8. श्रीमती नाना देवी धर्मपत्नी श्री श्यामलाल जाति माली निवासी-कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
9. श्रीमती प्रीति सिंघल धर्मपत्नी श्री किशोर सिंघल जाति महाजन निवासी नांगल रोड, कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
10. मोहनलाल पुत्र सेड्या जाति माली निवासी कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
11. श्रीमती रुकमणी देवी धर्मपत्नी श्री गोपाललाल जाति माली निवासी-कस्बा आमेर, तहसील आमेर, जिला जयपुर।
12. रेणु पुत्री श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता जाति महाजन निवासी फूलबाग, आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
13. रामनारायण पुत्र सेड्या जाति माली निवासी कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
14. श्रीमती लल्ली देवी पत्नी श्री शंकरलाल जाति माली निवासी कस्बा आमेर, तहसील आमेर जिला जयपुर।
15. शंकरलाल पुत्र सेड्या जाति माली निवासी कस्बा आमेर तहसील आमेर जिला जयपुर।
16. श्यामलाल पुत्र सेड्या जाति माली निवासी-कस्बा आमेर तहसील आमेर जिला जयपुर।
17. श्रीमती संतोष गुप्ता धर्मपत्नी सुभाष चंद गुप्ता जाति महाजन निवासी कस्बा आमेर, तहसील आमेर, जिला जयपुर।
18. धनराज सैनी पुत्र श्री गुल्लाराम सैनी जाति माली निवासी कस्बा आमेर तहसील आमेर जिला जयपुर।
19. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार, तहसील आमेर, जिला जयपुर।
ने आपके विरुद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 28 माह 03 सन् 25 को दिन में बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है। तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
यह आज दिनांक 20 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
रीडर
मोहर अदालत **उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट आमेर, जिला-जयपुर**

उपखंड पावटा क्षेत्र में गणगौर पर्व की धूम,14 मार्च से पूजा शुरू

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में होली के बाद सुहाग का प्रतीक माने जाने वाली गणगौर की धूम है। राजशाही से पहले से चला आ रहा गणगौर ना सिर्फ विवाहिताएं, बल्कि कुंवारी कन्याएं भी हर्षोल्लाह से मनाती हैं।

मान्यता है कि विवाहिताएं पति की लंबी उम्र के लिए गणगौर का व्रत और विशेष पूजा करती हैं तो कुंवारी लड़कियां अच्छे वर की कामना में व्रत रखती हैं। गणगौर पर्व की शुरुआत हो गई है। पावटा कस्बा सहित आस पास के क्षेत्र में गणगौर ग्रुप की सुहागिन महिलाएं धुलंडी से ही प्रतिदिन पूजा कर रही हैं। यह पूजा 31 मार्च तक चलेगी। गणगौर ठ्ाुप की दीपिका सोनी ने बताया कि होलिका दहन के अगले दिन से कुंवारी कन्याएं व विवाहिताएं गणगौर पूजने लगती है। कन्याएं और नवविवाहित महिलाएं सुबह फूल चुनने के बाद घर का पवित्र जल कलश में भरकर ईसर-गणगौर पूजती हैं। सुबह महिलाएं बगीचे में जाती है और दूब लाती हैं। गणगौर माता खोल किवाड़ी, बाहर ऊबी थारी पूजन वाली, गोर-गोर गोमती जोड़ा पूजा पार्वती का आला गीला लगी, महाक कुकू का टीका, टीका दिया ठुमका दिया बाला रानी व्रत कयो व बाड़ी वाला बाड़ी खोल, म्हैं आया थारी दोब ने आदि गीत गाती हैं। महिलाएं तय जगह जुटती हैं और कनिष्ठा से जोड़ा बनाकर गणगौर पूजा करती है। पूजा में महिलाएं सामूहिक रूप से भाग ले रही हैं। वे अपने सुहाग की लंबी आयु की कामना कर रही हैं। शीतला सप्तमी के बाद ईशर गणगौर की बिंदौरी निकाली जाएगी। पूजा के बाद सभी महिलाएं मिलकर सूर्य नारायण को अर्घ्य दे रही हैं।

नई-नवेली दुल्हनों के घर में यह त्योहार खासा उत्साह से मनाया जाता है। मां और सास सिंजारा करती हैं। बहू-बेटियों का सत्कार किया जाता है। उनके हाथों में मेहंदी रचाई जाती है। परंपरा है कि बहू बेटी का पहला गणगौर मायके में होता है।हालांकि, सुविधा के अभाव में यह ससुराल में भी किया जा सकता है। गणगौर ठ्ाुप में पल्लवी, चेष्टा, राधिका, शीतल, साक्षी, अर्पिता, सिया, दिया, लक्ष्मी सहित कई महिलाएं शामिल हैं।शहर और आसपास के ठाामीण क्षेत्रों में भी महिलाओं ने गणगौर की पूजा आरंभ कर दी है।

नवविवाहिताओं ने गणगौर मात की पूजन शुरु कर दी है।

ज्ञापन प्रेषित किया

फुलेरा। फुलेरा क्षेत्र की सीमा से जुड़े राजस्व ग्राम दयालनगर के स्थानीय नागरिकों ने उपखण्ड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन में इस गांव को नए परिसीमन में नगर पालिका मण्डल फुलेरा से जोड़ने की मांग की है। इसको लेकर ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में इस गांव की कच्ची गोदाम, आदर्श रैगर बस्ती, गणपति नगर, कुमावत कॉलोनी, वैशाली नगर, रजत विहार, श्याम सिटी, बड़ की ढाणी, ढेल्डा की ढाणी सहित इनके आस-पास की विकसित समस्त कॉलोनियां जो कि फुलेरा नगर पालिका क्षेत्र की सीमा से सटी हुई है। अन्य राजस्व कार्य नगर पालिका क्षेत्र फुलेरा द्वारा ही किया जा रहा है। साथ ही कुछ सीमित क्षेत्र में रोड़ लाईट आदि की सुविधा भी नगर पालिका मण्डल द्वारा मुहैया करायी जा रही है। किन्तु विगत कई वर्षों से स्थानीय वाशिंदों को बेवजह ग्राम पंचायत काचरोदा ब्लॉक सांभरलेक के अधीन शामिल किया हुआ है।

महिला शिक्षा आर्थिक स्वावलंबन के लिये आवश्यक : राधा पटेल

कोटपूतली। राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय में शनिवार को देवनारायण एवं कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण समारोह का आयोजन विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। समारोह में सत्र 2023-24 के अंतर्गत लाभान्वित छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई।

मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल ने कहा कि सरकार की यह योजना महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि एक बालिका शिक्षित होती है तो दो परिवारों में खुशहाली आती है। महिला शिक्षा आर्थिक स्वावलंबन के लिये आवश्यक है। जिससे महिलायें आत्मनिर्भर होती हैं। उन्होंने छात्राओं के परिजनों से आह्वान किया कि बालिकाओं को अधिक से अधिक पढने में सहयोग करना चाहिये। विशिष्ठ अतिथि कमलेश गुर्जर ने कहा कि यदि महाविद्यालय की छात्राओं का आईएएस में चयन होता है तो 21 हजार तथा आईपीएस में चयन होने पर 11 हजार रूपये अपनी जमा पूंजी से नकद देकर पुरूस्कृत किया जायेगा। वर्तमान समय में महिला शिक्षा की अति आवश्यकता है। अध्यक्षता करते हुये प्राचार्य डॉ. आर के सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिये स्कूटी योजना महिला सशक्तीकरण के लिये मील का पत्थर साबित होगी। छात्राओं को मजबूत इरादे रखने होंगे। पढ़ाई के प्रति लगन और मेहनत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आगामी 25 मार्च को सत्र 2023-24 का जिला स्तरीय स्कूटी वितरण व 30 मार्च को सत्र 2024-25 का राजस्थान दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय स्कूटी वितरण कार्यक्रम का आयोजन होगा। महाविद्यालय के स्कूटी प्रभारी डॉ. राकेश कुमार यादव ने बताया कि सत्र 2023-24 के अंतर्गत 1450 में से 525 स्कूटी वितरित कर दी गई है। शनिवार को 64 लाभान्वित छात्राओं को स्कूटी प्रदान की गई। संचालन अशोक सिंह ने किया। जबकि अनुभा गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्कूटी समिति सदस्य, महाविद्यालय संकाय सदस्य, लाभान्वित छात्रायें व उनके परिजन उपस्थित रहे।

■ देवनारायण एवं कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण समारोह का आयोजन

विश्व जल दिवस पर ब्रह्माकुमारीज के राजयोग भवन में कार्यक्रम आयोजित

टोंक। विश्व जल दिवस पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय टोंक के राजयोग भवन में नेहरू युवा केंद्र टोंक के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजित किया गया।

इस मौके पर सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा ने जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए कहा मानव जीवन के अस्तित्व के लिए जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अति महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा हजारों वर्षों से पौराणिक ग्रन्थों में वर्णित अमृत की खोज में भटकता हुआ मनुष्य यह समझ नहीं सका है कि शुद्ध और प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त होने वाला जल ही वह अमृत है, जो उसे जीवन शक्ति और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान कर क्रियाशील बनाता है। जल ही जीवन है परन्तु आधुनिकता और भौतिकता की अंधी दौड़ में दौड़ता हुआ मनुष्य इस परमतत्व के महानता और महत्व को भूल गया है, जिसके कारण ही वर्तमान समय में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है। इसलिए हम सबको जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास कर लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने आगे कहा मनुष्य के मन के विचारों से उत्पन्न सकारात्मक तरंगे जल को शुद्ध, स्वच्छ व सात्विक बनती है।

इस मौके पर नेहरू युवा केंद्र टोंक के जिला युवा अधिकारी हितेश कुमार के कहा कि हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है जल के बिना जीवन की कल्पना भी असंभव हैं इसलिए जल को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने के लिए तथा जल संरक्षण महत्व पर ध्यान देने के लिए विश्व भर में जल दिवस मनाया जाता है हम सबको अपना नैतिक कर्तव्य समझकर जल का संरक्षण करना चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत आकोडिया पं.स.कोटखावदा (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं./2024-25/ई- निविदा/18 दिनांकः- 18/03/2025
ई-निविदा सूचना 03/2024-25
पंचायत समिति कोटखावदा के ग्राम पंचायत आकोडिया में विधायक कोष व ग्राम पंचायत मद, PS मद क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 33.00 लाख का 4 कार्य स्वीकृत है। कार्यो को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181 (2) के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदायें निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बंधित समस्त जानकारी कार्यालय समय में एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https:/sppp.rajasthan.gov.in एवं https:/eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोड करने की दिनांक 21/03/2025 से 28/03/2025 को प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी।
NIB-KHW2425A0061, UBN-KHW2425WSOB00099 TO KHW2425WSOB00102
सरपंच ग्राम पंचायत आकोडिया | **ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत आकोडिया**

College of Technology and Engineering
Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, University Campus, Udaipur-313001 (Rajasthan)
No.F. CTAE/Acctts./Tender/25/1301-05 Dated: 22.03.2025
निविदा आमंत्रण सूचना
(NIT: CTAE/NIT/2024-25/07 and CTAE/eProc/2024-25/08)
विभिन्न सेवाओं (हॉस्टल मेस, सफाई, इलेक्ट्रिक मेंटेनेंस, AMC) की आपूर्ति के लिए एकल चरण, बिना शर्त बोलियां ऑनलाइन (https://eproc.rajasthan.gov.in) / ऑफलाइन (हार्ड कॉपी) निविदा प्रस्तुत करने के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। निविदा फार्म www.mpuat.ac.in या www.ctae.ac.in या http://sppp.rajasthan.gov.in वेबसाइट से भी डाउनलोड की जा सकती हैं। बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07.04.2025 है। भविष्य में बोलियों से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर ही उपलब्ध होगा।
UBN: ATU2425SSRC00260 to 68, ATU2425SLRC00271, ATU2425SLRC00272
DEAN, CTAE

संक्षिप्त

रक्तदान शिविर का आयोजन

पावटा। भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के शहीद दिवस के उपलक्ष्य में आज एस.के हॉस्पिटल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक छठे विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविर में युवा और महिलाए रक्तदान मे बढ़ चढकर भाग लेंगे। एस के हॉस्पिटल डायरेक्टर वीरेंद्र गढ़वाल, रामकरण राठी, अखिलेश यादव ने बताया कि समस्त पावटा विराटनगर ग्राम जनता के सहयोग से रक्तदान शिविर मे जीवन दाता ब्लड बैंक कोटपुतली द्वारा रजिस्ट्रेशन कर रक्त संग्रहित किया जाएगा। आपातकालीन परिस्थिति में रक्त की आवश्यकता होने पर भी समिति के सदस्यों के द्वारा रक्त उपलब्ध करवाया जाता रहा है। रक्तदान शिविर को लेकर एस के हॉस्पिटल डायरेक्टर वीरेंद्र गढ़वाल ने बताया कि युवाओ को समय समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित और हृदय सम्बन्धी रोगों से बचाव रहता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत विरेन्द्र गढ़वाल डायरेक्टर एस के हॉस्पिटल एवं रामकरण राठी द्वारा माला एवं साफा पहनाकर व रक्तवीरो का प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया जाएगा।

काजी नूरुल हसन का इंतकाल

सांभरझील, (निसं)। सांभर के शहर-ए-काजी नूरुल हसन उस्मानी का शरीर की लंबी तकलीफ के बाद आज इंतकाल हो गया। वे करीब 92 साल के थे। मकराना स्थित आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके इंतकाल की खबर मिलने के बाद जामा मस्जिद के बाहर काफी तादाद में मुस्लिम समुदाय की लोग जुट हो गए। दुख जताने के लिए काफी तादाद में उनके आवाज पर भी लोग इकट्ठा हुए। बताया गया कि शाम 4 बजे जनाजे की नमाज़ पढ़ाई गई. जनाजे की नमाज़ मिया साहब की कब्रिस्तान के पास में अदा की गई। उनके जनाजे को उनके भाई काजी गफ्फारूल हसन उस्मानी व उनके परिवार के मेंबरों के अलावा अनेक मोजीज लोगों ने कांधा दिया। उनके जनाजे में अनेक समाज के लोगो ने भी शिरकत की तथा उनके इंतकाल पर गहरा दुख व्यक्त किया। मियां साहब की बगीची नरेना रोड स्थित कब्रिस्तान में मुस्लिम रीति रिवाजों ओर मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओ की देखरेख में सुपुर्द ए खाक किया गया।

पंकज बने कोली समाज के अध्यक्ष

टोंक। महादेवाली मेला आयोजन समिति कोली समाज टोंक द्वारा सर्वसम्मति से पंकज महावर पूर्व पार्षद को के समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस असवर पर समाज के गणमान्यजनो ने अध्यक्ष को शुभकामनाएं और बधाई दी है, पंकज महावर ने कहा है कि वह समाज के विकास के लिए ''सबका साथ सबका विकास'' के अंतर्गत कार्य करेंगा और समाज को आगे बढायेगा। इस दौरान लखन महावर, सुरेश महावर, विष्णु, राजेश, सुरेश बुंदेल, हीरालाल महावर, लेखराज महावर, अशोक, मुकेश इत्यादि ने अध्यक्ष को बधाई दी है।

एक दिवसीय सत्संग आज

निवाई। गंगा जमना गार्डन में 23 मार्च को सुबह 10 बजे संत रामपाल महाराज के सानिध्य में एक दिवसीय सत्संग का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सत्संग के माध्यम से बताया जाएगा की परमात्मा, अल्लाह, खुदा, गॉड, वाहेगुरु एक ही हैं। सभी धर्म एक है उनके नाम भिन्न है, परमात्मा कौन है, मनुष्य के जीवन का मूल उद्देश्य क्या है, 84 लाख प्रकार की योनिया क्या होती है व पूर्ण मोक्ष क्या होता है सहित कई आध्यात्मिक प्रश्नों के बारे में सभी धर्म ठांथो के अनुसार जानकारी दी जाएगी। श्रद्धालु ऋषिपाल ने बताया कि संत रामपाल महाराज का उद्देश्य नशा मुक्त, दहेज मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त आध्यात्मिक समाज का निर्माण करना हैं। युवाओं को अध्यात्मक की तरफ अठासर करना व समाज में भाईचारा स्थापित करना है।

रक्तदान शिविर आज

निवाई। शहीदी दिवस के पावन अवसर पर इंदिरा कॉलोनी स्थित श्याम मंदिर में निवाई जीवन दाता फाउंडेशन एवं जगदंबा फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। मनीष मीणा ने बताया कि सरदार भगत सिंह एवं सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

आमेर ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में संगठनात्मक मजबूती पर मंथन

मानपुरा माचेडी में आमेर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा।

मानपुरा माचेडी । मानपुरा माचेडी के सेवड माता मंदिर परिसर में शनिवार को आमेर ब्लॉक कॉंग्रेस कार्यकर्ताओ की बैठक आमेर ब्लाक अध्यक्ष राधेश्याम मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं में आपसी समन्वय व संगठनात्मक मजबूती को लेकर चिंतन मनन किया गया।संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं से सुझाव लिए गए।

बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोपाल मीणा, जयपुर ग्रामीण प्रभारी आर.सी.चौधरी आमेर विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा, आमेर प्रभारी पुष्पेंद्र मीणा , कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र यादव, उपजिला प्रमुख मोहन डागर ने कार्यकर्ताओ के साथ विचार-विमर्श कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु मंथन किया।विधायक प्रशांत शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं।आपस मे गलतफहमी हो सकती हैं।हम सब को मिलकर संगठन को ओर मजबूत बनाने के लिए आपसी समन्वय बनाना आवश्यक हैं।जिलाध्यक्ष गोपाल मीणा ने कहा कि बैठक में सभी को अपने विचार व्यक्त करने चाहिए जिससे संगठन में कही कोई कमी है तो उसका पता चलता है।जिसमे सुधार किया जा सके। आमेर प्रभारी पुष्पेंद्र मीणा ने आमेर के सभी मंडलो में पहुँच कर कार्यकर्ताओ से बैठक बात कर आपसी समन्वय बनाए जाने की बात कही।कुछ कार्यकर्ताओ ने युवाओं के साथ वरीष्ठ कार्यकर्ताओं को भी बराबर सम्मान दिए जाने की मांग की। इस दौरान मानपुरा मंडल अध्यक्ष गिर्राज मेंथला, पूर्व पसस मामराज गुर्जर, महासचिव कालूराम कुम्हार, रामसिंह खडोत्या, चौप मंडल अध्यक्ष सुरेश बागड़ा, सुल्तान नेगी, कल्याण सहाय, मुकेश सिंह, सुनील मीणा,जीतू गुर्जर सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

■ बैठक में कार्यकर्ताओं में आपसी समन्वय व संगठनात्मक मजबूती को लेकर चिंतन मनन किया

राहुल गौतम का निवाई में स्वागत

निवाई। अखिल भारतीय गुर्जर गौड़ युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जोशी व राष्ट्रीय महामंत्री राहुल गौतम का निवाई पहुंचने पर गौतम समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज विकास समिति अध्यक्ष जगमोहन गौतम, श्री गौतम नवयुवक मंडल अध्यक्ष रविंद्र गौतम, युवक संघ के जिला महामंत्री लोकेश जौंला व तहसील अध्यक्ष पंकज गौतम के नेतृत्व में समाज के लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जोशी का माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया एवं भगवान परशुराम की तस्वीर भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जोशी ने कहा कि समाज की एकता से ही हर क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। समाज को एकजुट कर हर कार्य में लगे रहना चाहिए। जिससे एकता दिखाई देने के साथ ही जो भी कार्य हाथ में लिया गया है उसे पूरा किया जा सके।

राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ

निवाई। योगेश शैक्षिक पुनर्वास एवं शोध संस्थान तत्वावधान में भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली से अनुमोदित कार्यशाला सीखने का सार्वभौमिक प्रारूप विषय पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीआरसी अहमदाबाद के निर्देशक डॉक्टर अजीत कुमार ने सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन करके किया। विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब के जोनल चेयरमैन ज्ञानचंद जैन, सहायक प्रोफेसर सीआरसी अहमदाबाद प्रियंका चौहान एवं योगेश संस्थान के सचिव डॉ. सीताराम स्वामी निवाई रहे। शनिवार को कार्यशाला के प्रथम दिन प्रथम सत्र में सीआरसी अहमदाबाद के निर्देशक

■ कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर हुई चर्चा

डॉ. अजीतकुमार ने सीखने का सार्वभौमिक प्रारूप पर संक्षिप्त परिचय देते हुए विभिन्न प्रकार के सीखने की सार्वभौमिक प्रारूप की पहचान करवाई गई। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में सीआर सी अहमदाबाद के निर्देशक डॉ. अजीतकुमार ने सीखने का सार्वभौमिक प्रारूप के सिद्धांत पर गहराई से प्रकाश डाला। तृतीय सत्र में सीआरसी अहमदाबाद के सहायक प्रोफेसर प्रियंका चौहान ने सीखने का सार्वभौमिक प्रारूप पाठ्यक्रम के घटकों पर विस्तार से चर्चा की। चतुर्थ सत्र में विशेष शिक्षा योगेश संस्थान के व्याख्याता अरविंदकुमार टेलर ने सीखने का सार्वभौमिक प्रारूप का विद्यालय में प्रबंधन की विस्तार से जानकारी दी।

उक्त कार्यशाला से विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में पुनर्वास विशेषज्ञों के अपने ज्ञान वर्धन में लाभ होगा तथा नवाचारों से अवगत होंगे। जिससे इस प्रकार की सीखने का सार्वभौमिक प्रारूप के प्रबंधन से विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन दिव्यांगों को पुनर्वास विशेषज्ञ द्वारा लाभान्वित किया जा सकेगा। कार्यशाला में अतिथियों ने योगेश शैक्षिक पुनर्वास संस्थान की गतिविधियों से अवगत होकर संस्थान की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक ब्लॉक स्तर पर राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं इतना बड़ा मानव सेवा का कार्य है जो यहां किया जा रहा है। इसके लिए योगेश शैक्षिक पुनर्वास एवं शोध संस्थान निवाई धन्यवाद के योग्य है। ऐसी छोटी जगह पर भी संस्थान इस तरह के कार्य का विशेष शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यकताओं को पूरी करते हुए दिव्यांगों एवं पुनर्वास विशेषज्ञों के कल्याण का कार्य कर ही रही है और दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में जोडने का प्रमुख कार्य भी किया जा रहा है। कार्यशाला कोऑर्डिनेटर मनोजकुमार स्वामी ने सभी अतिथियों, सहभागियों एवं रिसोर्स पर्सन्स का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका सरिता शर्मा, राकेश स्वामी, हेमंत कुमार व मुकेशकुमार गुर्जर सहित सभी व्याख्याता उपस्थित रहे।

'टीबी हारेगा देश जीतेगा के लक्ष्य को प्राप्त करना हैं'

कन्हैयालाल चौधरी जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

टोंक। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी शनिवार को टोंक जिला मुख्यालय पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

उन्होंने कृषि ऑडिटोरियम में विश्व क्षयरोग दिवस पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के जिला स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य टीबी उन्मूलन की दिशा में सामुदायिक सहायता प्रदान करना है।कैबिनेट मंत्री ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि टीबी रोगियों के उपचार में हर संभव मदद करें, ताकि टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने सक्षम लोगों से निक्षय मित्र बनकर टीबी के इलाज में अतिरिक्त निदान और पोषण की सहायता प्रदान करने जोर दिया। ''टीबी हारेगा देश जीतेगा'' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने अभियान को लेकर सरकार की मंशानुरूप चिकित्सकों व कार्मिकों को कार्य करने के निर्देश दिए। चौधरी ने वर्ष 2023 में टीबी से मुक्त हुई जिले की 16 ग्राम पंचायतों के प्रशासकों एवं ग्राम स्तरीय कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र एवं गांधीजी की प्रतिमा भेंट कर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

किशनगढ़ बास में सफाई कर्मी हड़ताल पर

किशनगढ़ बास। नगर पालिका जहां शहर को साफ-सुथरा व स्वच्छ बनाने के लिए सफाई अभियान चलाए हुए हैं तो दूसरी ओर ठेका पद्धित पर सफाई व्यवस्था में लगे सौ से ज्यादा कर्मचारी मासिक वेतन और वर्षो से पीएफ का पैसा नहीं मिलने से परेशान है। नगर पालिका अधिकारियों और ठेकेदारों की मनमानी को लेकर परेशान सफाई कर्मियों ने एसडीएम मनीष जाटव को लिखित में शिकायत देकर शहर में सफाई करना बंद कर दिया है।

किशनगढ़ बास में सफाई कर्मचारी हड़ताल पर झाड़ू लेकर विरोध जताते महिला कर्मचारी।

नगरपालिका ठेकेदार व पालिका अधिकारियों की मनमानी को लेकर राजेश कलो मनीष संतोष पुजा रामबार सन्तोष हंसा अमीर अजय सीमा उषा प्रेम आदि ने एसडीएम को लिखित में शिकायत करते हुए बताया है कि हम सभी सफाई कर्मी नगरपालिका में अस्थाई तौर पर सफाई कर्मी का कार्य सालों से करते आ रहे है। नगरपालिका से हमे हमारा मासिक वेतन जो दिया जाता है उसमे भी ठेकेदार वेतन देने मे आनाकानी करता है वेतन रोक लेता है जिसके कारण हमारे परिवार को चलाने मे काफी परेशानी आती है, कचरा उठाने वाली गाडीया बिल्कुल खराब है उनका मेन्टीनेन्स नही होता है जो कही भी बीच रास्ते मे खराब होकर खडी रहती हों जाती है। कर्मचारियों ने बताया कि हमारा सभी कर्मचारियों का ठेकेदार ने पी एफ रोका हुआ है। ठेकेदार ने 2 साल का पी एफ नही दिया है। टिप्पर ड्राईवरों के ठेकेदार ने ड्राइवरों की 2 महिने से तनख्वाह रोक रखी है। ये तीनो ठेकेदारो ने हमारी रकम हडप कर रखी है। हम गरीब सफाई कर्मियों को हमारा पैसा ठेकेदारों से दिलवाया जाए।

सफाई कर्मचारियों ने एसडीएम को लिखित में की शिकायत में कहा है कि कर्मचारियों को जब तक ठेकेदारों से उनका वेतन और पीएफ का पैसा नहीं दिलाया जाता है तब तक वह शहर में सफाई का काम ना तो करेंगे और ना किसी को करने देंगे। एसडीएम ने सफाई कर्मचारियों की शिकायत पर शीघ्र कार्रवाई करने व ठेकेदार से पैसा दिलाए जाने का आश्वासन दिया है।

पतंजलि रिसर्च अनुसंधान में नाबार्ड के प्रतिनिधियों का एक दिवसीय दौरा संपन्न

हरिद्वार। भारत के शीर्ष राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के लिए शीर्ष पर्यवेक्षी निकाय के रूप में एक दिवसीय आयोजन पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन के सभागार में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों में निवेश और समतापूर्ण कृषि को बढ़ावा देने पर केंद्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ से हुआ। पूज्य बालकृष्ण ने अतिथियों का स्वागत शाल और माला पहनाकर स्मृति चिह्न भेंट करके किया। कार्यक्रम में नाबार्ड के प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने सामूहिक सहभागिता दीं।

पूज्य बालकृष्ण ने अतिथियों का स्वागत शाल और माला पहनाकर स्मृति चिह्न भेंट करके किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि नाबार्ड ग्रामीण उद्यमों के विकास के लिए देश की सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है। इसकी कई योजनाएँ पशुपालन के लिए हैं, जिनमें किसान क्रेडिट कार्ड योजना, ब्याज़ सहायता योजना, दीर्घावधि ऋण और पशुपालन आधारभूत संरचना विकास निधि आदि हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य पूंजी निवेश, स्थिर आय और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

नाबार्ड ने ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचारों, सामाजिक बदलाव और सामाजिक उद्यमों की स्थापना में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने पतंजलि की भावी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कृषि क्षेत्र में पतंजलि की कार्य योजनाओं में किसानों की आय बढ़ाना, जैविक खेती को प्रोत्साहित करना और प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाना शामिल है।

इसके अलावा, उत्तराखंड में पलायन को रोकने के लिए जड़ी-बूटियों की खेती को बढ़ावा देना भी एक प्रमुख उद्देश्य है। शहद और अन्य कृषि उत्पादों का सीधे क्रय करने के माध्यम से पतंजलि ने किसानों की आय को दोगुना करने का प्रयास किया है। वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का है और पतंजलि ने भरूआ सोल्यूशन के अंतर्गत बी-बैंकिंग के माध्यम से किसानों को डिजिटल रूप से जोड़कर उनके ऋण की पारदर्शिता सुनिश्चित की है। इसके साथ ही पतंजलि के माध्यम से किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य भी मिल रहा है। पतंजलि जैविक अनुसंधान संस्थान ने एक मृदा परीक्षण किट भी विकसित की है जो कृषि मापदंडों जैसे पीएच, नाइट्रोजन, कार्बनिक कार्बन, फास्फोरस, पोटेशियम का निर्धारण केवल 20 मिनट में करती है।

'अच्छा आदमी बनना बहुत बड़ी बात है'

निवाई । सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शान्तिनाथ दिगंबर जैन, अग्रवाल मंदिर, दिगंबर जैन बड़ा मंदिर एवं नसियां मंदिर में आर्यिका श्रुतमति, सुबोधमति एवं विशेषमति माताजी के सानिध्य में श्री जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याण महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। विज्ञातीर्थ कमेटी के अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं प्रतिनिधि हितेश छाबडा ने बताया की रविवार को निवाई के सभी की जिनालयों में प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा एवं ऋषभदेव समवशरण मंडल विधान पूजा, नव देवता पूजा, भक्तामर पूजा एवं देवशास्त्रगुरु पूजा की जाएगी।

जन्मकल्याणक महामहोत्सव 23 मार्च को संपूर्ण विश्व में धर्म प्रभावना के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। रविवार को सायंकाल में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर में सभी महिला मंडलों द्वारा सामूहिक संगीतमय भक्तामर की दीप अर्चना के साथ पाठ व पालना झूलाने का कार्यक्रम रखा गया है। शनिवार को श्रुरुतमति माताजी ने विश्व को संबोधन करते हुए कहा कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान ने विश्व को असी मसी कृषि वाणिज्य शिल्प का उपदेश दिया था।

सार-समाचार

छोटी बच्चियां बनी ईसर गणगौर

निवाई। शहर की न्यू इंदिरा कॉलोनी में 16 दिवसीय गणगौर हर्ष और उल्लास से मनाया जा रहा है। प्रतिदिन महिलाएं और बालिकाएं सुबह ईसर व गणगौर की नियमित पूजा कर रही हैं। इसी क्रम में शाम को 5 बजे कालोनी के एक घर से बच्चों को दूल्हा और दुल्हन बनाकर और गणगौर को सजा के ढोल बाजे के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस में कॉलोनी की प्रियंका जैन, सुमन गुप्ता, अनिता गुप्ता, राधा पारीक, अनु पारीक, रश्मि शर्मा, मोनिका, गुड्डी जैन व मीना जैन सहित अन्य महिलाएं मौजूद थी। ईसर व गणगौर का कॉलोनी में नाच गाने के साथ जगह जगह स्वागत किया गया।

विजेता प्रतिभागी पुरस्कृत

निवाई। राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार भगवान आदिनाथ जयन्ती को लेकर लिटिल एंजल माई छोटा विद्यालय में पोस्टर एवं पेंटिंग्स प्रतियोगिता सहित कई धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें सैकडों बच्चों ने पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर पुरस्कार जीता। मीडिया संयोजक विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल सेवा की न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री मेधा जैन, जैन समाज के मंत्री महावीरप्रसाद पराणा, चित्र अनावरणकर्ता मोहित चंवरिया एवं दीप प्रज्वलितकर्ता सुशील कटारिया ने भगवान आदिनाथ एवं सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय प्रभारी रिषभ जैन, दीप्ति जैन एवं सह प्रभारी संगीता संघी के निर्देशन में भगवान आदिनाथ के चित्रण की बच्चों ने पोस्टर पेंटिंग बनाई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अशोक बिलाला, शिखरचंद काला, हेमराज नमक, डॉ. अवधेश जैन, डाक्टर राहुल जैन, डाक्टर मुकेश सामोता, डाक्टर ममता बिजराणियां, महेन्द्र संघी, पदमचंद टोंग्या राकेश संघी व मुकेश संघी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

ज्ञानचन्द जैन बने परिषद अध्यक्ष

मालपुरा (निस) शनिवार को भारत विकास परिषद के नवीन सत्र 2025-26 के लिये अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न हुआ। ज्ञानचन्द जैन को नवीन सत्र के लिये निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

परिषद के पूर्व सचिव ताराकांत पाठक ने नवीन सत्र अध्यक्ष के लिये ज्ञानचन्द जैन के नाम का प्रस्ताव रखा। निर्वितमान अध्यक्ष रामजीलाल शर्मा सहित परिषद के सभी सदस्यो ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुये नवीन अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया मे ज्ञानचन्द जैन के नाम पर सर्वसम्मति बनाई। जिस पर ज्ञानचन्द जैन ने परिषद सदस्यो का आभार जताते हुये जल्द नवीन कार्यकारिणी का गठन कर परिषद के माध्यम से सामाजिक सरोकार के कार्य करने का संकल्प लिया। परिषद सदस्य धर्मवीर जांगिड को हाल ही मे पचेवर भाजपा मंडल अध्यक्ष बनने पर परिषद की और स्वागत अभिनन्दन किया गया। दिनेश विजय ने बताया कि ज्ञानचन्द जैन नवीन सत्र मे संभालेगें कार्यभार। इससे पूर्व शनिवार को राजस्थान सरकार की कौशल विकास योजना के अन्तर्गत परिषद द्वारा निःशुल्क रोजगार परामर्श एवं प्रशिक्षण हेतु पंजीकरण शिविर लगाया गया। जिसमे 50 से अधिक युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। जिन्है निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जायेगा।

किसानों ने कराया रजिस्ट्रेशन

पावटा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर एग्रीस्टैक योजना में किसान रजिस्ट्री प्रोजेक्ट को सम्पूर्ण राजस्थान में लागू किया जाएगा। एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के लिए शनिवार को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के पावटा, प्रागपुरा, कुनेड मे चल रहे तीन दिवसीय फार्मर रजिस्ट्री शिविर में फार्मर रजिस्ट्री तैयार करवाने के लिए किसान मौजूद रहे। शनिवार को पालिका में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशु पालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया गया। पालिका कार्यालय पावटा शिविर में आए किसान मालीराम बाड़ीगर, भैरूराम, दुलीचंद का आरोप है कि शिविर में गर्मी को देखते हुए छाया के अलावा पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की ही व्यवस्था नहीं की गई है। पालिका क्षेत्र में फार्मर रजिस्ट्री कैंप के पहले दिन किसान केवाईसी, किसान भूमि सत्यापन, पीएम सम्मान निधि लाभार्थीयो वेरीफिकेशन, आयुष्मान कार्ड ई-केवाईसी, आवेदन पीएम सूर्य घर योजना, पेंशन पोर्टल पर वेरिफिकेशन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, मंगला पशु बीमा, किसान क्रैडिट कार्ड, नरेगा आवेदन, पीएम आवास योजना व जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए गए। फार्मर रजिस्ट्री कैंप में किसान अपनी वर्तमान जमाबंदी, आधार कार्ड जन आधार एवं ओटीपी के लिए आधार कार्ड से लिंक मोबाइल लेकर पहुंचे। शिविर के मौके पर गिरदावर रामनिवास मीणा, शशिधर यादव, प्रमोद पटवारी, जीतू पटवारी, अमित यादव फाइनेंशियल काउंसलर, हितेश मीणा, संजय, राकेश, मालीराम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बैठक आयोजित

निवाई । अलियाबाद मोड़ पर स्थित अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज छात्रावास में शनिवार को छात्रावास समिति व हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा की बैठक महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद, जिलाध्यक्ष बद्रीनारायण सूरिया व समिति अध्यक्ष सियाराम भौंगा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम शर्मा अलियाबाद ने कहा कि समाज के विकास में भामाशाह अपनी भागेदारी निभाएं। जिलाध्यक्ष बद्रीनारायण सूरिया ने कहा कि समाज के विकास के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आने की आवश्यकता है। समिति अध्यक्ष सियाराम भौंगा ने कहा कि मनुष्य की पहचान उसके समाज, संस्कार एवं शिक्षा से होती है। मजबूत समाज के निर्माण के लिए बालिका शिक्षा जरूरी है। जिला महामंत्री मांगीलाल महाराजपुरा ने बताया कि छात्रावास में सर्वसमाज के छात्र-छात्राओं के लिए 31 मार्च से कक्षा 8वीं तक के हिन्दी व अंठोजी माध्यम महर्षि हारीत एकेडमी का शुभारंभ होगा। जिसमें प्रवेश प्रक्रिया सुचारू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उक्त संस्थान में कार्य हेतू प्रशिक्षित एवं अनुभवी अध्यापक व अध्यापिकाएं 31 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान महर्षि हारीत एकेडमी के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर टोंक तहसील अध्यक्ष प्रेमनारायण डरनायत खेडा, तहसील अध्यक्ष गोपीलाल शर्मा, मांगीलाल सरसिणया, मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचन्द शर्मा, शंकरलाल बेद, बनवारीलाल शर्मा, भैरूलाल शर्मा, सत्यनारायण पंचोली चाकसू, संजय शर्मा, महेश सामोत्या, सुरेश सिंगवाडिया, मदन शर्मा बहकवा व अर्जुन शर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

'विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण'

टोंक। विकसित भारत युवा संसद-2025 के तहत एक राष्ट्र-एक चुनाव विषय पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टोंक में आयोजित संवाद कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि विकसित भारत 2047 के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। वर्तमान में भारत सबसे अधिक युवा आबादी का देश है, इसलिए युवा अपनी ऊर्जा देश निर्माण में लगाएं। चौधरी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में बड़ी पहल है, युवा इस विषय पर संवाद कर अपने विचार व्यक्त करें। इस दौरान पूर्व विधायक अजीत मेहता, चंद्रवीर सिंह चौहान, पूरण सिंह ने युवा शक्ति को देश के विकास एवं रचनात्मक कार्यों में अपनी भागीदारी निभाने की बात कही। इस अवसर पर पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, सफाई आयोग के पूर्व सदस्य दीपक संगत, सीईओ परशुराम धानका, प्राचार्य लोकेश कुमार शर्मा समेत महाविद्यालय के प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं कार्मिक मौजूद रहे।

आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप अपने नाम कर सकते हैं। ये खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साईं सुदर्शन और पंजाब किंग्स के स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह हैं। - **वसीम जाफर**

भारतीय बल्लेबाज, साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

संजू सैमसन

संजू सैमसन को तीन मैचों के लिए कप्तानी से हटाया गया है और इन मुकाबलों में टीम की कमान रियान पराग को सौंपी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू सैमसन की उंगली में चोट लगी थी, जिसके लिए उन्होंने ऑपरेशन भी करवाया था। चोट से पूरी तरह उबरने के बावजूद उन्हें कप्तानी से हटाने की वजह कुछ और मानी जा रही है। राजस्थान रॉयल्स लंबे समय से नए कप्तान की तलाश में है, लेकिन टीम ने लगातार संजू सैमसन पर भरोसा जताया है। अब टीम रियान पराग को आजमाना चाहती है और शुरुआती तीन मैचों में उनके प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... अली डेई 100 अंतरराष्ट्रीय गोल तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी थे। 50 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले पहले खिलाड़ी हंगरी के इमरे श्लोसर थे।

18वीं सीनियर राज्य स्तरीय (पुरुष/महिला) वुशू प्रतियोगिता

मुकाबले में जयपुर टीम का दबदबा रहा

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान वुशू संघ व अजमेर वुशू संघ के तत्वाधान में दिनांक 21 से 23 मार्च 2025 तक पुष्कर, अजमेर में चल रही 18वी

सीनियर राज्य स्तरीय (पुरुष/महिला) वुशू प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मुकाबले में जयपुर टीम का दबदबा रहा। हीरानन्द कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि प्रतियोगिता के तीसरे दिन पुरुष व महिला वर्ग के फाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे।

कुश्ती को दिलाएंगे नई पहचान, हर खेल प्रतिभा को देंगे बेहतर मंच : दत्ता

जयपुर/उदयपुर, 22 मार्च। राजस्थान कुश्ती संघ के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष और विशेषाधिकार लोकसभा स्पीकर ओम बिरला राजीव दत्ता शनिवार को उदयपुर प्रवास पर रहे। अध्यक्ष

बनने के बाद पहली बार उदयपुर आए दत्ता का जिला कुश्ती संघ और विभिन्न खेल संगठनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। नगर निगम टाउन हॉल में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में जिला कुश्ती संघ उदयपुर एवं समस्त खेल संघ जिसमे शतरंज, जूडू कबड्डी, खोखो, तैराकी, वॉली बॉल संघ शामिल हैं तथा जिला खेल अधिकारी, विभिन्न संगठनों, व्यापार संघों और समाजों की ओर से उनका स्वागत किया गया। इससे पहले, मुख्य मार्गों से विशाल वाहन रैली के रूप में दत्ता का काफिला गुजरा, जहां लोगों ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। सर्किट हाउस में भी उदयपुर के प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्तियों ने दत्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री गौतम दक ने भी उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

खेल परिषद अध्यक्ष नीरज के. पवन ने किया स्टेट ब्रिज चैम्पियनशिप का उद्घाटन

बीकानेर और कोटा टीमों का दावा मजबूत

जयपुर, 22 मार्च। बीकानेर और कोटा की टीमों ने शनिवार को यहां जयपुर क्लब में शुरू हुई राजस्थान स्टेट ब्रिज चैंपियनशिप के पहले दिन पीसी आग्रवाल ट्रॉफी के लिए खेली जा रही टीम ऑफ

फोर डुप्लीकेट इवेंट के सेमी फाइनल के पहले राउण्ड में अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ मजबूत बढ़त हासिल कर ली। टीम ऑफ फोर डुप्लीकेट इवेंट में विभिन्न जिलों की 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। शनिवार को देर रात तक चले सेमी फाइनल के पहले राउण्ड में बीकानेर टीम ने जहां भीलवाड़ा के खिलाफ 54-24 से बढ़त हासिल कर ली, वहीं कोटा ने दूसरे सेमी फाइनल में राजपूताना के खिलाफ 35-2 से एकतरफा बढ़त बना ली। सेमी फाइनल का दूसरा राउण्ड रविवार को सुबह खेला जाएगा। इससे पहले आज सुबह टीम ऑफ फोर डुप्लीकेट के छह राउण्ड के बाद बीकानेर, भीलवाड़ा, कोटा और राजपूताना टीमों ने सेमी फाइनल में जगह बनाई थी। आयोजन सचिव पीके अग्रवाल के अनुसार रविवार को टीम इवेंट के सेमी फाइनल का दूसरा राउण्ड और फाइनल होगा, वहीं बीएम तोषनीवाल ट्रॉफी के लिए मास्टर पेयर इवेंट के एलिमिनेशनल राउण्ड और उसके बाद फाइनल खेला जाएगा। इससे पूर्व आज सुबह राजस्थान खेल परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में जयपुर क्लब के अध्यक्ष मनोज बिड़ला और सचिव विशाल कौशल विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान ब्रिज एसोसिएशन के सचिव केपी माथुर ने की।

अल्काराज मियामी ओपन के दूसरे दौर में ही बाहर

फ्लोरिडा, 22 मार्च। डेविड गॉफिन से मिली आश्चर्यजनक हार के साथ कार्लोस अल्काराज़ ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में ही बाहर हो गये। चार बार के मेजर चैंपियन अल्काराज़ को बेल्जियम के विश्व में 55वें नंबर के खिलाड़ी गॉफिन ने 5-7, 6-4, 6-3 से हराया। स्पेन के अल्काराज़ ने 2022 में मियामी ओपन का खिताब जीता था और वह पिछले हफ़्ते इंडियन वेल्स के सेमीफ़ाइनल में पहुँचे थे। 21 वर्षीय अल्काराज़ ने कहा, मुझे लगा कि मैं अच्छा टेनिस खेलूँगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मेरे कदम ठीक नहीं चल रहे थे। मैं न तो घायल था और न ही बीमार।

साल्ट और कोहली की विराट पारी से आरसीबी को मिली आसान जीत

कोलकाता, 22 मार्च। फिल साल्ट (56) और विराट कोहली (59 नाबाद) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)-18 के उदघाटन मुकाबले में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को आसानी से सात विकेट से हरा दिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 174 रन बनाये जिसके जवाब में आरसीबी ने विजय लक्ष्य 22 गेंद शेष रहते पूरा कर लिया। आरसीबी की जीत में विराट की भूमिका अहम रही जिन्होने फिल साल्ट का विकेट गिरने के बाद कुछ गेंदो को आराम से खेला और बड़े शॉट्स खेलने में परहेज किया। दसवें ओवर तक यही स्थिति केकेआर की भी थी, उस समय सुनील नारायण का विकेट गिरने के बाद भी आंजिक्य रहाणे ने संयम नहीं बरता और अगले ही ओवर में बड़ा शाट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे थे।

अनुभवी विराट ने साथी बल्लेबाजों के लिये क्रीज में रहते हुये अभिभावक की भी भूमिका अदा की। रजत पाटीदार (34) ने धुआंधार बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया और 16 गेंदो की संक्षिप्त पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। उनके आउट होने तक आरसीबी अपनी जीत लगभग सुनिश्चित कर चुका था। विराट ने अपनी नाबाद पारी में चार चौके और तीन जानदार छक्के लगाये। इससे पहले उन्होने फिल साल्ट के साथ 95 रन की मैच जिताऊ पार्टनरशिप भी की। साल्ट ने अपनी विस्फोटक पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये। ईडन गार्डन की पिच पर केकेआर के गेंदबाज बेअसर दिखायी दिये। आरसीबी के गिरने वाले तीन विकेट वरुण चक्रवर्ती,वैभव अरोड़ा और सुनील नारायण ने बांट लिये।

इससे पहले क्विंटन डिकॉक (4) के रुप में पहला विकेट गिरने के बावजूद कप्तान आंजिक्य रहाणे (56) और सुनील नारायण (44) ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया और दसवें ओवर तक टीम का स्कोर तीन अंकों के पार पहुंचा दिया था। दोनो की बल्लेबाजी केकेआर के एक बड़े स्कोर की ओर इशारा कर रही थी मगर इस बीच रसिख सलाम ने सुनील नारायण को विकेट के पीछे आउट करा कर इस साझीदारी को तोड़ा जबकि अगले ही ओवर में रहाणे कृणाल पांड्या की छोटी गेंद को पुल करने के प्रयास में डीप स्कैवयर लेग पर कैच आउट हो गये।

लगातार दो विकेट गिरने के साथ केकेआर की रन गति में ब्रेक लग गया। इस बीच कृणाल पांड्या ने वेंकटेश अय्यर (6) और रिंकू सिंह (12) को चलता कर केकेआर को बैकफुट पर ढकेल दिया। उधर, रांद्रे रसल (4) सुयश वर्मा के हाथों क्लीन बोल्ड हो गये।

विकेटों के पतन के बीच एक छोर पर अंगकृष रघुवंशी (30) ने अपने हाथ दिखाये मगर टीम निर्धारित 20 ओवर में 174 रन से आगे नहीं बढ़ सकी। आरसीबी की ओर से कृणाल पांड्या (29 रन पर तीन विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे वहीं जॉश हेज़लवुड ने 22 रन देकर दो विकेट झटके। यश दयाल,रसिख सलाम और सुयश वर्मा को एक एक विकेट मिला।

आईपीएल 2025 ओपनिंग सेरेमनी

आईपीएल के 18वें सीजन से पहले लगा मनोरंजन का तड़का, श्रेया-दिशा और शाहरुख खान ने बिखेरा जलवा

कोलकाता, 22 मार्च। आईपीएल 2025 का आगाज हो चुका है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स इसका गवाह बना, जहां आईपीएल के 18वें सीजन से पहले ग्रांड ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन हुआ। इस दौरान रंगारंग प्रस्तुति का आयोजन हुआ। सीजन के पहले बॉलीवुड के किंग खान और केकेआर के मालिक शाहरुख खान ने इस ओपनिंग सेरेमनी में चार चांद लगाए। वहीं श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। 15 मिनट की श्रेया की प्रस्तुति में उन्होंने मां तुझे सलाम और वंदे मातरम के साथ अपनी परफॉर्मेंस का अंत किया। इसके बाद दिशा पाटने ने अपने डांस से सबको मोहा। इस दौरान उन्होंने अपने डांस मूव्स से दर्शकों को बेचेन किया।इसके अलावा दिशा पाटनी के बाद पंजाबी गायक करण औलजला ने हुस्न तेरा तौबा-तौबा गाया दर्शक झूम उठे। करण के गानों पर दिशा भी थिरकती हुई दिखी। वहीं शाहरुख खान के संबोधन के साथ रंगारंग कार्यक्रम का अंत हुआ। शाहरुख ने कहा कि, केमोन आचो (कैसे हो) कोलकाता। आज आईपीएल के 18 साल पूरे हो गए हैं और इस लीग ने अबतक इतने सितारों को जन्म दिया है जो अब पिता बन गए हैं। शाहरुख ने मंच पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को बुलाया और उनके साथ किंग खान ने ठुमके भी लगाए। शाहरुख ने झूमे जो पठान गाने पर विराट कोहली को अपने साथ डांस करवाया। शाहरुख ने कोहली से डांस की अपील की और दोनों ने पठान फिल्म के गाने पर डांस कर दर्शकों का मन मोह लिया।

मजबूत इरादों से अभियान का आगाज करेंगे राजस्थान-हैदराबाद

हैदराबाद, 22 मार्च। सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अभियान की शुरुआत करेगा। पिछले साल शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद घरेलू टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फाइनल में लड़खड़ा गई थी, लेकिन अब वह मजबूत शुरुआत करना चाहेगी। इस बीच राजस्थान रॉयल्स, जो हैदराबाद से दूसरे क्वालीफायर में बाहर हो गई थी, इस मुकाबले में जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। हैदराबाद का इस मैदान पर शानदार रिकॉर्ड रहा है, पिछले सीजन में वह यहां सिर्फ एक बार हारी थी। पिछले तीन मुकाबलों में जीत दर्ज करके वे राजस्थान पर मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल कर चुके हैं। दूसरी ओर, राजस्थान को अपने गेंदबाजी आक्रमण पर चिंता है और उम्मीद है कि उनकी बल्लेबाजी लाइनअप इसकी भरपाई कर सकेगी।

क्रिकेट में विशेष प्रतिभाओं को उभरते देखना हमेशा रोमांचक : संजू

कोलकाता, 22 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज ओर कप्तान संजू सैमसन ने टीम में बदलाव के बारे में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, यह वह चुनौती है जो आईपीएल ने मेरे सामने रखी है। पिछले तीन सीजन में, मैं दुनिया के कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों से घिरा हुआ था। अब, अचानक, मैं आईपीएल के सबसे युवा खिलाड़ियों से घिरा हुआ हूं। लेकिन युवाओं में आग होती हैं, वे साबित करना चाहते हैं कि वे किस चीज से बने हैं। इसलिए, भले ही हम उम्र के मामले में युवा हों, लेकिन हमारे पास अनुभव का अच्छा मिश्रण भी है। यह सब उस उत्साह को चैनलाइज़ करने और आगे आने वाले अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के बारे में है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वैभव सूर्यवंशी के बारे में बोलते हुए संजू सैमसन ने कहा कि क्रिकेट में विशेष प्रतिभाओं को उभरते देखना हमेशा रोमांचक होता है, और वैभव सूर्यवंशी निश्चित रूप से उनमें से एक हैं। जब आपके पास ऐसी क्षमता होती है तो उम्र मायने नहीं रखती। जब वह ट्रायल के लिए आया, तो हमारे स्काउट्स पहले से ही अंडर-19 मैचों में उसे ट्रैक कर रहे थे, और यह स्पष्ट था कि उसके पास कुछ असाधारण है। जिस तरह से वह अपने शॉट्स खेलता है, उससे पता चलता है कि वह उच्चतम स्तर के लिए बना है। वह राजस्थान रॉयल्स में सही हाथों में होने के लिए भाग्यशाली है, जहां युवा प्रतिभाओं ने लगातार भारतीय टीम में अपनी जगह बनाई है और मुझे सच में विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट के लिए उसके पास कुछ खास है। यह हमारे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है, न केवल आईपीएल के इन दो महीनों के लिए बल्कि पूरे साल के लिए भी, ताकि उसकी वृद्धि और विकास सुनिश्चित किया जा सके।

केकेआर के सुनील ने रचा कीर्तिमान

कोलकाता, 22 मार्च। आरसीबी के खिलाफ पहले मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपनी टीम के लिए शानदार पारी खेली और अपनी इस पारी के दम पर उन्होंने अंबाती रायुडू का रिकॉर्ड तोड़ तो वहीं इस मैच में सुनील नरेन बेशक अर्धशतक नहीं लगा पाए, लेकिन अपनी पारी के दौरान उन्होंने 3 छक्के लगाए और आईपीएल में 100 छक्के भी पूरे कर लिए हैं।सुनील नरेन ने ना सिर्फ आईपीएल में 100 छक्के पूरे किए बल्कि उन्होंने इस लीग में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले बैटर की लिस्ट में भी अपना नाम शुमार कर लिया और हार्दिक पंड्या के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफलता हासिल कर ली। सुनील नरेन ने आरसीबी के खिलाफ 26 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली और इस दौरान 3 छक्के और 5 चौके लगाए। इन 3 छक्कों के दम पर उन्होंने इस लीग में 100 छक्के पूरे किए। यही नहीं नरेन आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले बैटर की लिस्ट में चौथे नंबर पर आ गए। नरेन ने इस लीग में अपने 100 छक्के 950 गेंदों पर पूरे किए और हार्दिक को पीछे छोड़ दिए। जिन्होंने ये कमाल 1046 गेंदों पर किया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर आंद्रे रसेल हैं जिन्होंने 100 छक्के 657 गेंदों पर पूरा किया था।

धमाकेदार मुकाबले के लिए मुंबई और चेन्नई तैयार

चेन्नई, 22 मार्च। पांच पांच बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब अपने नाम कर चुकी मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स रविवार को चेपक में रोमांचक मुकाबले के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चेन्नई आईपीएल 2025 में रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में नई टीम और नए जोश के साथ उतरेगी। पिछले सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने से चूकने के बाद, सीएसके अपना दबदबा फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक है। 65 पारियों में 41.75 की औसत और 137 की स्ट्राइक रेट से 2380 रन बनाने वाले गायकवाड़ सीएसके की बल्लेबाजी लाइनअप की मुख्य कड़ी होंगे। गायकवाड रचिन रवींद्र के साथ ओपनिंग कर सकते हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 140.46 है, जबकि गायकवाड़ का स्ट्राइक रेट 131.90 है। इससे आक्रामक शुरुआत का संकेत मिलता है। राहुल त्रिपाठी के नंबर 3 पर अजिंक्य रहाणे की जगह खेलने की उम्मीद है। शिवम दुबे और हमेशा भरोसेमंद एमएस धोनी की मौजूदगी वाली सीएसके का मध्यक्रम मैच को खत्म करने में अहम भूमिका निभाएगा।

पैरा एथलीट अपने आदर्श धोनी की तरह चाहता है खेलना

नई दिल्ली, 22 मार्च। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के दूसरे दिन पुरुषों की 800 मीटर टी53/टी54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले रमेश शानमुगम अपने आदर्श क्रिकेट दिग्गज महेन्द्र सिंह धोनी की तरह प्रदर्शन करना चाहते हैं। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में स्वर्ण पदक विजेता शनमुगन ने कहा एमएस धोनी के रिटायर होने के बाद मैं क्रिकेट देखना बंद कर दूंगा। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के मन्नथमपट्टी नामक एक छोटे और सुदूर गांव से आने वाले रमेश कई वर्षो से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को अपना आदर्श मानते हैं और इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन की शुरुआत के लिए उत्सुक हैं। शानमुगम ने साई मीडिया से कहा, मैं पहले क्रिकेट खेलता था। मैं तेज दौड़ता था और विकेटकीपर भी था। मैं कई क्रिकेट मैच देख चुका हूं क्योंकि मुझे यह खेल देखना बहुत पसंद है, खासकर हमारे दिग्गज एमएस धोनी को देखना। 30 वर्षीय पैरा एथलीट का मानना है कि क्रिकेट के दिग्गज ने उन्हें कई चीजें सिखाई हैं, खासकर मुश्किल समय में शांत, संयमित और अनुशासित रहना। इसी तरह के सिद्धांतों का पालन करते हुए शानमुगम भारत में व्हीलचेयर रेसिंग में रैंक में ऊपर उठ रहे हैं।

जेएसडब्ल्यू इंडिया ओपन के साथ होगी भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्क्वैश की वापसी

मुंबई, 22 मार्च। मुंबई में 24 मार्च से शुरु होने वाले जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन 2025 के साथ भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्क्वैश की वापसी होगी। देश के पहले पीएसए स्क्वैश कॉपर टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 53,500 अमेरिकी डॉलर है। इसका फाइनल 28 मार्च को बॉम्बे जिमखाना में होगा। प्रतियोगिता इनडोर कोर्ट पर शुरू होगी, जबकि क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच फुल-ग्लास आउटडोर कोर्ट पर खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट में रमित टंडन, वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चोटरानी, अनाहत सिंह और आकांक्षा सालुंखे जैसे शीर्ष भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी कोर्ट पर उतरेंगे। साथ ही फ्रांस, स्पेन, हॉलैंड, मिस्त्र, कनाडा, इंग्लैंड, अमेरिका, मलेशिया और जापान सहित अन्य देशों के कुछ प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय एथलीट भी मैदान में उतरेंगे। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में कुल 24 खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें भारत के रमित टंडन और आकांक्षा सालुंखे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। इस बीच, भारत के सूरज कुमार चंद और अंजलि सेमवाल जेएसडब्ल्यू इंडिया ओपन में वाइल्ड कार्ड एंट्री हैं।

आईआईएस की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा ने कहा, हमें भारत में स्क्वैश को उच्चतम स्तर पर वापस लाने में सक्षम होने पर खुशी है। स्क्वैश जैसे खेलों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सर्किट में वापस लाने की जरूरत है। और ऐसे आयोजनों के माध्यम से, हमें अपने खिलाड़ियों को बढ़ावा देना और उनका समर्थन करना होगा और उन्हें यह सीखने की जरूरत है कि बड़े आयोजन कैसे खेले जाते हैं। भारतीय दृष्टिकोण से, यह निश्चित रूप से एक ऐसा खेल है जिस पर हम हावी हो सकते हैं, इसलिए यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर होगा।

चोटिल गार्डनर टी-20 सीरीज से बाहर

ऑकलैंड, 22 मार्च। अंगुली में चोट की शिकार ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की प्रमुख ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर न्यूजीलैंड दौरे के खिलाफ श्रृंखला के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गयी है। शुक्रवार को पहले टी20 मैच के दौरान उनकी दाहिनी तर्जनी अंगुली में फ्रैक्चर हो गया है। स्कैन में इसकी पुष्टि हो गयी है। जिसकी वजह से गार्डनर शेष मैच नहीं खेल पायेगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि की है।

हॉकी इंडिया ने महिला कोचिंग शिविर के लिए किया 65 संभावितों का ऐलान

नई दिल्ली, 22 मार्च। हॉकी इंडिया ने शनिवार को बेंगलुरु के साई में शुरू होने वाले आगामी सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 65 सदस्यीय कोर संभावित टीम की घोषणा की। इस टीम का चयन पंचकूला में 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हाल के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, जहां हॉकी झारखंड ने हॉकी हरियाणा को रोमांचक शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। मौजूदा कोर समूह से 30 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जबकि असम हॉकी, हॉकी चंडीगढ़, हॉकी हिमाचल, साई, हॉकी बंगाल, यूपी हॉकी, हॉकी झारखंड, हॉकी कर्नाटक, मणिपुर हॉकी, हॉकी पंजाब, केरल हॉकी, एमपी हॉकी, सीआरपीएफ, ओडिशा, सीबीडीटी, हॉकी मिजोरम, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी एपी से खिलाड़ियों को बुलाया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह प्रतियोगिता देखने और नई प्रतिभाओं की खोज करने के लिए प्रीमियर घरेलू राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मौजूद थे।

जयपुर पोलो सीजन 2025, आरपीसी पोलो कप

कृष्णा पोलो और एसएमएस पोलो एकेडमी ने मैच जीता

जयपुर, 22 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2025, आरपीसी पोलो कप के मैच में शनिवार को रामबाग पोलो ग्राउंड पर दो मैच खेले गए। पहला मैच कृष्णा पोलो ओर आरपीसी के बीच खेला गया जिसमें कृष्णा पोलो ने आरपीसी को 6-5 के स्कोर से हराया। कृष्णा पोलो की ओर से रणशेय पुरोहित ने 4, वंदित गोलेछा ओर अश्विनी शर्मा ने 1-1 गोल किए, जबकि आरपीसी की ओर से शिवांगी ने 1, महाराजा पदमनाभ सिंह ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम के लिए 4 गोल किये लेकिन टीम की हार नही टाल पाए।

दूसरा मैच पीपीसी बनाम एसएमएस पोलो एकेडमी के बीच रामबाग पोलो ग्राउंड पर खेला गया जिसमें एसएमएस पोलो एकेडमी ने पीपीसी को 4-4.5 के स्कोर से हराया। पीपीसी की ओर से दिव्यमान सिंह ने 1, लोकेन्द्र सिंह ने 3 गोल किये। जबकि आधे गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही एसएमएस पोलो एकेडमी की ओर से मयूरध्वज सिंह और आरव मेवाड़ा ने 1-1, एलन माइकल ने 2 गोल किये।

सीआईएसएफ का खिताब तय, गढ़वाल पिटी

नयी दिल्ली 22 मार्च। तीसरी दिल्ली प्रीमियर लीग का विजेता तय हो गया है। हालांकि अभी दो मैच खेले जाने बाकी हैं लेकिन पुलिस खेलों की चैंपियन सीआईएसएफ प्रोटैक्टर ने आज यहाँ अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर अपने 21वें मैच में सुदेवा दिल्ली एफसी को 2 -1 से हरा कर ख़िताब पर कब्ज़ा कर लिया है। दिन के दूसरे मुकाबले में रॉयल रेंजर्स एफसी ने गढ़वाल हीरोज पर 2 -0 की जीत दर्ज की। विजेता के गोल अखिलेश देवरानी औऱ के एल शिखर ने किए। सीआईएसएफ के लिए आदित्य औऱ शक्तिनाथ ओराओन ने गोल जमाए। पराजित सुदेवा का गोल जाजो प्रशान ने किया। सीआईएसएफ के फिलहाल 47 अंक हैं, जिस तक पहुंचना अन्य टीमों के लिए संभव नहीं होगा। विजेता टीम को अपने अंतिम लीग मुकाबले में पिछली चैंपियन गढ़वाल हीरोज से खेलना है, जिसके परिणाम का कोई फर्क नहीं पड़ने वाला क्योंकि गढ़वाल को रॉयल रेंजर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। डीपीएल में ख़िताबी दावेदारों में आगे की कतार पर खड़ी गढ़वाल ने शायद आज अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया।

हीथर नाइट ने छोड़ी इंग्लैंड की कप्तानी

नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड बनी थी वर्ल्ड चैम्पियन

नई दिल्ली, 22 मार्च। हीथर नाइट ने लगभग 9 साल बाद इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। इसकी जानकारी इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दी है। हालांकि, 34 वर्षीय ये खिलाड़ी इंग्लैंड के चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी। 2016 में कप्तानी की भूमिका संभालने के बाद से नाइट ने 199 मैचों में इंग्लैंड टीम का नेतृत्व किया है।नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर 2017 में भारत को हराकर वर्ल्ड कप जीता था। इसके अलावा उनके नेतृत्व में दो अन्य आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में टीम खेली। नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड ने 134 मैच जीते और वह इंग्लैंड की दूसरी सबसे सफल कप्तान हैं। नाइट की कप्तानी में इंग्लैंड की टीम को लगातार आठ वनडे सीरीज जीती। इसमें 2023 के घरेलू सरजमीं पर एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया को हराना भी शामिल है। हालांकि, पिछले साल यूएई में हुए टी20 वर्ल्ड कप और हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में हुए एशेज में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ईसीबी ने नए कप्तान की नियुक्त करने का फैसला किया है। नाइट के उत्तराधिकारी की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। वहीं इस पर नाइट ने कहा कि, पिछले 9 सालों से अपने देश की कप्तानी करना मेरे जीवन का सबसे बड़ी सम्मान रहा है और मैं अपने कार्यकाल को बहुत गर्व के साथ याद करूंगी। मुझे टीम का नेतृत्व करने की चुनौती पसंद है, लेकिन सभी अच्छी चीजें खत्म होती हैं और अब समय आ गया है कि मैं टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और टीममेट बनने पर ध्यान केंद्रित करूं।

कांग्रेस ने गरीबी हटाओं का सिर्फ नारा दिया, हमारी सरकार 5 हजार गाँवों को गरीबी से मुक्त करेगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने भाजपा स्नेह मिलन कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया

जयपुर, 22 मार्च। भारतीय जनता पार्टी के होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

एंटरटेनमैंट पैराडाइज़ में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थानी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें शेखावाटी का लोक धमाल, घूमर, गींदड़ जैसे नृत्य प्रमुख थे।

■ उन्होंने कहा, अभी हमारे संगठन चुनाव हुए हैं, इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में यदि किसी को कोई गिला-शिकवा है तो होली के पर्व पर उसे भुलाकर आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज गाँव -गाँव ढ ाणी -ढ ाणी से पधारे हमारे सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत है। हमारा अभी संगठन पर्व सम्पन्न हुआ है, जिसमें पार्टी की आंतरिक चुनाव प्रक्रिया से जिलाध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों का चयन किया गया है। हम लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं और इस लोकतंत्र की चुनाव प्रक्रिया में यदि कोई गिला शिकवा हुआ है तो इस होली के पर्व पर हमें उसे भुलाते हुए आगे बढ़ ना है और संगठन को मजबूत बनाना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को होली की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने "गरीबी हटाओ" का सिर्फ नारा दिया, लेकिन गरीबों से कोई वास्ता नहीं रखा। हमारी सरकार ने बजट में प्रदेश के 5 हजार गांवों को गरीबी से मुक्त करने का संकल्प लिया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी नवनियुक्त मंडल और जिलाध्यक्षों का पार्टी की तरफ़ से स्वागत किया। उन्होंने कहा, आपको पद नहीं, दायित्व मिला है। सभी को निष्ठा पूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करना है।

इस अवसर पर मंच पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सतीश पूनियां सहित पार्टी के अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, मंत्रीगण, विधायकगण, विभिन्न जिलों से पधारे पदाधिकारीगण व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

दिल्ली हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुआ था। घटना के दौरान जस्टिस वर्मा शहर से बाहर थे।

हालांकि, इसके बाद देर शाम फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग का बयान सामने आया, जिसमें उनके हवाले से बताया गया था कि जस्टिस वर्मा के घर आग बुझाने के दौरान उनकी टीम को कोई कैश नहीं मिला था, पर अटकलों का बाज़ार लगातार गर्म बना रहा। बार काउंसिल के सदस्यों ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेन्द्र उपाध्याय के सामने इस मुद्दे को उठाया और उनसे कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले पर बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि कैश मिलने की गलत सूचनाएं और अफवाहें फैलाई जा रही हैं।

पूरे घटनाक्रम के दौरान, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने जस्टिस वर्मा का वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में साफ किया कि जज के बंगले से कैश मिलने की खबर और उनके तबादले का आपस में कोई संबंध नहीं है।

ट्रंप की आशा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से हमला किया, जिससे अमेरिकी नौसेना को भारी झटका लगा था।

अमेरिकी नौसेना मुख्यालय ने "हैरी एस. ट्रूमैन" के साथ एक अतिरिक्त बल भेजने का आदेश दिया है तथा और अधिक जहाज भी भेजे जा सकते हैं। वैसे भी, परमाणु ऊर्जा से चलने वाले जहाज एक बड़ी ताकत हैं। लेकिन अमेरिका और इज़रायल दोनों पर हो रहे हूती हमलों की बिखरी हुई प्रकृति ने इन दोनों देशों की ताकतों को बेचैन कर दिया है।

वन रक्षक पेपर लीक प्रकरण में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और कांग्रेस का पूर्व पार्षद गिरफ्तार

■ गहलोत सरकार के कार्यकाल में हुए पेपर लीक की जाँच में राजकीय महाविद्यालय बाड़मेर के अध्यक्ष और पूर्व पार्षद आरोपी हैं।

जयपुर, 22 मार्च। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वनरक्षक पेपर लीक मामले में कार्यवाही करते हुए पूर्व, छात्रसंघ अध्यक्ष और कांग्रेस के पूर्व पार्षद नरेश देव उर्फ एनडी सारण, निवासी बाड़मेर को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वी.के सिंह ने बताया कि वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में बांसवाड़ा में दर्ज प्रकरण संख्या 130/2024 के तहत जांच चल रही है। इस प्रकरण में 12 मार्च को गिरफ्तार आरोपी कंवराराम जाट निवासी बाड़मेर से पूछताछ में सामने आया कि एन डी सारण वांछित आरोपी जबराराम जाट के सम्पर्क में था। आरोपी एन डी सारण ने वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020, 13 नवम्बर 2022 का सॉल्वड पेपर, परीक्षा से पूर्व पढ़ने के लिए, अपनी ईनोवा कार में 7 कैंडीडेट व पेपर हैंडलर को अपने ड्राइवर के साथ बाड़मेर से प्राइवेट बस स्टेण्ड उदयपुर भेजा था। सभी कैंडीडेटों को उनकी पारी के अनुसार वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 का सॉल्वड पेपर, जबराराम जाट ने कंवराराम को सुपुर्द किए थे। गिरफ्तार आरोपी नरेश देव उर्फ एन डी सारण से किए गए अनुसंधान से उसके द्वारा प्रत्येक कैंडीडेट से परीक्षा में अन्तिम रूप से चयन होने पर 6-6 लाख रुपए कुल राशि तथा अपने हैंडलर के मार्फत कुल 7 कैंडीडेट से कुल 42 लाख रुपए प्राप्त करना स्वीकार किया है। प्रकरण में अब तक 27 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नागपुर हिंसा में घायल व्यक्ति की मौत

नागपुर, 22 मार्च। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में सोमवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा में घायल एक व्यक्ति की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि इरफान अंसारी की इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में दोपहर एक बजकर 20 मिनट पर मौत हो गई। अंसारी को गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हिंसा के दौरान जितनी संपत्ती का नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई दंगाइयों से की जाएगी।

एस.आई. पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें उसकी साली प्रियंका गोस्वामी की दोस्त मोनिका भी शामिल थी। इसके बाद प्रियंका गोस्वामी को पूछताछ के लिए मुख्यालय बुलाया गया था, लेकिन प्रियंका गायब हो गई। वहीं नकल कर पास हुए ट्रेनी एसआई के खिलाफ एसओजी ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। 15 से ज्यादा ट्रेनी एसआई एसओजी की रडार पर हैं। इनसे एसओजी पूछताछ करने की तैयारी कर रही है। इनमें से कुछ को एसओजी ऑफिस बुलाया जा रहा है। एडीजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी और जैसलमेर पुलिस राजस्थान पुलिस की ट्रेनी एसआई प्रियंका गोस्वामी की तलाश कर रही हैं। बाड़मेर के कांग्रेस नेता नरेश देव सहारण को भी एसओजी ने पेपर लीक मामले में डिटेन किया है। सहारण से एसओजी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। जांच में पुष्टि होने के बाद आगे का एक्शन लिया जाएगा।

पिछले वर्ष ओडिशा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया था जब महात्मा गांधी को उनकी 77 वीं पुण्यतिथि पर पुष्पों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद वे ताली बजाते हुए नजर आए। ज्ञातव्य है कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रुप में मनाया जाता है। गत वर्ष भी उन्होंने राज्य विधानसभा में उस समय विवाद खड़ा कर दिया जब आरक्षण कानून पर उन्होंने राजद विधायक रेखा देवी पर प्रहार किया और रेखा देवी की तरफ अपनी अंगुलियां हिलाते हुए कहा कि उनके सत्ता में आने के बाद ही महिलाओं की अपना हक मिलने लगा है। पिछले महीनों में, ऐसे अनेक अवसर आये हैं, जब नीतीश कुमार लोगों के पैर छूते दिखाई दिये हैं, इन लोगों में प्रधानमंत्री भी शामिल हैं। नालन्दा की एक कॉन्फ्रेंस में, नीतीश कुमार प्रधानमंत्री मोदी, जो उनके ठीक पास बैठे हुये थे, की उँगलियों को बड़े आश्चर्यजनक ढंग से टकटकी लगाकर देखते दिखाई दिये। विपक्षी आरजेडी ऐसी स्थितियों पर कटाक्ष करता रहा है। आरजेडी ने अभी हाल ही में एक "खलनायक" पोस्टर जारी किया, जिस पर कुमार की तस्वीर बनी हुई थी तथा उसके नीचे बॉलीवुड की फिल्म "खलनायक" के गाने की यह पंक्ति लिखी हुई थी- "नायक नहीं, खलनायक हूँ मैं।" पोस्टर में, कुमार पर "महिलाओं का अपमान करने, गांधी जी का अपमान करने और अब राष्ट्रगान का अपमान करने" का आरोप लगाया गया था।

6 राज्यों के मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, बी.आर.एस. नेता के.टी. रामाराव और ओडिशा के बीजेडी नेता संजय कुमार दास वर्मा भी मीटिंग में आए। यह पहली बार है, जब बी.आर.एस. और बीजेडी ने भाजपा के खिलाफ किसी मीटिंग में भाग लिया। वायएसआरसीपी, जो भाजपा की कट्टर समर्थक है, ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि परिसीमन ऐसे किया जाए कि दक्षिण भारत को नुकसान न हो।

स्टालिन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार ने कहा कि आज कर्नाटक, तमिलनाडु व इस कक्ष में मौजूद हरेक प्रगतिशील राज्य के सामने कड़ी चुनौती है, या तो वह दबाव में आ जाए या उठकर विरोध करे। हमने विरोध करने का विकल्प चुना है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवंत राव ने कहा कि वे जॉइन्ट एक्शन कमेटी की दूसरी बैठक का आयोजन करेंगे। जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हुआ तो उत्तर भारत हमें दोयम दर्जे का नागरिक बना देगा। दक्षिण का महत्व कम हो जाएगा।

दो अति.मु.सचिवों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया था, जिसके कॉन्ट्रैक्ट में प्रावधान था कि तय समय से पहले रोड निर्माण होने पर कंपनी को बोनस दिया जाएगा। पर तय अवधि से पूर्व निर्माण होने के बाद भी बोनस भुगतान नहीं हुआ तो मामला आर्बिट्रेटर के समक्ष गया।

भुगतान को लेकर आर्बिट्रेटर के आदेश को विभाग ने वाणिज्यिक न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक चुनौती दी, लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग को राहत नहीं मिली।

कुल करीब 167 करोड़ रुपए के बकाया भुगतान को लेकर वाणिज्यिक न्यायालय ने विभाग की संपत्तियों की सूची मांगी, ताकि उनको कुर्क कर राशि दिलवाई जा सके। न्यायालय ने अतिरिक्त मुख्य सचिव गुप्ता का शपथ पत्र मांगा था, जो नहीं दिया गया, तो न्यायालय ने उन्हें तीन माह के सिविल कारावास की सजा सुनाई।

दूसरी ओर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के पाइपलाइन डालने के प्रोजेक्ट में करीब 31 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं होने के मामले में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए सावंत को तीन माह के सिविल कारावास की सजा सुनाई गई है। इस मामले में आर्बिट्रेटर की ओर से एल एंड टी कंपनी के पक्ष में करीब 31 करोड़ रुपए के भुगतान का आदेश दिया गया था।

इसकी पालना को मामला वाणिज्यिक न्यायालय पहुंचा। जहां बार-बार अवसर देने के बावजूद, भुगतान के संबंध में सावंत का शपथ पत्र पेश नहीं हुआ। इस पर न्यायालय ने उन्हें सिविल कारावास का आदेश दिया।

अपनी कार बेचने/खरीदनें के लिए स्कैन करें
छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
वेरिफाइड कार हिस्ट्री*
1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।
TRUE VALUE CERTIFIED

JAIPUR: CHITRAKOOT MARG, SATYA COLONY, TAGORE NAGAR, JAIPUR, AURIC MOTORS: 8690988784,8890988912, 8690988758 | E-101, ROAD NO. 8, VKIA AREA, JAIPUR, PREM MOTORS: 8058403311, 8058794187, 8058791634 | E-197(A), RIICO INDUSTRIAL AREA, MANSAROVAR, JAIPUR, KP AUTOMOTIVES: 9549651769, 9116190346 | B 1 GOVIND MARG, RAJAPARK OPP. PINK SQUARE MALL, KP AUTOMOTIVE: 9549851770, 9116190344 | A-209, RAJENDRA PRASAD NAGAR, 200FT BYPASS, AJMER ROAD, JAIPUR, SATNAM MOTOCORP. 7413900007, 7413900009, 7821823626, 8290654400, 7568249500, 9358868371 | 13 JHOTWARA INDUSTRIAL AREA, NEAR JHOTWARA POLICE STATION, JAIPUR, KTL: 7412068475, 9602001594, 9257051686 | SECTOR-35,PRATAP NAGER,TONK ROAD,JAIPUR, SANGA AUTONATION PVT LTD.: 9057809146, 9057809143, 9057809144 | PADMAWATI COLONY- II, OPPOSITE METRO PILLAR NO 25, MANSAROVER METRO STATION JAIPUR, VIPUL MOTORS PVT. LTD.: 7232899414, 9829351470, 9079191348.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908